नई दिल्ली । शुक्रवार, 08 मई, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष षष्ठी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :122 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक विश्व केसरी

नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari_news
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल आर्चरी विश्व कप स्टेज 2 : भारतीय महिला रिकर्व...
@ विचार सोमनाथः भारत की अजेय आत्मा का प्रतीक...
@ व्यापार भारतीय शेयर बाजार उतार-चढ़ाव भरे सत्र में ...

सियासी संग्राम के बीच पश्चिम बंगाल विधानसभा भंग

राज्यपाल आरएन रवि ने ममता बनर्जी के मंत्रिमंडल को भी बर्खास्त कर दिया

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि ने गुरुवार को राज्य विधानसभा को भंग कर दिया। राज्यपाल ने यह निर्णय तृणमूल चीफ ममता बनर्जी के चुनाव हारने के बावजूद इस्तीफा देने से मना करने के बाद लिया।

राज्यपाल आरएन रवि ने ममता बनर्जी के मंत्रिमंडल को भी बर्खास्त कर दिया है। इसके लिए उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 174 (2) (बी) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल किया है।

लोकभवन, कोलकाता की तरफ से जारी पत्र में कहा गया कि राज्यपाल आरएन रवि ने विधानसभा भंग करने का आदेश दिया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

दरअसल, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद राज्य में राजनीतिक टकराव की स्थिति पैदा हो गई थी, खासकर ममता बनर्जी के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से इनकार करने के बाद ।ममता बनर्जी 2011 से लगातार पश्चिम बंगाल की सत्ता पर काबिज थीं। वह तीन बार राज्य की मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। 2026 विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बड़ी जीत हासिल की है। भाजपा ने 293 में से 207 सीट हासिल की है, जबकि तृणमूल 80 सीटों तक ही सिमट कर रह गई है। बंगाल में बहुमत का जादुई आंकड़ा छूने के लिए 148 सीट चाहिए थीं, लेकिन भाजपा ने 207 सीटों के साथ यह आंकड़ा भी पार कर लिया है। वहीं, एक सीट फाल्टा पर 21 मई को मतदान और 24 मई को नतीजे आएंगे।

इस बीच ममता बनर्जी को सबसे बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। वह अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से भाजपा के सुवेंदु अधिकारी से 15 हजार से ज्यादा वोटों से हार गई हैं। हालांकि, उन्होंने हार मानने से इनकार कर दिया। उनका आरोप है कि चुनाव में बड़े स्तर पर धांधली की गई, जिसके चलते उनसे जनता का जनादेश छीन लिया गया। ममता ने इस्तीफा देने से इनकार करते हुए कहा कि हम हारे नहीं हैं, बल्कि हमें हराया गया है।

सक्षिप्त खबर

ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठः सेना प्रमुख, बोले- अभी तो शुरुआत है

जयपुर। ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ के अवसर पर जयपुर स्थित साउथ वेस्टर्न कमांड में देश की तीनों सेनाओं के प्रमुखों और उच्च अधिकारियों ने हुंकार भरी है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सैन्य अधिकारियों ने स्पष्ट संदेश दिया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है, बल्कि यह तो केवल शुरुआत है। `सेना ने आत्मनिर्भर भारत की शक्ति पर जोर देते हुए बताया कि वर्तमान में 65 प्रतिशत हथियार देश में ही बन रहे हैं और भारतीय सेना इन्हीं स्वदेशी हथियारों का उपयोग कर रही है। डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई और एयर मार्शल अवधेश कुमार ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य बिल्कुल स्पष्ट था और सेना को कार्रवाई के लिए पूरी छूट दी गई थी।

बिहारः सम्राट मंत्रिमंडल का विस्तार

विजय सिन्हा कृषि तो निशांत संभालेंगे 'स्वास्थ्य' नीतीश को नगर विकास और आवास

एजेंसी ■ पटना

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गुरुवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया है। मंत्रिमंडल में 32 मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस बीच, सीएम सम्राट ने शाम को मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा कर दिया है।

पूर्व उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा को जहां कृषि मंत्री का दायित्व सौंपा गया है तो वहीं निशांत कुमार को स्वास्थ्य विभाग का दायित्व दिया गया है। इसके अलावा, उप मुख्यमंत्री विजय चौधरी को जहां जल संसाधन और संसदीय कार्य मंत्री बनाया गया है, वहीं बिजेंद्र प्रसाद यादव को वित्त और वाणिज्य कर की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

श्रवण कुमार को सूचना और जन संपर्क और ग्रामीण विकास, दिलीप कुमार जायसवाल को राजस्व और भूमि सुधार विभाग, लेसी सिंह को भवन निर्माण, रामकृपाल यादव को सहकारिता, नीतीश मिश्रा को नगर विकास और आवास, सूचना प्रावैधिकी, दामोदर रावत को परिवहन, संजय सिंह टाइगर को उच्च शिक्षा और विधि और अशोक चौधरी को खाद्य और उपभोक्ता संरक्षण विभाग का दायित्व दिया गया है ।इधर, भगवान सिंह कुशवाहा को योजना और विकास, अरुण शंकर प्रसाद को श्रम संसाधन और प्रवासी श्रमिक कल्याण, युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग, मदन सहनी को मद्य निषेध , उत्पाद और निबंधन, संतोष कुमार सुमन को लघु जल संसाधन, रमा निषाद को पिछड़ा वर्ग और अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, रत्नेश सदा को आपदा प्रबंधन की जिम्मदारी दी गई है ।इसके अलावा कुमार शैलेन्द्र को पथ निर्माण, शीला कुमारी को विज्ञान, प्रावैधिकी और तकनीकी शिक्षा, केदार प्रसाद गुप्ता को पर्यटन विभाग, लखेन्द्र कुमार रौशन को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कल्याण, सुनील कुमार को ग्रामीण कार्य, श्रेयसी सिंह को उद्योग और खेल मंत्रालय सौंपा गया है ।जमा खान को एक बार फिर अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की जिम्मदारी दी गई है ।नन्दकिशोर राम को डेयरी, मत्स्य और पशु संसाधन विभाग, शैलेंद्र कुमार उर्फ बुलो मंडल को ऊर्जा, प्रमोद कुमार को खान और भूतत्व और कला एवं संस्कृति, श्वेता गुप्ता को समाज कल्याण, मिथिलेश तिवारी को शिक्षा, रामचंद्र प्रसाद को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, संजय कुमार सिंह को लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण, संजय कुमार को गन्ना उद्योग और दीपक प्रकाश को पंचायती राज की जिम्मेदारी दी गई है।

बंगाल में नहीं थम रही हिंसा, हावड़ा छावनी में तब्दील हुआ

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। राज्य के कई इलाकों में भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की बीच झड़प की खबरें आ रही हैं। गुरुवार को हावड़ा के शिवपुर स्थित चौराबस्ती इलाके में कथित तौर पर भाजपा और तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हो गई। घटना में एक व्यक्ति घायल हुआ है। नतीजे आने के बाद से ही राज्य के अलग-अलग हिस्सों में खूनी खेल शुरू हो गया है। चुनाव के परिणाम घोषित होने के बाद शांति बहाल होने के बजाय हिंसा और राजनीतिक टकराव की खबरें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। उत्तर 24 परगना जिले का पानीहाटी इलाका उस वक्त दहल उठा जब वहां भाजपा कार्यकर्ताओं को निशाना बनाकर बम फेंके गए। एक तरफ जहां लोग जीत का जश्न मना रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ हिंसा की इन घटनाओं ने आम आदमी के मन में डर पैदा कर दिया है। यह हिंसा केवल एक इलाके तक सीमित नहीं है, बल्कि बसीरहाट, बरानगर और हावड़ा जैसे क्षेत्रों से भी ऐसी ही खबरें सामने आ रही हैं।

सुवेंदु अधिकारी का दावा, 'भाजपा से जुड़े होने की वजह से पीए चंद्रनाथ की हत्या'

टीएमसी पर लगाए गंभीर आरोप

एजेंसी ■ कोलकाता

भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने टीएमसी कार्यकर्ताओं पर बंगाल में हिंसा फैलाने का आरोप लगाया और 9 मई को नई सरकार के शपथ लेने के बाद कड़ी कार्रवाई करने का संकल्प लिया। उन्होंने दावा किया कि चंद्रनाथ रथ की हत्या मेरे पीए होने की वजह से की गई।

सुवेंदु अधिकारी ने मीडिया से बातचीत के दौरान आरोप लगाया कि ममता बनर्जी की पार्टी के कार्यकर्ता राज्य में हिंसा फैला रहे हैं।

उन्होंने कहा कि चंद्रनाथ रथ की हत्या किसने की और यह कैसे हुई, इसकी जांच एजेंसियां करेंगी। लेकिन मैं यह साफ कर देना चाहता हूं कि चंद्रनाथ रथ की हत्या का सिर्फ एक ही कारण है। वह भाजपा के सुवेंदु अधिकारी के एग्जीक्यूटिव असिस्टेंट थे और सुवेंदु अधिकारी ने बंगाल विधानसभा चुनाव में भवानीपुर में ममता बनर्जी को हराया था। यही एकमात्र कारण है। मैं उनके परिवार का साथ दूंगा। परिवार मांग कर रहा है कि आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए।

उन्होंने अपने पर्सनल असिस्टेंट चंद्रनाथ रथ की हत्या को राजनीतिक कारणों से जुड़ा बताया और कहा कि रथ को इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि वे उनके करीबी सहयोगी थे ।अधिकारी के मुताबिक, पोस्टमॉर्टम में शरीर से चार गोलियां निकाले जाने की बात सामने आई है और हत्या बहुत करीब से की गई। उन्होंने इसे 'शातिर अपराधियों' का काम बताया। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने जांच में महत्वपूर्ण साक्ष्य मिलने और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद होने की जानकारी दी है।

भाजपा नेता ने कहा कि 9 मई को नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह से पहले पूरे बंगाल में कानून व्यवस्था को तोड़ने के लिए ममता बनर्जी अपने भतीजे को लेकर बैठकें कर रही है। मैं उम्मीद करता हूं कि जनता जनार्दन नई सरकार के साथ रहेगी। 9 मई के बाद गुंडों और अपराधियों को सरकार सीधा करने का काम करेगी।

भाजपा नेता ने दावा किया कि 9 मई को नई सरकार के शपथ ग्रहण से पहले राज्य में कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश हो रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा के सत्ता में आने पर पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था सुधारी जाएगी और अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। साथ ही उन्होंने उत्तर प्रदेश और बिहार का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां भी पहले ऐसी स्थिति थी।

यूपीः चुनाव से पहले सपा में टूट

राष्ट्रीय सचिव सहित 30 पदाधिकारी ओपी राजभर की पार्टी में शामिल

एजेंसी ■ लखनऊ

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने विधानसभा चुनाव से पहले संगठन विस्तार अभियान तेज कर दिया है। बृहस्पतिवार को समाजवादी पार्टी और बुनकर मजदूर विकास समिति से जुड़े 30 पदाधिकारियों, ग्राम प्रधानों और कार्यकर्ताओं ने सुभासपा की सदस्यता ली। पार्टी के राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता अरुण राजभर की मौजूदगी में सभी नेताओं को सदस्यता दिलाई गई। उन्होंने कहा कि पार्टी का कुनबा बढ़ रहा है। पार्टी में शामिल होने वालों में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव जावेद आलम प्रमुख रहे। इसके अलावा बुनकर मजदूर विकास समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष शहाबुद्दीन अंसारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. मोहम्मद नाजिम अंसारी, युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ताजुद्दीन अंसारी, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष खालिद सैफी, राष्ट्रीय सचिव अयूब अंसारी, प्रदेश प्रभारी कारी लाइक अंसारी, युवा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष मुफ्ती मेहर आलम कासमी अंसारी, सलीम अंसारी, मोहम्मद अय्यूब अंसारी, मोहम्मद रिजवान, मो. नईम, कल्लन सैफी, शकील अहमद, उमर, जहीर अहमद, मोहम्मद इब्राहिम, मुन्तयाज, पदम प्रकाश, अंकित कुमार, मोहम्मद फुरकान, इन्जयामुल हक, बदर जमील, सद्दन खान, नवेद आलम, अनीस अहमद, वकील अहमद (बिजनौर), वकील अहमद (लखनऊ) कारी सलमान और पूर्व प्रभारी बलराज प्रजापति शामिल रहे।

तमिलनाडु में सियासी अनिश्चितता के बीच बहुमत जुटाने में जुटी टीवीके

एजेंसी ■ चेन्नई

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने के बाद अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) सरकार बनाने के लिए समर्थन जुटाने में सक्रिय हो गई है। 234 सदस्यीय विधानसभा में 108 सीटें जीतकर टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। कांग्रेस के समर्थन के बाद गठबंधन की संख्या 112 विधायकों तक पहुंच गई है, हालांकि बहुमत के लिए जरूरी 118 के आंकड़े से पार्टी अब भी छह सीट दूर है।

सरकार गठन को लेकर जारी राजनीतिक अनिश्चितता के बीच विजय ने मंगलवार को राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया था। हालांकि, खबरों के मुताबिक राज्यपाल ने उन्हें बताया कि पर्याप्त संख्याबल साबित करने के बाद ही पार्टी को सरकार बनाने का न्योता दिया जा सकता है।

विजय ने फिर की राज्यपाल से मुलाकात

इसके बाद विजय ने बुधवार को फिर राज्यपाल से मुलाकात की। यह बैठक 40 मिनट से अधिक समय तक चली। बैठक के बाद राजभवन की ओर से जारी बयान में कहा गया कि विजय ने स्वीकार किया है कि टीवीके के पास फिलहाल अपने दम पर सरकार बनाने के लिए आवश्यक संख्या नहीं है। बहुमत जुटाने की कोशिशों के तहत बुधवार को टीवीके नेताओं ने विभिन्न राजनीतिक दलों से बातचीत तेज कर दी। पार्टी के महासचिव सीटीआर निर्मल कुमार ने वामपंथी दलों के राज्य सचिवों से मुलाकात कर समर्थन मांगा। वहीं टीवीके प्रतिनिधि अरुणराज और मुस्तफा ने इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के राष्ट्रीय अध्यक्ष कादर मोहिद्दीन से मुलाकात कर पार्टी का समर्थन मांगा।

बैठक के बाद कादर मोहिद्दीन ने पत्रकारों से कहा कि टीवीके ने औपचारिक रूप से उनकी पार्टी से संपर्क किया है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी पार्टी के नेता होने के नाते विजय को सरकार बनाने का दावा पेश करने का पूरा लोकतांत्रिक अधिकार है।

हालांकि मोहिद्दीन ने यह भी स्पष्ट किया कि आईयूएमएल अंतिम फैसला लेने से पहले द्रमुक (डीएमके) अध्यक्ष एम.के. स्टालिन से चर्चा करेगी। उन्होंने कहा, 'हम करीब 30 वर्षों से डीएमके गठबंधन का हिस्सा हैं। कोई भी राजनीतिक फैसला डीएमके नेतृत्व से चर्चा के बाद ही लिया जाएगा।

सऊदी अरब का अमेरिका को एयरस्पेस देने से इनकार

क्राउन प्रिंस की नाराजगी के बाद ट्रम्प ने होर्मुज से जहाजों का रेस्क्यू रोका

एजेंसी ■ तेहरान

अमेरिका ने 4 मई को होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही शुरू करने के लिए 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' शुरू किया था। हालांकि एक दिन बाद ही ट्रम्प ने इसे रोकने का आदेश दिया। तब ट्रम्प ने कहा था कि पाकिस्तान के कहने पर उन्होंने यह ऑपरेशन रोका है।

हालांकि अब यह दावा किया जा रहा है कि सऊदी अरब की वजह से अमेरिका को यह कदम उठाना पड़ा। एनबीसी न्यूज के मुताबिक सऊदी अरब ने इस मिशन में शामिल अमेरिकी विमानों को अपने एयरस्पेस और एयरबेस के इस्तेमाल की इजाजत देने से इनकार कर दिया।

अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रम्प ने अचानक सोशल मीडिया पर इस ऑपरेशन का ऐलान कर दिया था। इससे खाड़ी के सहयोगी देश चौंक गए। सऊदी लीडरशिप इससे नाराज हो गया। ट्रम्प ने सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से बातचीत भी की, लेकिन सहमति नहीं बन सकी। अमेरिका 2 दिन में सिर्फ 3 जहाज पार करा पाया और आखिरकार ट्रम्प को यह ऑपरेशन रोकना पड़ा। तेहरान में एक महिला अमेरिका विरोधी बिलबोर्ड के आगे ईरानी झंडा लहराती हुई। बिलबोर्ड में राष्ट्रपति ट्रम्प की मूंछ को होर्मुज स्ट्रेट के रूप में दर्शाया गया है।

अमेरिका-ईरान समझौता आगे बढ़ा: रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों देशों के बीच 14 पॉइंट वाला समझौता तैयार है। हालांकि अभी यह फाइनल नहीं हुआ है, लेकिन बातचीत पहले से ज्यादा आगे बढ़ चुकी है।

अमेरिका ने यूएनएससी में प्रस्ताव पेश किया

अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही बहाल कराने के लिए एनएससी में नया प्रस्ताव पेश किया है। दूसरी तरफ ईरान ने सदस्य देशों से इस प्रस्ताव को खारिज करने की अपील की।

चीन-ईरान के बीच बैठक

चीन और ईरान के बीच बीजिंग में हाई-लेवल बैठक हुई। चीन ने युद्ध तुरंत रोकने की बात कही और ईरान को समर्थन का भरोसा दिया। वहीं ईरान चाहता है कि ट्रम्प की चीन यात्रा के दौरान बीजिंग अमेरिका के दबाव में कोई ऐसा फैसला न ले जिससे तेहरान को नुकसान हो।

असम में भाजपा की महिला विधायकों की बढ़ती संख्या जनता के भरोसे का प्रतीकः अजंता नियोग

गुवाहाटी। असम की वित्त मंत्री अजंता नियोग ने गुरुवार को कहा कि असम विधानसभा चुनाव में भाजपा टिकट पर निर्वाचित महिला विधायकों की संख्या में बढ़ोतरी पार्टी की सरकार और नेतृत्व पर जनता के बढ़ते भरोसे को दर्शाती है।

पत्रकारों से बातचीत में अजंता नियोग ने कहा कि इस बार भाजपा को राज्य में पहले की तुलना में अधिक बड़े अंतर से जीत मिली है, जो एक 'ऐतिहासिक जनादेश' है। उन्होंने इस जीत का श्रेय पार्टी नेतृत्व और जमीनी स्तर से लेकर शीर्ष स्तर तक के कार्यकर्ताओं को दिया।

उन्होंने कहा, 'इस बार जीत का अंतर काफी बढ़ा है। यह एक ऐतिहासिक जनादेश है और इसका श्रेय भाजपा के नेतृत्व और कार्यकर्ताओं को जाता है, जिन्होंने हर स्तर पर मेहनत की।'

अजंता नियोग ने चुनाव के दौरान व्यापक प्रचार अभियान और संगठनात्मक प्रयासों के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व ने भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के प्रति जनता का समर्थन मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों का सीधा लाभ आम लोगों तक पहुंचा, जिससे भाजपा के प्रति जनता का विश्वास और मजबूत हुआ।

अजंता नियोग ने कहा, 'सरकार की नीतियां और कल्याणकारी योजनाएं सीधे आम नागरिकों तक पहुंचीं और इसी वजह से लोगों का भाजपा पर भरोसा बढ़ा।'

उन्होंने बताया कि इस बार भाजपा टिकट पर सात महिला विधायक चुनी गई हैं, जबकि पिछली विधानसभा में पार्टी की पांच महिला विधायक थीं।

महिला आरक्षण विधेयक का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं और महिला नेताओं को उम्मीद थी कि यह कानून पहले ही लागू हो जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

उन्होंने कहा, 'हमें उम्मीद थी कि महिला आरक्षण विधेयक पहले ही पारित हो जाएगा, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ।'

वित्त मंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्षी दल, विशेषकर कांग्रेस और उसके कुछ सहयोगी, महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी के मुद्दे पर गंभीर नहीं हैं।

उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी ने होतायी इलेक्ट्रॉनिक्स को ऑफर कम अलॉटमेंट लेटर दिया

गांधीनगर । गुजरात ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश को ग्लोबल सेमीकंडक्टर पावरहाउस बनाने के विजन को पूरा करने की दिशा में एक और मजबूत कदम उठाया है। मलेशिया की लीडिंग कंपनी होतायी इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा राज्य के साणंद जीआईडीसी में एक एडवांस्ड सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी लगाने का प्रोसेस तेज कर दिया गया है। इस प्रोजेक्ट के तहत डिप्टी चीफ मिनिस्टर हर्ष सांघवी ने गुरुवार को इस कंपनी को ऑफर कम अलॉटमेंट (ओसीए) लेटर दिया है।

इस प्रोजेक्ट के तहत, होटायी कंपनी अगले 10 सालों में लगभग 700 करोड़ रुपए का इन्वेस्टमेंट करेगी। इसके लिए, राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के गाइडेंस में साणंद- आईआई जीआईडीसी में 5 हेक्टेयर जमीन अलॉट की गई है। यह फैसिलिटी स्टेट-ऑफ-द-आर्ट डीआरएएम मेमोरी मॉड्यूल, सॉलिड-स्टेट ड्राइव (एसएसडीएस), सर्वर और डेटा सेंटर मेमोरी मॉड्यूल के साथ-साथ ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स (एलईडी लाइटिंग और इंफोटेनमेंट मॉड्यूल) बनाएगी। होटायी इलेक्ट्रॉनिक्स ग्लोबल सेमीकंडक्टर जायंट माइक्रोन का एक मुख्य सप्लाई चेन पार्टनर है।

डिप्टी चीफ मिनिस्टर हर्ष सांघवी ने इस मौके पर कहा कि यह इन्वेस्टमेंट राज्य में सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम को और मजबूत करेगा। स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग और एआई-ड्रिवन ऑटोमेशन टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल से लोकल लेवल पर टेक्नोलॉजिकल एडवांसमेंट होगा और बड़े पैमाने पर रोजगार के मौके बनेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि गुजरात अपनी बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं और इंडस्ट्री-फ्रेंडली पॉलिसी की वजह से ग्लोबल टेक कंपनियों के लिए पहली पसंद बनता जा रहा है।

भारत और सूरीनाम के रिश्तों को नई ऊंचाई देने का समय : एस. जयशंकर

नई दिल्ली। पारामारिबो में भारत-सूरीनाम संयुक्त आयोग की बैठक के बाद विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे सच में बहुत खुशी है कि मैं 9वीं जॉइंट कमीशन मीटिंग के लिए सूरीनाम आया हूं। यह संयोग से मेरी इस खूबसूरत देश की पहली यात्रा भी है। खास बात यह है कि इस साल हमारे दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 50 साल भी पूरे हो रहे हैं।

पिछले दस वर्षों में हमारे द्विपक्षीय रिश्तों में साफ तौर पर काफी मजबूती आई है। हमारी सरकार के दूसरे मंत्री भी इसी तरह बातचीत करते रहे हैं। आज हमारा मकसद सिर्फ इस अच्छे माहौल को आगे बढ़ाना नहीं है, बल्कि हमारे सहयोग को गहरा और व्यापक बनाना भी है। यही मेरी इस यात्रा का उद्देश्य है।

जयशंकर ने मंत्री मेल्विन बौवा से कहा कि आपसे हुई बातचीत ने हमारे दोनों देशों के सहयोग को साफ तौर पर तय करने में मदद की है। जॉइंट कमीशन की चर्चाओं ने हमें हमारे रिश्तों की पूरी तरह से समीक्षा करने का मौका दिया। हमने उच्च स्तरीय दौरों और आपसी आदान-प्रदान की अहमियत, व्यापार और निवेश बढ़ाने की संभावनाओं, विकास साझेदारी को मजबूत करने के फायदों, रक्षा और सुरक्षा सहयोग की संभावनाओं, क्षमता निर्माण के महत्व और संस्कृति तथा लोगों के बीच रिश्तों को मजबूत करने पर चर्चा की। हमारी बातचीत में कुछ वैश्विक और बहुपक्षीय मुद्दे भी शामिल रहे, जिन पर मैं अपने बाकी दौरे के दौरान आगे चर्चा करूंगा।

इस दौरान भारत के साथ रिश्तों को लेकर कुछ अहम बिंदुओं पर बात करते हुए मंत्री जयशंकर ने बताया कि हमारे रिश्ते गहरे और भरोसेमंद हैं, क्योंकि उनकी नींव लोगों के बीच मजबूत जुड़ाव पर टिकी है। हमारी कोशिश है कि इस आधार को और मजबूत किया जाए, खासकर ऐसे कार्यक्रमों और पहलों के जरिए जिनसे आम लोग खुद को जुड़ा हुआ महसूस करें। 'हेरिटेज मंथ' इस दिशा में बेहद सराहनीय है और हमें खुशी होगी अगर हम भी किसी तरह इसमें भागीदारी और योगदान दे सकें। भारत यह समझता है कि सूरीनाम आज अपने विकास के सफर में बड़े कदम आगे बढ़ाने की स्थिति में है।

गंदी राजनीति के कारण बंगाल विकास के पथ से भटका : लिएंडर पेस

कोलकाता । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने भारी बहुमत से जीत हासिल कर 15 साल से सत्ता पर काबिज ममता बनर्जी की सरकार को उखाड़ फेंका है। हालांकि, चुनाव के बाद हुई हिंसा की घटनाओं ने राज्य में गहरी चिंता पैदा कर दी है।

इसी बीच भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के पीए की हत्या का मामला प्रकाश में आया है। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता लिएंडर पेस ने कहा कि गंदी राजनीति के कारण बंगाल विकास पथ से भटक गया है।

कोलकाता में आईएएनएस से बातचीत में भाजपा नेता ने कहा कि मैं आज बहुत दुखी हूं, सुवेंदु अधिकारी के सहयोगी अब हमारे बीच नहीं रहे। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं, और उन सुरक्षाकर्मियों के साथ भी जो उनके आस-पास मौजूद थे, और उनके परिवारों के साथ भी हैं।

उन्होंने कहा कि जैसा कि हम देखते हैं, बंगाल के लोग बहुत अच्छे हैं। यह एक धर्मनिरपेक्ष राज्य है जहां लोग बहुत एकजुट और मिल-जुलकर रहते हैं। लेकिन यहां गंदी राजनीति खेली गई है, और यह बात एक बार फिर सामने आ गई है। पिछले कुछ दिनों में, 4 मई के बाद जिस तरह की घटनाएं सामने आई हैं, उनसे यह साफ पता चलता है कि बंगाल को आगे बढ़ने का मौका क्यों नहीं दिया गया।

बंगाल में भाजपा की जीत पर लिएंडर पेस ने कहा कि यह भाजपा और हमारी टीम के लिए एक शानदार जीत है। मैं अपने नेतृत्व, हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति कृतज्ञता से अपना सिर झुकाता हूं, उन्होंने पश्चिम बंगाल आकर जिस कड़ी मेहनत और नेतृत्व का प्रदर्शन किया है, उससे राज्य के लोगों और विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों को यह विश्वास मिला है कि जिस तरह उन्होंने हमारे देश का नेतृत्व किया है, उनके मार्गदर्शन में पश्चिम बंगाल राज्य का भी नेतृत्व होगा। मुझे अपने प्रधानमंत्री पर पूरा भरोसा है। उनके पास शानदार विजन है। बंगाल विकास के रास्ते पर जाएगा।

उन्होंने कहा कि बंगाल को डबल इंजन सरकार की जरूरत थी, जो भाजपा की जीत के साथ पूरी हो गई है। मुझे बहुत खुशी है कि मैं इस परिवार का हिस्सा बना हूं और पीएम मोदी के साथ मिलकर काम करने का अवसर मिला है।

अगस्त से शुरू होगी ट्रेनों को उन्नत यात्री आरक्षण प्रणाली में स्थानांतरित करने की प्रक्रियाः सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने गुरुवार को कहा कि ट्रेनों को उन्नत यात्री आरक्षण प्रणाली में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया अगस्त से शुरू होगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि यह बदलाव यात्रियों को किसी भी तरह की असुविधा पहुंचाए बिना सुचारु रूप से किया जाए।

यह घोषणा रेल भवन में आयोजित एक समीक्षा बैठक के दौरान की गई, जहां मंत्री ने मौजूदा 40 साल पुरानी आरक्षण प्रणाली से आधुनिक और तकनीक आधारित नए प्लेटफॉर्म पर बदलाव की तैयारियों का जायजा लिया।

मौजूदा आरक्षण प्रणाली की शुरुआत वर्ष 1986 में हुई थी और पिछले चार दशकों में इसमें कई छोटे बदलाव किए गए।

हालांकि, अब इसे पूरी तरह से आधुनिक बनाया जा रहा है और इसकी क्षमता को अत्याधुनिक तकनीक की मदद से काफी बढ़ाया गया है, ताकि बढ़ती यात्री मांग को बेहतर तरीके से पूरा किया जा सके।

रेल मंत्रालय ने कहा, '1986 में शुरू हुई इस प्रणाली में पिछले 40 वर्षों में कई छोटे बदलाव किए गए। लेकिन अब इसे पूरी तरह से नया रूप दिया गया है और इसकी क्षमता में आधुनिक तकनीक के जरिए बड़ा विस्तार किया गया है।'

मंत्रालय ने आगे कहा कि भारतीय रेल ने वर्ष 2002 में इंटरनेट-आधारित टिकट बुकिंग शुरू होने के बाद से लगातार डिजिटल बदलाव को अपनाया है। वर्तमान में करीब 88 प्रतिशत टिकट बुकिंग ऑनलाइन की जा रही है।

इस बदलाव में रेलवन मोबाइल अनुप्रयोग की बड़ी भूमिका रही है, जिसे पिछले वर्ष जुलाई में शुरू किया गया था। इस अनुप्रयोग को अब तक 3.5 करोड़ से अधिक बार डाउनलोड किया जा चुका है।

यह प्लेटफॉर्म टिकट बुकिंग, रद्दीकरण, धनवापसी और ट्रेनों की वास्तविक समय जानकारी जैसी कई सेवाएं एक ही जगह उपलब्ध कराता है इसकी खास विशेषताओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित भविष्यवाणी प्रणाली शामिल है, जो वेटिंग लिस्ट वाले टिकट के पुष्टि होने की संभावना का अनुमान लगाती है।

इस वर्ष की शुरुआत में शुरू की गई इस सुविधा की सटीकता 53 प्रतिशत से बढ़कर 94 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जिससे यात्रियों का भरोसा बढ़ा है।

यह अनुप्रयोग लाइव ट्रेन ट्रैकिंग, प्लेटफॉर्म और कोच संबंधी जानकारी, रेल मदद के जरिए शिकायत निवारण और सीट तक भोजन पहुंचाने जैसी सेवाएं भी प्रदान करता है। वर्तमान में इस प्लेटफॉर्म के जरिए प्रतिदिन लगभग 9.29 लाख टिकट बुक किए जा रहे हैं, जिनमें आरक्षित और अनारक्षित दोनों श्रेणियां शामिल हैं।

नियुक्ति पत्र पाकर भावुक हुए चयनित अभ्यर्थी, बोले-पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया ने योगी सरकार पर बढ़ाया विश्वास

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा नियुक्ति पत्र वितरण का कार्यक्रम उन युवाओं की मेहनत, संघर्ष और सपनों के साकार होने का भावनात्मक मंच भी बना, जिन्होंने निष्पक्ष और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से अपनी जगह बनाई।

व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग, आयुष विभाग और दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के नवचयनित अभ्यर्थियों ने गुरुवार को आयोजित इस कार्यक्रम में भावुक होकर सीएम योगी के समक्ष अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि पहली बार उन्हें यह भरोसा हुआ कि बिना सिफारिश और बिना अनुचित साधनों के सिर्फ मेहनत के दम पर सरकारी नौकरी प्राप्त की जा सकती है।

गाजीपुर निवासी अमित थापा, जिन्हें आईटीआई अनुदेशक के पद पर नियुक्ति पत्र मिला, ने कहा कि इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उन्हें लंबे समय तक कठिन परिश्रम करना पड़ा। चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रही और कहीं भी किसी प्रकार की सिफारिश या अनुचित माध्यम की आवश्यकता नहीं पड़ी। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में वर्तमान व्यवस्था ने युवाओं का सरकारी भर्ती प्रक्रिया पर विश्वास मजबूत किया है।

चंदौली जनपद की अर्चना मौर्य ने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने के बाद कहा कि यह केवल नौकरी नहीं, बल्कि प्रदेश के विकास में योगदान देने की जिम्मेदारी है। उन्होंने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया ने हजारों युवाओं को नई उम्मीद दी है। पहले युवाओं में यह धारणा बन गई थी कि बिना प्रभाव और पैसे के नौकरी मिलना मुश्किल है, लेकिन योगी सरकार में यह सोच बदल गई।

आवासीय होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी के पद पर चयनित रायबरेली की डॉ. नेहा स्वरूप ने कहा कि चयन प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ संपन्न हुई। आयुष विभाग में सेवा का अवसर मिलना मेरे लिए गर्व का विषय है ।

और मैं ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने का प्रयास करूंगी।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से प्रोफेसर (यूनानी) पद पर चयनित प्रो. कमरुल हसन लारी ने कहा कि पारदर्शी चयन प्रक्रिया ने योग्य अभ्यर्थियों का मनोबल बढ़ाया है।

चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत, बैंकिंग क्षेत्र स्थिरः एम. नागराजू

मुंबई। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नागराजू ने गुरुवार को कहा कि वैश्विक और घरेलू चुनौतियों के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था अच्छी रफ्तार से बढ़ रही है और बैंकिंग क्षेत्र स्थिर तथा मजबूत प्रदर्शन कर रहा है।

देश की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले मुंबई में आयोजित भारतीय बैंक संघ के जोखिम प्रबंधन पर पहले शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए नागराजू ने कहा कि बैंकों में जोखिम प्रबंधन को केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक रणनीतिक जिम्मेदारी के रूप में देखा जाना चाहिए और इसे बैंकिंग व्यवस्था के हर कार्य में शामिल किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, 'विभिन्न चुनौतियों के बावजूद अर्थव्यवस्था अच्छी तरह आगे बढ़ रही है और बैंकिंग क्षेत्र स्थिर एवं मजबूत स्थिति में है। जोखिम प्रबंधन बैंकिंग का एक महत्वपूर्ण कार्य है और इसे सभी कार्यों में समाहित किया जाना चाहिए।'

इस सत्र को भारतीय बैंक संघ और भारतीय स्टेट बैंक के अध्यक्ष चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी तथा भारतीय बैंक संघ के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोपाल मुरली भगत ने भी संबोधित किया।

सेट्टी ने कहा कि बैंकिंग का मूल आधार वित्तीय मध्यस्थता से जुड़े जोखिमों का प्रबंधन है। उन्होंने कहा कि नए और उभरते जोखिम लगातार जटिल होते जा रहे हैं, लेकिन बैंकों को अपने मूल परिचालन जोखिमों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

गोपाल मुरली भगत ने इस जोखिम शिखर सम्मेलन को केवल एक वार्षिक आयोजन नहीं, बल्कि बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में जोखिम प्रबंधन को नए तरीके से सोचने और नवाचार को बढ़ावा देने वाला साझा मंच बताया।

इस सम्मेलन में सार्वजनिक क्षेत्र, निजी क्षेत्र, विदेशी और सहकारी बैंकों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों और उद्योग विशेषज्ञों सहित 200 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

इसके अलावा, नागराजू ने बैंकिंग पेशेवरों से देश भर में प्राप्त 650 से अधिक प्रविष्टियों में से चुनी गई शीर्ष 30 प्रविष्टियों पर आधारित एक स्मारक निबंध पुस्तक जारी की, साथ ही जोखिम प्रबंधन प्रक्रियाओं पर आधारित एक सर्वेक्षण रिपोर्ट का भी अनावरण किया।

उन्होंने बैंकिंग पेशेवरों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सामूहिक विशेषज्ञता भविष्य में वित्तीय क्षेत्र की चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

संक्षिप्त खबरें

रायपुर में घर से बम बनाने की सामग्री मिलने से हड़कंप, पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेरा

रायपुर। राजधानी के रावाभाठा इलाके में उस समय हड़कंप मच गया जब वार्ड नंबर 13 स्थित एक घर से संदिग्ध बम बनाने की सामग्री मिलने की सूचना सामने आई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यहां से तार, संदिग्ध केमिकल और अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद होने की बात कही जा रही है, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। मौके पर नाकाबंदी कर पुलिस बल तैनात किया गया है।

सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और बम स्क्वॉड की टीम मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को घेराबंदी कर दिया गया। सुरक्षा के मद्देनजर आसपास के लोगों की आवाजाही को भी रोक दिया गया है। बता दें कि यह इलाका रायपुर कमिश्नरेट के नार्थ जोन क्षेत्र के अंतर्गत आता है। पुलिस ने मौके पर मिले संदिग्ध सामान की जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि यह सामग्री किस उद्देश्य से रखी गई थी। फिलहाल पूरे इलाके में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है और सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है। पुलिस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है।

ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ पर सीएम साय ने वीर सैनिकों को किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की प्रथम वर्षगांठ पर भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम और अदम्य साहस को नमन करते हुए कहा कि यह अभियान केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि नए भारत की अटूट इच्छाशक्ति, निर्भीक संकल्प और निर्णायक शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट कर कहा कि आज से एक वर्ष पूर्व पहलगाम में सीमा पार से आतंकियों द्वारा किए गए घिनौने हमले ने पूरे राष्ट्र को झकझोर दिया था, लेकिन भारत ने उस चुनौती का ऐसा जवाब दिया, जिसने इतिहास में शौर्य और संकल्प का स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया कि नया भारत अब आतंकवाद को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त करने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि अब भारत चुपचाप सहने वाला राष्ट्र नहीं रहा, बल्कि मातृभूमि की ओर उठने वाली हर बुरी नजर का निर्णायक और प्रभावशाली जवाब देने में सक्षम है।

'पुराने तय वेतन सीमा के खाते से नहीं मिलेगा पैसा'

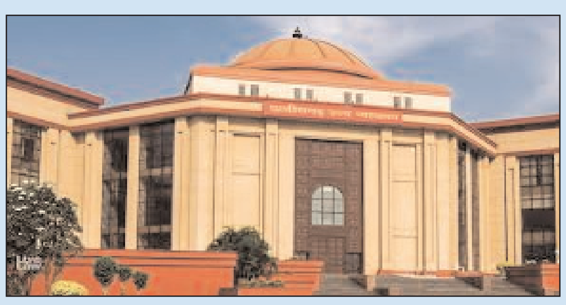

रायपुर। छत्तीसगढ़ के हजारों कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत वाली खबर है। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने एक अहम फैसले में साफ कर दिया है कि किसी कर्मचारी की मृत्यु के बाद उसके परिवार को अब पुरानी तय वेतन सीमा के खाते से नहीं मिलेगा, बल्कि कर्मचारी की मृत्यु के समय मिल रही वास्तविक नौकरी के आधार पर तय होगी।

जस्टिस बिभू स्टाक गुरु की बेंच ने कहा कि 'एक्चुअल सैलरी' ही बिजनेस का सही आधार है। यानी अब पुराने साल के नाम पर परिवार को कम नकद देने का रास्ता आसान नहीं रहेगा।

पूरा मामला जगदलपुर के ट्रक ड्राइवर साइंट सिंह से टकराया, सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। लेबर कोर्ट ने परिवार को करीब 9.49 लाख रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया था, लेकिन बीमा कंपनी ने इसे चुनौती देते हुए कहा था कि 8 हजार रुपये की सीमा के खाते से ही समझौता किया जाना चाहिए।

अब हाई कोर्ट के इस फैसले के बाद कर्मचारियों के परिजनों को बड़ा कानूनी सहारा मिला है और आने वाले कई मामलों पर सीधा असर पड़ सकता है।

नवा रायपुर में आईपीएल का रोमांच मैच 10 और 13 मई को

मुख्य सचिव ने तैयारियों की कमान संभाली, सुरक्षा और सुविधाओं के लिए कड़े निर्देश

रायपुर। नवा रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आगामी 10 और 13 मई को होने वाले टाटा आईपीएल टी-20 मैचों के सफल आयोजन के लिए राज्य प्रशासन ने कमर कस ली है। मुख्य सचिव विकासशील ने मंत्रालय महानदी भवन में विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की और आयोजन से जुड़ी तमाम व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव के इन कड़े निर्देशों के बाद अब नवा रायपुर का प्रशासन क्रिकेट के इस महाकुंभ की मेजबानी के लिए पूरी तरह मुस्तैद है, जिससे दर्शकों को एक सुरक्षित और आनंदमयी अनुभव मिल सके।

मैचों का शेड्यूल

10 मई 2026 को रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (त्ब्ठ) बनाम मुंबई इंडियंस (डप्) और 13 मई 2026 को रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (त्ब्ठ) बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स (ज्ञ्ज्ञत) के मध्य मैच खेला जाएगा।

सुरक्षा और यातायात प्रबंधन पर विशेष जोर

मुख्य सचिव विकासशील ने स्पष्ट किया कि स्टेडियम में आने वाले हजारों दर्शकों की सुरक्षा और सुगम यातायात प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ऑनलाइन बुकिंग के बाद रायपुर पहुंचने वाली दर्शकों की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस कमिश्नर रायपुर को विशेष कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए हैं। पार्किंग एरिया और स्टेडियम के चारों ओर सीसी टीवी कैमरों का सघन जाल बिछाया जाएगा। बैरिकेडिंग और पार्किंग की जिम्मेदारी पुलिस, एनआरडीओ और बीसीसीआई की संयुक्त टीम संभालेगी।

आपातकालीन सेवाएं

फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस के लिए डेडिकेटेड रूट चिन्हांकित किए जाएंगे ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सहायता पहुंचाई जा सके। आयोजन के सुचारू संचालन के लिए कलेक्टर रायपुर की अध्यक्षता में एक उच्च-स्तरीय कार्यकारिणी का गठन किया गया है। इसमें पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), आयुक्त नगर निगम, संचालक (खेल एवं युवा कल्याण), क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी , और एनआरडीए के सीईओ सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। यद्यपि संपूर्ण आयोजन का उत्तरदायित्व बीसीसीआई और छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ का है, लेकिन प्रशासन पेयजल, बिजली, सड़क और स्वास्थ्य सेवाओं में पूर्ण सहयोग प्रदान करेगा।

बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को स्टेडियम में पानी के सुचारू प्रवाह और पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है। बिजली विभाग को मैचों के दौरानछत्तीसग्ढ विद्युत वितरण कंपनी को निर्बाध विद्युत आपूर्ति के निर्देश दिए गए हैं।

बैठक में लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, पीएचई सचिव मोहम्मद कैसर अब्दुल हक, खेल सचिव यशवंत कुमार और कलेक्टर रायपुर गौरव सिंह सहित पुलिस विभाग, ऊर्जा, परिवहन, पर्यटन और सीएसपीडीसीएल के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। साथ ही बीसीसीआई और छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के प्रतिनिधियों ने भी अपनी तैयारियों का ब्यौरा साझा किया।

छात्र संघ चुनाव की मांग को लेकर एनएसयूआई का प्रदर्शन

रायपुर। गुरुवार को राजधानी की सड़कों पर विशेष प्रदर्शन का नजारा देखने को मिला। नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया के कार्यकर्ता छात्र संघ चुनाव बहाली की मांग लेकर सीएम हाउस के सामने हंगामा करने लगे और छात्र संघ चुनाव की मांग की।

मोतीबाग चौक पर पुलिस ने बैरिकेटिंग एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को रोकने की कोशिश की, लेकिन गुस्से में एक कार्यकर्ता पीछे उद्योगों को तैयार नहीं हुआ। बाधाओं के बीच धक्का-मुक्की शुरू हुई और देखते ही देखते कुछ कार्यकर्ताओं ने बैरिकेट्स तक तोड़ दिया।

मौके पर भारी पुलिस बल तैनात था और कुछ देर तक पूरे शहर में तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। बाद में पुलिस अधिकारियों और नेताओं के बीच बातचीत के बाद मामला शांत हो गया।

एनएसयूआई नेताओं का कहना है कि छात्र संघ चुनाव बहाली, छात्रों के समाधान और शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर यह लड़ाई जारी रहेगी। मांगें नहीं मानोगे तो आंदोलन और बड़ा होगा।

ताड़मेटला नक्सल हमला केस में सभी 11 आरोपी दोषमुक्त

हाईकोर्ट बोला- 76 जवान शहीद हुए, लेकिन असली अपराधियों की पहचान करने में एजेंसियां विफल

बिलासपुर/रायपुर। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के ताड़मेटला नक्सली हमले में सीआरपीएफ के 76 जवान शहीद हुए थे। इस केस के सभी 11 आरोपी दोषमुक्त हो गए हैं। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की अपील खारिज करते हुए निचली अदालत के बरी करने के फैसले को बरकरार रखा है।

चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने इस पर बेहद तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि, इतनी बड़ी शहादत के बावजूद अभियोजन एजेंसियां असली अपराधियों की पहचान करने और उन्हें न्याय के कटघरे में लाने में पूरी तरह विफल रही हैं। इस तरह हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के दोषमुक्ति के फैसले को सही ठहराया है।

डिवीजन बेंच ने अपने फैसले में कहा है कि, हमें यह देखकर बेहद दुख हुआ है। बड़े पैमाने पर जवान शहीद हुए और राष्ट्रीय सुरक्षा को गंभीर परिणाम भुगतने पड़े। इसके निपटारे में कोई भी कानूनी रूप से मान्य और विश्वसनीय साक्ष्य पेश नहीं किया जा सका। इसलिए निचली अदालत को उन्हें बरी करने के लिए विवश होना पड़ा। जवानों पर हुए सामूहिक हमले के आरोपियों को प्रत्यक्ष साक्ष्यों की कमी, अपूर्ण परिस्थितिजन्य साक्ष्य, जांच में प्रक्रियात्मक खामियों और अपराध की गंभीरता के बावजूद उचित संदेह से परे दोष सिद्ध करने में विफलता के कारण बरी कर दिया गया।

सरकार की दलीलें जो कोर्ट में नहीं टिकीं - राज्य के महाधिवक्ता विवेक शर्मा ने तर्क दिया कि, आरोपी बरसे लखमा का इकबालिया बयान और बरामद पाइप बम पर्याप्त सबूत हैं। साथ ही, घायल जवानों की गवाही न ले पाना एक गंभीर त्रुटि थी। हालांकि, हाईकोर्ट ने इन्हें अपर्याप्त माना क्योंकि इकबालिया बयान किसी स्वतंत्र साक्ष्य से समर्थित नहीं था।

एम्स रायपुर में सिकल सेल जागरूकता अभियान को नई दिशा

रायपुर। मध्य भारत में सिकल सेल रोग की बढ़ती चुनौती के बीच अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायपुर में गुरुवार को महिलाओं एवं मातृ स्वास्थ्य पर केंद्रित व्यापक सिकल सेल जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग तथा सिकल सेल समिति, एम्स रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने प्रारंभिक स्क्रीनिंग, समय पर निदान, काउंसलिंग एवं समन्वित उपचार व्यवस्था की आवश्यकता पर विशेष बल दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त), कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सिकल सेल रोगियों के लिए परामर्श, स्क्रीनिंग, काउंसलिंग एवं उपचार सेवाओं को और सुदृढ़ किया जाएगा। उन्होंने प्रत्येक गुरुवार को एक विशेष एकीकृत सिकल सेल क्लिनिक प्रारंभ करने का सुझाव दिया, ताकि मरीजों को एक ही स्थान पर बहुविषयक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

डीन अकादमिक एवं सिकल सेल समिति के अध्यक्ष डॉ. एली मोहापात्रा ने कहा कि मध्य भारत में सिकल सेल रोग की चुनौती से प्रभावी रूप से निपटने के लिए जनजागरूकता, प्रारंभिक स्क्रीनिंग, समय पर निदान तथा जेनेटिक काउंसलिंग अत्यंत आवश्यक है।

बुख़ारा और समरकंद के विद्यार्थी इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में करेंगे पढ़ाई और अनुसंधान

रायपुर। भारत एवं उजबेकिस्तान के मध्य कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आपसी सहयोग की संभावनाएं तलाशने के लिए उज़्बेकिस्तान से आए उच्चस्तरीय प्रतिनिधि मंडल ने आज यहां इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में उपलब्ध शिक्षण, अनुसंधान एवं विस्तार अधोसंरचनाओं, सुविधाओं तथा गतिविधियों का जायजा लिया। इस दौरान अध्ययन दल ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर की अनुसंधान प्रयोगशालाओं, कृषि अनुसंधान परियोजनाओं, स्टार्टअप एवं इन्क्यूबेशन सुविधाओं तथा विश्वविद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक एवं नवाचार संरचनाओं का अवलोकन भी किया। इस प्रतिनिधिमंडल में बुखारा स्टेट यूनिवर्सिटी से अंतरराष्ट्रीय सहयोग के उप-कुलपति प्रो. अब्रोर जोरायेव तुरोबोविच तथा समरकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ वेटरनरी मेडिसीन लाइवस्टॉक एवं बायोटेक्नोलॉजीस से अनुसंधान एवं नवाचार के उप-कुलपति प्रो. तयलाकोव तोलिब इसाकुलोविच सहित अन्य वरिष्ठ शिक्षाविद् एवं वैज्ञानिक शामिल हैं। इस अवसर पर 'भारत एवं उज्बेकिस्तान के मध्य द्विपक्षीय शैक्षणिक, अनुसंधान एवं तकनीकी सहयोग सुदृढ़ीकरण' विषय पर आयोजित एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया।

कृषि महाविद्यालय रायपुर के सेमिनार हॉल में कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान उजबेकिस्तान के बुखारा एवं समरकंद विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों द्वारा इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के साथ छात्र एवं संकाय विनिमय के साथ ही अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों एवं कृषि उद्यमिता विकास के संबंध में सार्थक विचार-विमश किया गया। इस दौरान दोनो देशों के मध्य शैक्षणिक संबंधों को और अधिक सदृढ़ करने के साथ-साथ नवीन अनुसंधान एवं तकनीकी सहयोग के क्षेत्र में मिल-जुल कर कार्य करने पर प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

सुशासन की मोटरसाइकिल से दुर्गम पहाड़ों तक पहुँचे कलेक्टर-एसपी

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के सुशासन तिहार 2026 अभियान के तहत अब विकास की किरण केवल दफ्तरों तक सीमित नहीं है, बल्कि सीधे सुदूर वनांचलों तक पहुँच रही है। इसी क्रम में छत्तीसगढ के सुकमा जिला प्रशासन ने संवेदनशीलता की एक नई मिसाल पेश की। बुधवार को कलेक्टर अमित कुमार और पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने किसी प्रोटोकॉल की परवाह न करते हुए, खुद मोटरसाइकिल चलाकर 30 किलोमीटर लंबे उबड़-खाबड़ और दुर्गम रास्तों को पार किया और पहुंचविहीन ग्राम गोंडेरास व नीलावाया पहुँचे।

जिला प्रशासन सुशासन तिहार के माध्यम से 31 व्यक्तिगत योजनाओं और 14 सामुदायिक सुविधाओं को सीधे ग्रामीणों के द्वार तक पहुँचा रहा है। कलेक्टर और एसपी का यह दौरा साबित करता है कि जब प्रशासन संवेदनशीलता के साथ दूरी मिटाता है, तो जनता के मन में व्यवस्था के प्रति विश्वास और बदलाव की नई उम्मीद जागती है।

ग्राम गोंडेरास में इमली की छाँव में समस्याओं का तत्काल समाधान

गोंडेरास गांव में कलेक्टर और एसपी ने किसी आलीशान मंच के बजाय इमली के पेड़ के नीचे बिछी खाट पर बैठकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। ग्रामीणों द्वारा सोलर प्लेट्स के खराब होने की शिकायत पर कलेक्टर ने तत्काल क्रेडा विभाग को सभी घरों में मरम्मत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गाँव में आंगनबाड़ी और पंचायत भवन जैसे बुनियादी कार्यों के लिए 70 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई, जिसकी जिम्मेदारी ग्राम पंचायत को ही सौंपी गई है। शिविर में 17 किसान क्रेडिट कार्ड, 12 जाति प्रमाण पत्र और 11 पीएम-किसान प्रकरणों का निराकरण, 2 किसान किताब, 2 पटवारी प्रतिवेदन सहित कई दस्तावेज मौके पर ही वितरित किए गए।

स्वास्थ्य सुरक्षा और पुलिया की सौगात

ग्राम नीलावाया पहुँचकर अधिकारियों ने जमीन पर बैठकर चौपाल लगाई। बारिश के दिनों में ग्रामीणों को होने वाली 15 किमी की अतिरिक्त दूरी को खत्म करने के लिए कलेक्टर ने मौके पर ही नाले पर पुलिया निर्माण की स्वीकृति दी। 4 मोतियाबिंद मरीजों को जिला अस्पताल भेजने और गर्भवती महिलाओं के सुरक्षित प्रसव के लिए सचिव को कड़े निर्देश दिए गए। शिविर के दौरान 2 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म पूरी की गई और 22 बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र तत्काल बनाकर सौंपे गए।

महिलाओं के अपराधों में आई कमी, लापता बच्चों के मामले बढ़े

एनसीआरबी रिपोर्ट 2026

रायपुर। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो ने 2024-26 की क्राइम रिपोर्ट जारी की है, जिसमें एक तरफ महिलाओं के खिलाफ अपराध में गिरावट सामने आई है, तो दूसरी तरफ बच्चों के लापता होने के आंकड़े ने बड़ा मजाक उड़ाया है।

रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में महिलाओं के मुकाबले 4.41 लाख मामले दर्ज हुए, जो पिछले साल के कम हैं। अपराध दर भी 66.2 से 64.6 हो गया है। लेकिन सबसे ज्यादा चिंता बच्चों को लेकर है। 2024 में पूरे देश में 98 हजार से ज्यादा बच्चे लापता हुए, जो पिछले साल से करीब 8 फीसदी ज्यादा हैं।

छत्तीसगढ़ की बात करें तो यहां साइबर अपराध के मामलों में महिलाओं के खिलाफ लगातार चिंताएं बढ़ रही हैं। वहीं आदिवासियों के खिलाफ अपराध के 260 मामले दर्ज किए गए हैं।

रिपोर्ट में हत्या, एससीएसटी-एसटी अपराध जैसे कई मामलों में गिरावट का दावा किया गया है, लेकिन बच्चों और साइबर अपराध के आंकड़ों पर कई बड़े सवाल उठाए जा रहे हैं।

सब्जी के खाली कैरेट में हो रही थी गांजा तस्करी, दो तस्कर गिरफ्तार

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के खिलाफ एन्टी नारकोटिक टास्क फोर्स और सिंघोड़ा पुलिस की बड़ी कार्रवाई देखने को मिली है। टीम ने एक पीकअप वाहन से 1.14 करोड़ से ज्यादा का गांजा जब्त किया है, जिसे खाली कैरेट के पीछे छिपाया गया था और ओडिशा से महाराष्ट्र ले जाया जा रहा था। इसी के साथ ही टीम ने दो तस्करों को भी पकड़ा है। यह पूरा मामला सिंघोड़ा थाना क्षेत्र का है।

1.14 करोड़ का गांजा जब्त

लगातार चलाया जा रहा चेकिंग अभियान

दरअसल, एन्टी नारकोटिक टास्क फोर्स की ओर से अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी, एंड टू एंड एवं फाइनेशियल, सोर्स प्वाइंट, डेस्टीनेशन प्वाइंट पर प्रभावी और विधिवत कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इसी के तहत जिले में पुलिस की ओर से लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

खाली कैरेट के बीच छिपाया गया था गांजा

इस बीच टीम को सूचना मिली कि तस्कर पीकअप क्रमांक एम.एच. 16 सी.डी. 8741 में ओडिशा की ओर से गांजा लेकर छत्तीसगढ़ की ओर आ रहे हैं, जिसके बाद टीम ने गनियारीपाली गांव ह॥ 53 रोड सिल्की ढाबा के सामने नाकेबंदी की। इस दौरान टीम ने मुखबिर के बताए पीकअप को रोक लिया और उसकी तलाशी लेने पर डाला में खाली कैरेट के बीच बोरियों में 226.600 किलोग्राम गांजा मिला, जिसकी कीमत 1 करोड़ 14 लाख 30 हजार रुपए आंकी गई।

दो आरोपी भी चढ़े हत्थे

वही टीम ने वाहन सवार दो तस्कर को भी पकड़ा, जिन्होंने अपना नाम अजिनाथ आश्रु जाधव (28) और अक्षय बारुक (32) बताया। दोनों महाराष्ट्र के अहमदनगर के रहने वाले हैं। इसी के साथ ही आरोपियों ने बताया कि वो गांजा को ओडिशा के बालिगुड़ा से अहमदनगर लेकर जा रहे थे। टीम ने उनके पास से गांजा समेत पीकअप वाहन और 3 मोबाइल भी जब्त किया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ सिंघोड़ा थाने में धारा (20 बी) (दो) (बी) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

टीएस सिंहदेव पीसीसी चीफ बनने तैयार, कहा - सबको साथ लेकर चलना मेरी प्राथमिकता

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बनने तैयार हैं। मीडिया से चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि यदि पार्टी हाईकमान उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपता है तो वे इस पद को संभालने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सिंहदेव ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलना जरूरी है। मैं सबको साथ लेकर चलूंगा, भेदभाव कम से कम रहे, मेरी हमेशा यही कोशिश रहती है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में कांग्रेस को फिर से मजबूत करने के लिए संगठन के हर स्तर पर संवाद और समन्वय बढ़ाना होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से लगातार संपर्क बनाए रखने और सामूहिक नेतृत्व पर जोर दिया।

राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, छत्तीसगढ़ कांग्रेस में आने वाले समय में संगठनात्मक फेरबदल की संभावना को देखते हुए सिंहदेव का यह बयान काफी अहम माना जा रहा है। उनके इस संकेत के बाद प्रदेश की राजनीति में चर्चाएं तेज हो गई है।

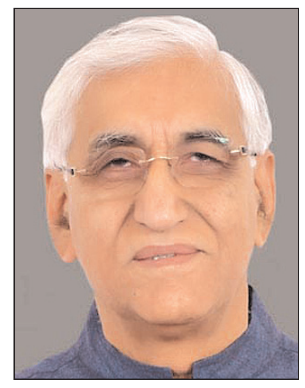

संगीता सिन्हा बनी है महिला कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष

बता दें कि हाल ही में छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस संगठन में बड़ा बदलाव किया गया है। ऑल इंडिया महिला कांग्रेस (ढ्ढस्ष्ट) की अध्यक्ष अलका लांबा ने संजारी बालोद की विधायक संगीता सिन्हा को छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस की कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया। जारी आदेश के अनुसार, संगीता सिन्हा आगामी स्थायी प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति तक इस पद की जिम्मेदारी संभालेंगी। संगठन में यह बदलाव आगामी रणनीति और संगठनात्मक मजबूती को ध्यान में रखते हुए किया गया है। संगीता सिन्हा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष बनने से महिला कांग्रेस में नए सिरे से सक्रियता आने की उम्मीद जताई जा रही है।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, आने वाले समय में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर विशेष फोकस रहेगा। बता दें कि राज्यसभा सांसद फूलोदेवी नेताम के इस्तीफे के बाद से प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष का पद रिक्त था।

अवैध शराब के कारोबार पर मंत्री बघेल सख्त, आबकारी अधिकारी को लगाई फटकार

बेमेतरा। जिले में बढ़ते अवैध शराब कारोबार को लेकर क्षेत्रीय विधायक और खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल ने जिला आबकारी अधिकारी को मंच से ही जमकर फटकार लगाते हुए सख्त हिदायत दी। उन्होंने अल्टीमेटम देते हुए कहा कि वक्त रहते सुधर जाओ सात दिनों का मोहलत देता हूं।

महिलाओं की शिकायत पर मंत्री ने आबकारी अधिकारी को लगाई फटकार

दरअसल, छत्तीसगढ़ सरकार गांव-गांव पहुंचकर सुशासन तिहार के तहत जन समस्या निवारण शिविर लगाकर लोगों की समस्याओं का हल कर रही है। इसकी शुरुआत होने के बाद आज नवागढ़ विधानसभा के ग्राम मोहरेगा में जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इसी दौरान शिविर में अवैध शराब की शिकायत को लेकर भारी संख्या में महिलाएं पहुंची हुई थीं। फिर क्या, महिलाओं ने सीधे मंत्री से संवाद में बताया कि गांव की स्थिति ठीक नहीं है। अवैध शराब का कारोबार दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है।

महिलाओं की शिकायत सुनने के बाद मंत्री ने मंच से ही आबकारी अधिकारी से कहा कि मोहरेगा में शराब पर छापामार कार्रवाई कर इसे बंद करो। साथ ही उन्होंने पुलिस विभाग को भी सहयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने आबकारी अधिकारी से कहा कि गांव-गांव से शिकायत मिल रही है, सुधर जाओ। पूरे एरिया में दारू बिक रहा है और बिकवाया जा रहा है। इसके साथ ही मंत्री दयाल दास बघेल ने अधिकारी को एक हफ्ते का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि इस पर कार्रवाई करो। अब देखने वाली बात होगी कि मंत्री की फटकार के बाद अवैध शराब के कारोबार पर कितनी लगाम लग पाती है।

धान में घोटाला, 1.46 करोड़ की गड़बड़ी, 7 लोगों पर एफआईआर

जांजगीर-चांपा। जिले के किरीट, बिर्रा और कड़री धान के ठिकानों में करोड़ों रुपये की शामिल होने के बाद प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। जांच में कुल 4714.3 अनमोल धान गायब मिला, कीमत करीब 1.46 करोड़ रुपये बताई जा रही है। मामले में प्रभारी, प्रबंधक और हम्माल समेत 7 लोगों के खिलाफ अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई है। विभाग की जांच रिपोर्ट में धान अध्याप्ति के रिकॉर्ड में गंभीर गड़बड़ी सामने आई है। अधिकारियों ने पाया कि स्टॉक रजिस्टर और रियल्टी भंडार में बड़ा अंतर है। कई स्थानों पर शुरुआती अभिलेखों को मैच देखने की कोशिश की गई, जबकि मौके पर धान की मात्रा कम मिली। जांच में यह भी सामने आया कि हेराफेरी कर सरकारी राशि का नुकसान हुआ है। इस केस को देखते हुए नवागढ़, बिरारा और बाराद्वार कांड में अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने प्रभारी, केंद्र प्रबंधक और हमाल समेत कुल 7 सिपाहियों को हिरासत में लिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आए वाद-विवाद के साथ-साथ सु नियोजित तरीकों से रिकॉर्ड में गड़बड़ी करने की बात आ रही है। पुलिस अब दस्तावेजों और स्टॉक से जुड़े अन्य रिकॉर्ड की भी जांच कर रही है।

शिक्षक की आत्महत्या का मामला : आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

बीजापुर। चेरपाल निवासी और प्राथमिक शाला पालनार में पदस्थ शिक्षक राजू पुजारी की संदिग्ध मौत के मामले में न्याय की मांग को लेकर जिले में व्यापक प्रदर्शन हुआ। तेलंगा समाज के नेतृत्व में आयोजित इस रैली को सर्व आदिवासी समाज, महार, महारा और कलार समाज का समर्थन मिला, जिससे आंदोलन बड़े जनसमूह में तब्दील हो गया। प्रदर्शन में करीब 5 हजार से अधिक ग्रामीण शामिल हुए।

बीजापुर के मिनी स्टेडियम से प्रारंभ हुई यह रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए कलेक्टोरेट पहुंची, जहां प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान न्याय की मांग को लेकर जोरदार नारेबाजी की गई और प्रशासन के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया गया।

आरोपियों की अब तक नहीं हुई गिरफ्तारी

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि राजू पुजारी की मौत के मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली संदिग्ध है। उनका कहना है कि जब्त सुसाइड नोट में तीन लोगों के नाम सामने आने के बावजूद अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की गई है, जिससे जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं।

क्या है मामला..?

पालनार निवासी शिक्षक राजू पुजारी ने 22 अप्रैल 2026 को आत्महत्या कर ली थी। मृतक के पास से एक सुसाइड नोट मिला था, जिसमें उन्होंने तीन लोग देवाशीष मंडल (ठेकेदार), शैलेष वासम, डोंगरे सर को अपनी मौत के लिए जिम्मेदार बताया है। नोट में यह भी लिखा था कि 'मेरे परिवार की जिम्मेदारी ये लोग ही उठाएं। पुलिस ने इस मामले में ठेकेदार देबाशीष मंडल को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है।

इस मामले को लेकर हुए प्रदर्शन के बाद समाज के प्रतिनिधियों ने मामले की न्यायिक जांच कराने, जिला पुलिस अधीक्षक की सीधी निगरानी में जांच सुनिश्चित करने तथा दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। साथ ही पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपये का मुआवजा और एक सदस्य को शासकीय नौकरी देने की मांग भी की गई। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन को एक सप्ताह का समय देते हुए चेतावनी दी है कि यदि इस अवधि में आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती है तो आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसी स्थिति में उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों के लिए शासन-प्रशासन जिम्मेदार होगा। प्रदर्शन में तेलंगा समाज के अध्यक्ष आदिनारायण पुजारी, दिनेश पुजारी सहित विभिन्न समाजों के पदाधिकारी, पीड़ित परिवार के सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सुरक्षा बलों की सर्चिंग में खुल रहे माओवादियों के गुप्त राज

जगदलपुर। बस्तर में माओवादी नेटवर्क के कमजोर पड़ने के साथ अब उनके आर्थिक ढांचे की परतें खुलने लगी है। सुरक्षा बलों की लगातार सर्चिंग में ऐसे डंप सामने आ रहे हैं, जो इस बात की गवाही दे रहे हैं कि संगठन सिर्फ बंदूक के दम पर नहीं बल्कि मजबूत आर्थिक जाल पर भी टिका था। बीते तीन महीनों में जवानों ने करीब 6 करोड़ 75 लाख रुपए नगद और 8 किलो सोना बरामद किया है, जो इस छिपे खजाने की एक झलक भर है।

आईजी सुंदरराज पी के मुताबिक, यह बरामदगी अंदरूनी इलाकों में छिपाकर रखे गए डंप से हुई है, जिनकी तलाश अभी भी जारी है। जानकार बताते हैं कि नोटबंदी के बाद माओवादियों ने रणनीति बदली और नगद की जगह सोने में निवेश करना शुरू किया, ताकि जोखिम कम रहे। बरामद 8 किलो सोने की कीमत ही करीब 13 करोड़ रुपए आंकी गई है, जिससे संगठन की आर्थिक ताकत का अंदाजा लगाया जा सकता है। यह पैसा तेंदूपत्ता संग्राहकों, ठेकेदारों और विकास कार्यों में लगे लोगों से लेवी के रूप में वसूला जाता था, जो साल दर साल करोड़ों में पहुंचता था।

50 करोड़ से ज्यादा हो सकती है माओवादियों की छिपी पूंजी

वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र तिवारी मानते हैं कि अब तक मिली रकम सिर्फ सतह है, असल में बस्तर में ही माओवादियों की छिपी पूंजी 50 करोड़ से ज्यादा हो सकती है। यानी जैसे-जैसे माओवादी नेटवर्क खत्म हो रहा है, वैसे-वैसे उनका आर्थिक साम्राज्य भी उजागर हो रहा है। हालांकि खतरा अभी पूरी तरह टला नहीं है, क्योंकि जंगलों में छिपे ऐसे कई डंप अब भी सुरक्षा बलों के निशाने पर हैं। फिलहाल बस्तर में जारी सर्च ऑपरेशन सिर्फ हथियारों की तलाश नहीं, बल्कि माओवादियों की उस आर्थिक रीढ़ को तोड़ने की कोशिश भी है, जिस पर उनका पूरा नेटवर्क खड़ा था।

फार्म हाउस में चल रही थी हुक्का पार्टी, पहुंच गई पुलिस, 6 युवक गिरफ्तार

डोंगरगढ़। पुलिस ने एक फार्म हाउस पर चल रही हुक्का पार्टी का भांडाफोड़ किया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से 6 युवकों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार, डोंगरगढ़ पुलिस को सूचना मिली थी कि एक फार्म हाउस में कुछ युवक संदिग्ध गतिविधियों में शामिल हैं और वहां हुक्का पार्टी चल रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर दबिश दी। छापेमारी के दौरान पुलिस को अंदर कई युवक हुक्का पीते हुए मिले। पुलिस ने मौके से हुक्का और उससे जुड़ा अन्य सामान जब्त कर लिया। पकड़े गए युवकों की पहचान विशाल यादव, बाबू विश्वकर्मा, भूपेंद्र नायक, रोहन यादव, दक्ष ठाकुर और तारन निषाद के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सभी युवक डोंगरगढ़ के अलग-अलग इलाकों के निवासी हैं। पुलिस ने सभी के खिलाफ कोटपा एक्ट के तहत कार्रवाई की है। अधिकारियों ने बताया कि शहर में देर रात होने वाली अड्डेबाजी, नशाखोरी और संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। पुलिस ने साफ किया है कि ऐसे मामलों में आगे भी सख्त कार्रवाई की गई है।

विधायक के बिगड़े बोल पर बवाल : पटवारियों ने किया सुशासन तिहार का बहिष्कार

गरियाबंद । जिले के छुरा विकासखंड के ग्राम पाटसिवनी में सुशासन तिहार 2026 कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस दौरान विधायक राजिम रोहित साहू के बयान को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। विधायक के कथित अभद्र बयान से नाराज पटवारी संघ ने कार्यक्रम के बहिष्कार की घोषणा करते हुए उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, 5 मई को आयोजित एक शिकायत पर प्रतिक्रिया देते हुए विधायक रोहित साहू ने मंच से ही पटवारियों के खिलाफ आलोचना कर दी। प्रोग्राम का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में कथित तौर पर पटवारियों को 'जूता-चप्पल से मारने' जैसी बात कही गई है, जिसके बाद राजस्व अमले में चिल्लाहट बढ़ गई है। इस मामले में राजस्व पटवारी संघ, तहसील शाखा छुरा ने लिखित बयान जारी कर आरोप लगाया है। संघ का कहना है कि सार्वजनिक मंच से इस प्रकार की भाषा का उपयोग न केवल नापसंद है, बल्कि राजस्व कर्मचारियों के सम्मान को भी यह दस्तावेज़ वाला है। पटवारी संघ ने दिए गए निर्देश में उल्लेख किया है कि नेताओं द्वारा मंच से अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया, जिसका विरोध जन के विरोध में किया गया था।

घटना के बाद क्षेत्र में राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। वहीं, इस मामले में पूरे विधायकों की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

बैगा बच्चों की 5-6 हजार रुपए में हो रही थी बिक्री, पुलिस ने 6 बच्चों का किया रेस्क्यू

कवर्धा। कबीरधाम में आदिवासी बच्चों से जुड़े बड़े मामले का खुलासा हुआ है।यहां बैगा आदिवासी बच्चों को महज 5 से 6 हजार रुपये में बेचने की बात सामने आई है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस घिनौने कृत्य में बच्चों के अपने ही माता-पिता शामिल है। पुलिस इस केस में आगे की कार्रवाई कर रही है।

शिकायत के बाद पुलिस ने किया रेस्क्यू

पुलिस को शिकायत मिली थी कि कुछ लोगों द्वारा नाबालिग बच्चों को गांव से बाहर ले जाकर उनसे जबरन मजदूरी कराई जा रही है। सूचना मिलते ही कवर्धा पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए एक विशेष रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। इस दौरान पुलिस ने 6 नाबालिग बच्चों को सुरक्षित बरामद किया। बताया जा रहा है कि इन बच्चों को बेहद कम कीमत पर खरीदा गया था और उनसे कठोर परिस्थितियों में मजदूरी कराई जा रही थी।

दो लोगों पर खरीद फरोख्त का आरोप

इस मामले से जुड़े एक लिखित आवेदन में चेतन यादव और रवि यादव नामक व्यक्तियों पर नाबालिग बैगा बच्चों की खरीद-फरोख्त का आरोप लगाया गया है। आवेदन में यह भी उल्लेख है कि बच्चों को गांव से दूर ले जाकर काम पर लगाया गया और उनके बदले परिजनों को पैसे दिए गए। फिलहाल पुलिस ने सभी बच्चों को सुरक्षित स्थान पर रखकर काउंसलिंग और पूछताछ शुरू कर दी है। साथ ही पूरे नेटवर्क का पता लगाने के लिए जांच तेज कर दी गई है।

> 'इस घटना ने जिले में मानव तस्करी और बाल मजदूरी जैसे गंभीर अपराधों को लेकर एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है। प्रशासन और समाज दोनों के लिए चिंता का विषय है।'
>
> **-एसपी, कवर्धा**

11वीं कक्षा में फेल होने पर छात्र ने की आत्महत्या

जांजगीर। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा से एक दुखद घटना सामने आई है। छत्तीसगढ़ जांजगीर जिले के चांपा क्षेत्र के कुदरी बैराज में छलांग लगाने वाले छात्र शिवम का शव बुधवार सुबह 36 घंटे बाद बरामद कर लिया गया। मृतक की पहचान शंकर नगर चांपा निवासी शिवम साहू (19 वर्ष) पिता संतोष साहू के रूप में हुई है।

मंगलवार शाम तकरीबन चार बजे ऑटो चालक ने पुलिस को सूचना दी थी, एक युवक ने कुदरी बैराज के ऊपर अपना मोबाइल फोन फेंका और इसके बाद नदी में छलांग लगा दी। सूचना मिलते ही चांपा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल गोताखोरों की टीम को बुलाकर सर्च ऑपरेशन शुरू कराया । देर शाम तक बैराज और आसपास के क्षेत्र में युवक की तलाश की जाती रही, लेकिन अंधेरा होने के कारण अभियान रोकना पड़ा।

आज स्थानीय लोगों को बैराज में एक युवक का शव पानी के ऊपर तैरते देखा। इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकाला गया। बाद में परिवार के द्वारा युवक की पहचान शिवम साहू के रूप में की गई। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

परीक्षा में फेल होने के बाद था तनाव में

युवक हाल ही में घोषित परीक्षा परिणाम को लेकर मानसिक तनाव में था। आशंका जताई जा रही है कि परीक्षा में फेल होने के कारण छात्र ने यह कदम उठाया। हालांकि पुलिस का कहना है, मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति साफ हो सकेगी।

संपादकीय

अवांछनीय हठ 'शिवपूजन सहाय' को 'युगलकिशोर शुक्ल' बनाने की गूगल के पंखों पर सवार झूठ!

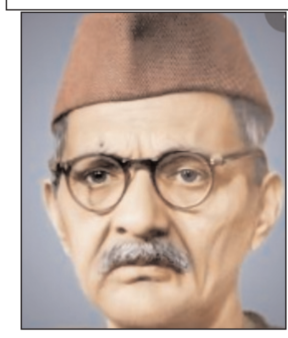

विजयदत्त श्रीधर

सात मई, 2026 को पूर्वाह्न 10:30 बजे गूगल गुरु से सवाल किया- युगल किशोर शुक्ल की फोटो दीजिए। आनन-फानन जवाब में 3 फोटो प्रकट हुए। पहली फोटो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (?) से तैयार की गई है। दूसरी फोटो आचार्य शिवपूजन सहाय की है। तीसरी फोटो श्रावस्ती, उत्तरप्रदेश के वकील युगल किशोर शुक्ल की है जो आम जनता पार्टी के नेता भी हैं। पहली फोटो कपोल कल्पित है। सच्चाई से उसका नाता नहीं। दूसरी फोटो प्रिंट मीडिया और सोशल मीडिया पर चलाई जा रही है। जबकि यह फोटो पं. युगल किशोर शुक्ल की नहीं, आचार्य शिवपूजन सहाय की है। वे हिन्दी के मूर्धन्य संपादक और साहित्यकार हैं। राष्ट्रभाषा परिषद बिहार के प्रमुख रहे हैं। उनके कार्यकाल में हिन्दी के श्रेष्ठ ग्रंथों का प्रकाशन हुआ। आचार्य जी के सुपुत्र डा. मंगलमूर्ति अभी लखनऊ में निवास करते हैं। उन्होंने अपने पिता का समाचारपत्र-पत्रिका संग्रह माधवराव सप्रे स्मृति समाचारपत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान, भोपाल को भेंट किया है। एशिया में पत्रकारिता एवं जनसंचार के पहले और सबसे बड़े शिक्षण संस्थान ' माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के पत्रकारिता विभाग के सामने एक पोस्टर लगाया गया है। इसमें 'उदन्त मार्त्तण्ड' पत्र के चित्र के साथ आचार्य शिवपूजन सहाय का फोटो युगल किशोर शुक्ल के रूप में चस्पा किया गया है। नीचे कैप्शन लिखा गया है- 'भारत के पहले हिन्दी समाचारपत्र 'उदन्त मार्त्तण्ड' की शुरुआत 30 मई, 1826 को कानपुर के पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने की थी। 30 मई को प्रतिवर्ष हिन्दी पत्रकारिता दिवस के रूप में मनाया जाता है।' बाँयी ओर पोस्टर लगाने वाले का नाम अंकित है- 'पत्रकारिता विभाग (मा.च.रा.प.वि.वि. भोपाल) '। आश्चर्य की बात यह भी है कि उदन्त मार्त्तण्ड के प्रकाशन स्थल कोलकाता का उल्लेख करने की जरूरत पोस्टर बनाने वालों ने नहीं समझी।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय 8-10 मई को 'प्रणाम उदन्त मार्त्तण्ड' संविमर्श का वृहद आयोजन वीर भारत न्यास की सरपरस्ती में कर रहा है। इस संदर्भ में विश्वविद्यालय के ओजस्वी और उत्साही कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी लगातार सोशल मीडिया पर हिन्दी के प्रथम समाचारपत्र 'उदन्त मार्त्तण्ड' पर मर्मस्पर्शी आलेख जारी कर रहे हैं। वे स्पष्ट रूप से यह तथ्य घोषित करते हैं कि 'हिन्दी पत्रकारिता के प्रथम पुरुष युगलकिशोर शुक्ल का कोई चित्र उपलब्ध नहीं है।' दशकों से किए जा रहे उनके चित्र और उनसे संबंधित विस्तृत विवरण को खोजने के प्रयास आजतक सफल नहीं हो सके हैं। विश्वविद्यालय के पिछले सत्रारंभ समारोह में पत्रकारिता का विद्यार्थी होने के नाते मुझे बोलने का अवसर दिया गया था। तब मैंने यह तथ्य रेखांकित किया था कि पंडित युगल किशोर शुक्ल का कोई चित्र नहीं खोजा जा सका है। उनके स्थान पर जो चित्र सोशल मीडिया पर गूगल के नाम पर फैलाया जा रहा है वह हिन्दी के स्वनामधन्य संपादक-साहित्यकार आचार्य शिवपूजन सहाय का है। इसके बाद भी विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के पोस्टर में चित्र का फर्जीवाड़ा किया जाना अनर्गल है, अवांछनीय है, अनावश्यक है, अनैतिक है और गूगल के संदर्भ को 'अंतिम सत्य' मानने की जिद है तथा अहंकार है।

पाठकनामा

सड़क हादसे..

ममता गुप्ता, टंडवा (झारखण्ड)

रोज़-रोज़ यह समाचार सुनने को मिल रहा है कि हाइवा द्वारा कुचलकर मोटर चालक और स्कूटर चालक की मौत हो रही है। माना कि विकास हमारे समाज और देश के लिए ज़रूरी है, लेकिन मानवता को कुचलकर नहीं। किसी का बेटा, पति, पिता — सभी एक-दूसरे से जुड़े हैं। ज़रा अपनी जगह रखकर सोचिए। कितने अरमानों से माँ-बाप अपने बच्चों को पाल-पोसकर बड़ा करते हैं। वे अपने बारे में नहीं, बल्कि अपने बच्चे के भविष्य के बारे में सोचते हैं — कि वह बड़ा होकर कुछ करेगा, उनका सहारा बनेगा। पर कौन जानता है कि कब कुछ ही पलों में जीवन समाप्त हो जाएगा। घंटों लाश पड़ी रहती है, सिर्फ़ मुआवज़ा लेने के लिए। क्या यह मुआवज़े की राशि उस घर के कोने-कोने में गूँजती माँ की बेहिसाब आँसू और दहाड़ती चीखों की भरपाई कर सकती है? भगवान से तो डरिए। हमें गंभीरता से सोचना होगा। ज़्यादातर ऐसे हादसों का शिकार गरीब और मज़दूर लोग ही होते हैं, जो अपने काम से आते-जाते रहते हैं। आइए, हम सब मिलकर कुछ कदम उठाएँ ताकि भविष्य में ये घटनाएँ न हों। पैसा कमाना ज़रूरी है, लेकिन मानवता को कुचलकर नहीं। बहुत सी घटनाओं पर हमारा बस नहीं होता, लेकिन रोज़ और लगातार होने वाली दुर्घटनाओं को अनदेखा नहीं किया जा सकता। मैं हाथ जोड़कर प्रार्थना करतीं हूँ कि सभी उच्च स्तरीय अधिकारी इस पर ध्यान दें और जो संभव हो सके, इसे रोकने का प्रयास करें।

सोमनाथः भारत की अजेय आत्मा का प्रतीक!

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

जय सोमनाथ ! वर्ष 2026 की शुरुआत में मुझे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला। यह सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद भी मंदिर के शाश्वत और अविनाशी होने का पर्व था। अब 11 मई को मुझे एक बार फिर सोमनाथ जाने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है। इस बार यह यात्रा पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में है। मैं उस क्षण को फिर जीने जा रहा हूं जब भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी ने मंदिर का लोकार्पण किया था। उस दिन, सोमनाथ में विध्वंस से सृजन तक की यात्रा फिर से जीवंत होगी। छह महीनों के भीतर सोमनाथ के इतिहास से जुड़े इन दो अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ावों का साक्षी बनना मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है।

सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प है। इसके सामने लहराता विशाल समुद्र अनंत काल की अनुभूति कराता है। इसकी लहरें हमें सिखाती हैं कि तूफान चाहे कितने भी विकराल क्यों न हों, मनुष्य का साहस और आत्मबल हर बार फिर से उठ खड़ा होने में सक्षम है। तट से टकराती लहरें सदियों से यह उद्घोष कर रही हैं कि मानवीय चेतना को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता है।

हमारे प्राचीन शास्त्रों में लिखा है: प्रभासं च परिक्रम्य पृथिवीक्रमसंभवम्। अर्थात दिव्य प्रभास (सोमनाथ) की परिक्रमा पूरी पृथ्वी की परिक्रमा के समान है! जब लोग यहां दर्शन-पूजन के लिए आते हैं, तब उन्हें उस सभ्यता की अद्भुत निरंतरता का भी अनुभव होता है, जिसकी ज्योति कभी बुझाई नहीं जा सकी। कई साम्राज्य आए और गए, समय बदला और इतिहास ने ढेरों उतार-चढ़ाव देखे, फिर भी सोमनाथ हमारे हृदय में हमेशा बना रहा।

यह समय उन असंख्य महान विभूतियों के स्मरण का भी है, जो क्रूर आक्रांताओं के सम्मुख अडिग रहे। लकुलीश और सोम शर्मा जैसे मनीषियों ने प्रभास को शैव दर्शन का महान केंद्र बनाया। चक्रवर्ती महाराज धारसेन चतुर्थ ने सदियों पहले वहां दूसरा मंदिर बनवाया था। समय की कठिन परीक्षा के बीच भीम प्रथम, जयपाल और आनंदपाल जैसे शासकों ने आक्रमणों के विरुद्ध अपनी सभ्यता की ढाल बनकर मंदिर की रक्षा की थी। ऐसा माना जाता है कि महान राजा भोज ने भी इस पावन स्थल के पुनर्निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया था। कर्णदेव सोलंकी और जयसिंह सिद्धराज ने गुजरात की राजनीतिक और सांस्कृतिक शक्ति को पुनर्स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। भाव बृहस्पति, कुमारपाल सोलंकी और पाशुपताचार्यों ने इस तीर्थ को आराधना और ज्ञान के केंद्र के रूप में स्थापित करने में अमूल्य योगदान दिया। विशालदेव वाघेला और त्रिपुरांतक ने इसकी बौद्धिक और आध्यात्मिक परंपराओं की रक्षा की। महिपाल चूड़ासमा और राव खंगार चूड़ासमा ने विध्वंस के बाद पूजा-पाठ की परंपरा को पुनर्जीवित किया। पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर, जिनकी 300वीं जयंती मनाई जा रही है, उन्होंने सबसे चुनौतीपूर्ण समय में भी भक्ति की परंपरा को जीवंत रखा। बड़ौदा के गायकवाड़ों ने तीर्थयात्रियों के अधिकारों की रक्षा की। इसके साथ ही हमारी यह धरती वीर हमीरजी गोहिल, वीर वेगड़ाजी भील जैसे पराक्रमियों से धन्य हुई है। उनके साहस और बलिदान को आज भी याद किया जाता है।

1940 के दशक में स्वतंत्रता की भावना पूरे भारत में फैल रही थी। सरदार पटेल जैसे महान नेताओं के नेतृत्व में स्वतंत्र भारत की नींव रखी जा रही थी। ऐसे में एक बात जो उन्हें बहुत व्यथित करती थी, वह थी- सोमनाथ की दुर्दशा। 13 नवंबर 1947 को, दिवाली के समय, उन्होंने सोमनाथ के जर्जर अवशेषों के सामने खड़े होकर, समुद्र का जल हाथ में लेकर संकल्प लिया, ''इस (गुजराती) नववर्ष पर हमारा निश्चय है कि सोमनाथ का पुनर्निर्माण होगा। सौराष्ट्र के लोगों को इसके लिए हर तरह से अपना योगदान देना होगा। यह एक पावन कार्य है, जिसमें हर किसी को भागीदारी निभानी होगी।'' उनके इस आह्वान ने सिर्फ गुजरात ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतवर्ष को नए उत्साह से भर दिया।

दुर्भाग्यवश, सरदार पटेल अपने उस सपने को साकार होते नहीं देख सके, जिसके लिए उन्होंने स्वयं को समर्पित कर दिया था। इससे पहले कि जीर्णोद्धार के बाद सोमनाथ मंदिर भक्तों के लिए खुलता, उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। इसके बावजूद, प्रभास पाटन की पावन धरती पर उनका प्रभाव निरंतर महसूस किया जाता रहा है। उनके विजन को के.एम. मुंशी ने आगे बढ़ाया, जिन्हें नवानगर के जामसाहेब का समर्थन मिला। 1951 में मंदिर का पुनर्निर्माण पूरा होने पर राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू के विरोध के बावजूद, डॉ. प्रसाद ने समारोह में हिस्सा लेकर इसे ऐतिहासिक बना दिया।

मुझे अक्टूबर 2001 का वह समय आज भी अच्छे से याद है, जब मैंने मुख्यमंत्री के रूप में दायित्व संभाला था। 31 अक्टूबर 2001 को, सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर गुजरात सरकार ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की 50वीं वर्षगांठ का भव्य आयोजन किया। इसी समय सरदार पटेल की 125वीं जयंती भी मनाई जा रही थी। इस कार्यक्रम में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी और तत्कालीन गृहमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी जी की मौजूदगी ने इसे और भी गरिमापूर्ण बना दिया। 11 मई 1951 को अपने भाषण में डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि सोमनाथ मंदिर दुनिया को यह संदेश देता है कि अद्वितीय श्रद्धा और विश्वास को कभी नष्ट नहीं किया जा सकता। उन्होंने आशा व्यक्त की, कि यह मंदिर सदैव लोगों के हृदय में बसा रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर के पुनर्निर्माण से सरदार पटेल का सपना साकार हुआ है। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि सरदार पटेल की भावनाओं के अनुरूप लोगों के जीवन में समृद्धि भी लानी होगी। इसको लेकर उनके संदेश अत्यंत प्रेरणादायी रहे हैं।

पिछले एक दशक से हम इसी मार्ग पर चल रहे हैं। 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र से प्रेरित होकर सोमनाथ से काशी, कामाख्या से केदारनाथ, अयोध्या से उज्जैन और त्रयंबकेश्वर से श्रीशैलम तक, हमने अपने आध्यात्मिक केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया है। इसके साथ ही उनकी पारंपरिक पहचान को भी बनाए रखा है। आज बेहतर कनेक्टिविटी से ज्यादा से ज्यादा लोग यहां आ पा रहे हैं। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है, आजीविका सुरक्षित हो रही है, साथ ही 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना और सशक्त हो रही है।

सोमनाथ की रक्षा और इसके पुनर्निर्माण के लिए जिन्होंने अपना सर्वस्व बलिदान किया, उनका संघर्ष हम कभी नहीं भुला सकते। भारत के विभिन्न हिस्सों से आए लोगों ने इसकी भव्यता और दिव्यता को लौटाने में अपना अद्भुत योगदान दिया। उनकी ऐसी ही आस्था पूरे भारतवर्ष को लेकर भी थी। वे एकता की ऐसी अद्भुत डोर से बंधे थे, जिसे जमीनी सीमाओं में नहीं बांटा जा सकता। आज की विभाजित दुनिया में, सोमनाथ से मिलने वाली एकता की यह सीख पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। सोमनाथ अपनी गौरवशाली परंपरा के साथ हमेशा खड़ा रहेगा, क्योंकि यह हमारी साझा सभ्यता का प्रतीक है। इसी गौरव को नमन करते हुए बलिदान देने वाले वीरों की स्मृति में और दानवीरों की उदारता को याद करते हुए अगले एक हजार दिनों तक यहां विशेष पूजा आयोजित की जाएगी। यह देखकर बहुत प्रसन्नता हो रही है कि बड़ी संख्या में लोग इस पुनीत कार्य में अपना योगदान दे रहे हैं।

सोमनाथ हमें याद दिलाता है कि जब कोई समाज अपनी आस्था, अपनी संस्कृति और अपनी एकता से जुड़ा रहता है, तब उसे लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता। आज भी हमारी सबसे बड़ी शक्ति यही साझा चेतना है, यही एकात्म भाव है। यही भावना हमें विभाजन से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में साथ चलने की प्रेरणा देती है।

मैं सभी देशवासियों से आग्रह करता हूं कि इस पावन अवसर पर पवित्र सोमनाथ धाम की यात्रा करें और इसकी भव्यता के साक्षात दर्शन करें। जब आप सोमनाथ के तट पर खड़े होंगे, तब उसकी प्राचीन प्रतिध्वनियों को अपने भीतर महसूस करेंगे। वहां आपको केवल भक्ति का अनुभव नहीं होगा, बल्कि उस सभ्यतागत चेतना की सशक्त धड़कन भी सुनाई देगी, जो कभी रुकी नहीं, जिसकी तीव्रता कभी कम नहीं हुई। वहां आप भारत की उस अपराजित आत्मा का अनुभव करेंगे, जिसने हर आघात के बावजूद अपनी पहचान और अपनी संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखा। आप समझ पाएंगे कि इतने प्रयासों के बाद भी क्यों हमारी सभ्यता मिट नहीं सकी। वहां आपको चिर विजय के उस दर्शन का अनुभव होगा, जो सदियों से भारत की शक्ति बना हुआ है। मुझे पूरा विश्वास है कि आपके लिए यह एक अविस्मरणीय अनुभव होगा।

चुनाव हारने के बाद ममता दीदी की ओछी राजनीति

महेन्द्र तिवारी

पश्चिम बंगाल की पावन धरती पर 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद जो दृश्य उभरा है वह भारतीय राजनीति के इतिहास में एक अत्यंत जटिल और अभूतपूर्व अध्याय के रूप में दर्ज हो चुका है। वर्ष 2011 में जब ममता बनर्जी ने 34 वर्षों के सुदृढ़ वामपंथी शासन को उखाड़ फेंका था तब इसे एक बड़े परिवर्तन के रूप में देखा गया था। उस समय उन्होंने स्वयं को निर्धन वर्ग, कृषकों और बंगाल की अस्मिता के रक्षक के रूप में प्रस्तुत किया था। परंतु समय का चक्र ऐसा घूमा कि 15 वर्षों के उनके शासन के पश्चात 2026 में जनता ने एक ऐसा निर्णय सुनाया जिसने सत्ता के गलियारों को हिलाकर रख दिया। इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी संगठनात्मक शक्ति का परिचय देते हुए 294 निर्वाचन क्षेत्रों में से 207 क्षेत्रों पर विजय प्राप्त कर स्पष्ट बहुमत का जादुई आंकड़ा पार कर लिया। दूसरी ओर राज्य में लंबे समय से शासन कर रही तृणमूल कांग्रेस मात्र 80 स्थानों पर सिमट कर रह गई। यह परिणाम न केवल चौंकाने वाला था अपितु इसने राज्य की राजनीतिक दिशा को पूरी तरह से बदल दिया। इस बार मतदान का स्तर 92.93 प्रतिशत तक पहुंच गया जो बंगाल के निर्वाचन इतिहास में अब तक का सर्वाधिक मतदान माना जा रहा है। इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं का घर से बाहर निकलना इस बात का संकेत था कि जनता के मन में परिवर्तन की तीव्र आकांक्षा थी ।जैसे ही चुनाव परिणाम आधिकारिक रूप से घोषित हुए राज्य में राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का एक ऐसा दौर आरंभ हुआ जिसने पूरे राष्ट्र का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया। विपक्षी दलों और राजनीति के जानकारों ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान करने के स्थान पर टकराव का मार्ग चुन लिया है। निर्वाचन परिणामों के तत्काल पश्चात उन्होंने जो वक्तव्य दिया उसने एक नया विवाद खड़ा कर दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यह उनकी हार नहीं है बल्कि एक सुनियोजित षड्यंत्र की जीत है। उन्होंने भारत के निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़े करते हुए दावा किया कि लगभग 100 निर्वाचन क्षेत्रों में जनादेश को लूटा गया है। इसके अतिरिक्त उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रों की विश्वसनीयता पर भी संदेह व्यक्त किया। उनके अनुसार कई मतदान यंत्रों में विद्युत संचय की क्षमता अर्थात बैटरी का स्तर असामान्य रूप से 99 प्रतिशत पाया गया जो उनकी दृष्टि में किसी बड़ी गड़बड़ी का संकेत था। उन्होंने इस पूरे चुनाव को एक पूर्व निर्धारित खेल की संज्ञा दी जिसे सुनकर विपक्षी खेमे में भारी रोष व्याप्त हो गया। राजनीतिक विश्लेषकों का तर्क था कि यदि चुनाव प्रक्रिया में कोई विसंगति थी तो उसके लिए निर्धारित कानूनी और संवैधानिक मंच उपलब्ध हैं लेकिन सार्वजनिक रूप से पूरी लोकतांत्रिक संस्था पर प्रश्न उठाना जनमत का अनादर करने जैसा है ।विवाद उस समय और अधिक गहरा गया जब ममता बनर्जी ने मुख्यमंत्री के पद से त्यागपत्र देने से स्पष्ट मना कर दिया। संसदीय लोकतंत्र की यह एक स्थापित मर्यादा रही है कि जब कोई सरकार विधानसभा में अपना बहुमत खो देती है तो वह नई सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त करने के लिए तत्काल पद छोड़ देती है।

परंतु ममता बनर्जी ने तर्क दिया कि वह एक राजनीतिक और कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं और वह तब तक पद नहीं छोड़ेंगी जब तक कि स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो जाती। इस निर्णय ने एक गंभीर संवैधानिक संकट को जन्म दिया। देश के प्रमुख संवैधानिक विशेषज्ञों ने इस पर चिंता व्यक्त की कि यदि निर्वाचन आयोग ने नई विधानसभा के गठन की अधिसूचना जारी कर दी है तो निवर्तमान सरकार का पद पर बने रहना अनैतिक और अवैध हो सकता है।

बोधकथा

जाकी रही भावना जैसी ... प्रभु मूरत देखी तिन तैसी

एक महिला रोज मंदिर जाती थी ! एक दिन उस महिला ने पुजारी से कहा कि अब मैं मंदिर नही आया करूँगी !

इस पर पुजारी ने पूछा — क्यों ? तब महिला बोली — मैं देखती हूँ लोग मंदिर परिसर में अपने फोन से अपने व्यापार की बात करते हैं ! कुछ ने तो मंदिर को ही गपशप करने का स्थान चुन रखा है ! कुछ तो पूजा कम पाखंड, दिखावा ज्यादा करते हैं !इस पर पुजारी कुछ देर तक चुप रहे , फिर कहा — सही है ! परंतु अपना अंतिम निर्णय लेने से पहले क्या आप मेरे कहने से कुछ कर सकती हैं ?

महिला बोली -आप बताइए क्या करना है ?

पुजारी ने कहा-एक गिलास पानी भर लीजिए और 2 बार मंदिर परिसर के अंदर परिक्रमा लगाइए , शर्त ये है कि गिलास का पानी गिरना नहीं चाहिये !

थोड़ी ही देर में उस महिला ने ऐसा कर दिखाया !

उसके बाद मंदिर के पुजारी ने महिला से 3 सवाल पूछे -

क्या आपने किसी को फोन पर बात करते देखा? क्या आपने किसी को मंदिर में गपशप करते देखा? क्या किसी को पाखंड करते देखा? महिला बोली — नहीं मैंने ऐसा तो कुछ भी नहीं देखा !

फिर पुजारी बोले — जब आप परिक्रमा लगा रही थीं - तब आपका पूरा ध्यान गिलास पर था कि इसमें से पानी न गिर जाए, इसलिए आपको और कुछ दिखाई नहीं दिया । अब अगली बार जब भी आप मंदिर आयें, तो वहां जिस काम के लिए आए हैं ।

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

कचरे का घमंड

गिरीश पंकज

घूरे के भी दिन फिरते हैं साहब। यही सुना था हमने, मगर उस दिन देख भी लिया। हमारे शहर की सुंदर इमारत से भी ऊँचा हो गया हूँ मैं। यानी कचरे का ढेर । लेकिन एक बात बड़ी बुरी लगती है। लोग दर्शनीय इमारत को तो बड़े प्रेम से देखते हैं मगर मुझ कचरे के ढेर को देख कर नाक बंद कर लेते हैं और बड़ी तेजी के साथ मुझ से दूर हो जाना चाहते हैं । यह देखकर दु:ख होता है । मन-ही-मन सोचता हूँ, क्या मैं इतना बुरा हूँ? अरे, हर घर की गंदगी को बाहर निकाल कर मैंने अपना एक साम्राज्य यहाँ खड़ा किया है। शून्य था कभी, अब शिखर तक पहुँच गया हूँ। मगर लोग हैं कि मुझसे ही दूर जाना चाहते हैं । कुछ लोग तो मांग कर रहे हैं कि मुझे यहाँ से हटाया जाए । प्रश्न यह है कि यहाँ से हटा करके मुझे भेजोगे कहाँ? बच कर कहां जाओगे? अरे, मैं तो जहां भी जाऊँगा, धीरे-धीरे ढेर ही बनता जाऊँगा और चंद दिनों में ही कुतुबमीनार की तरह ऊँचा हो जाऊँगा। सोचिए जरा, अगर मैं घर के भीतर ही पड़ा रहता तो घर का क्या हाल होता। अखबारों में अलग-अलग एंगल से मेरी तस्वीरें भी छप रही हैं । कुछ लोग तो दूसरे शहर के मित्रों को गर्व से बताते हैं। निमंत्रण भी देते हैं कि कभी मेरे शहर आओ, तो तुम्हें गंदगी का कुतुब मीनार दिखाएँगे । यह सुनकर लोग चौंक जाते हैं कि कुतुबमीनार तो समझ में आता है मगर गंदगी का कुतुब मीनार क्या बला है ? फिर स्पष्ट किया जाता है कि कभी जो पिद्दी-सा कचरा हुआ करता था, वही परत-दर -परत विस्तार पाते-पाते अब पहाड़ में तब्दील हो गया है। इसीलिए लोगों ने उसका नामकरण भी कर दिया है। कोई कचरा मीनार कहता है तो कोई सीधे सीधे कुतुबमीनार ही कह देता है। इसीलिए तो हर तरफ मेरी चर्चा है। अनेक शहरों के दर्शनीय भवनों से भी ऊँचा हो गया हूँ। मैं हर कूड़ा-करकट के लिए प्रेरणा स्त्रोत हूँ। मैं हर बुरे व्यक्ति का आदर्श हो सकता हूं। कचरा भी अगर ठान ले तो एक दिन वह भी कुतुबमीनार की तरह ऊँचा हो सकता है।

उस दिन कचरामीनार दर्शनीय इमारत के साथ बातचीत करने लगा । घमंड के साथ बोला,'' आजकल लोगबाग तुम्हारी नहीं, मेरी चर्चा करते हैं । क्या कभी तुमने ऐसा सोचा था कि तुमसे भी ऊँचा हो जाऊँगा ? '

यह सुनकर इमारत ने कहा, ' तू चाहे जितना भी ऊँचा हो जाए, रहेगा तो कचरा ही न। लोग तुझे देखना ही पसंद नहीं करते। तुझे देखते ही नाक पर रुमाल रख लेते हैं । तो पगले, व्यर्थ में मत इतरा। तेरी ऊँचाई से समाज का भला नहीं हो रहा। उल्टे लोग बीमार पड़ रहे हैं । लेकिन लोग जब मेरे पास आते हैं तो प्रसन्न हो जाते हैं.'' इमारत की बात सुनकर कचरा चिढ़ गया और बोला ''समझ गया, तू मेरा मुझसे जल रही है।

इतिहास

7 मई का इतिहास प्रमुख अंतरराष्ट्रीय घटनाओं से भरा है, जिसमें 1937 में हिंडनबर्ग ज़ेपेलिन का विनाश, 1954 में रोजर बैनिस्टर द्वारा 4 मिनट से कम में मील की दौड़, 1994 में चैनल टनल का उद्घाटन, और 2004 में लोकप्रिय टीवी शो 'फ्रेंड्स' का अंतिम एपिसोड प्रसारित होना शामिल है।यह वीडियो इतिहास में आज के दिन हुई प्रमुख घटनाओं के बारे में बताता है: 9 फ़र 20257 मई की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएं:1527: स्पेनिश और जर्मन सैनिकों ने रोम को लूटा, जिसे पुनर्जागरण (Renaissance) का अंत माना जाता है।1682: फ्रांस के राजा लुई चौदहवें ने अपना दरबार वर्साय के महल में स्थानांतरित किया।1891: न्यूयॉर्क शहर में प्रसिद्ध कार्नेगी हॉल खोला गया।1915: प्रथम विश्व युद्ध के दौरान, जर्मन पनडुब्बी ने लुसिटानिया को टॉरपीडो मारकर डुबो दिया।

भारतीय शेयर बाजार उतार-चढ़ाव भरे सत्र के बाद सपाट बंद, सेंसेक्स 114 अंक गिरा

मुंबई। अमेरिका-ईरान सीजफायर की उम्मीदों के बीच गुरुवार के कारोबारी सत्र में दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क सपाट बंद हुए। दोनों प्रमुख सूचकांक सत्र की शुरुआत में ऊपर चढ़े थे, लेकिन बाद में फिसलकर अपने पिछले बंद भाव के करीब आ गए।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 114 अंक यानी 0.15 प्रतिशत फिसलकर 77,844.52 पर पहुंच गया, तो वहीं एनएसई निफ्टी50 4.30 अंक (0.02 प्रतिशत) गिरकर 24,326.65 पर पहुंच गया।

दिन के दौरान, सेंसेक्स 78,339.24 पर खुलकर 78,384.70 का इंट्रा-डे हाई तो 77,713.21 का लो बनाया। वहीं निफ्टी 24,398.50 पर खुलकर 24,482.10 का इंट्रा-डे हाई और 24,284 का लो बनाया।

व्यापक बाजारों ने प्रमुख बेंचमार्कों से बेहतर प्रदर्शन किया, जिसमें निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 1.10 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.87 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।सेक्टरवार देखें तो निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल, निफ्टी आईटी और निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी पीएसयू बैंक का प्रदर्शन कमजोर रहा। जबकि निफ्टी ऑटो, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी मेटल, निफ्टी मीडिया और निफ्टी हेल्थकेयर इंडेक्स बेहतर प्रदर्शन करते नजर आए।निफ्टी 50 पैक में एचडीएफसी लाइफ, बजाज-ऑटो, एमएंडएम, ग्रासिम, एनटीपीसी, अपोलो हॉस्पिटल, हिंडाल्को, कोटक बैंक और ओएनजीसी के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जिनमें 3.5 प्रतिशत से 1 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई। जबकि एचयूएल, टीसीएस, टाइटन, टेक महिंद्रा, आईटीसी, सन फार्मा और कोल इंडिया के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई।

गुरुवार के कारोबारी सत्र में बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल मार्केट कैप पिछले सत्र में 473 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 475 लाख करोड़ रुपए हो गया। यानी एक दिन में निवेशकों ने करीब 2 लाख करोड़ रुपए कमाए।

तकनीकी नजरिए से देखें तो विशेषज्ञों के अनुसार, 24,400-24,500 का स्तर फिलहाल निफ्टी के लिए मजबूत रेजिस्टेंस बना हुआ है। अगर निफ्टी इस स्तर के ऊपर लगातार टिकने में सफल रहता है, तो बाजार में फिर से तेजी लौट सकती है और इंडेक्स 24,600 या उससे ऊपर के स्तर तक जा सकता है। वहीं नीचे की ओर 24,100-24,000 का दायरा अहम सपोर्ट जोन बना हुआ है। अगर बाजार में दोबारा बिकवाली का दबाव बढ़ता है, तो यह स्तर बाजार को सहारा दे सकता है।विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले समय में बाजार की दिशा काफी हद तक खाड़ी क्षेत्र से जुड़ी खबरों पर निर्भर करेगी। खासतौर पर अमेरिका के शांति प्रस्ताव पर ईरान की प्रतिक्रिया और होर्मुज जलडमरूमध्य के दोबारा खुलने की संभावनाएं बाजार में उतार-चढ़ाव तय करेंगी।

वैश्विक अस्थिरता से सोना और चांदी में तेजी, कीमतों में 0.9 प्रतिशत तक का उछाल

मुंबई। सोने और चांदी गुरुवार के सत्र में तेजी के साथ खुले और शुरुआती कारोबार में कीमतों में 0.9 प्रतिशत तक की तेजी देखने को मिली।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सुबह 10:30 बजे सोने का 5 जून 2025 का कॉन्ट्रैक्ट 0.24 प्रतिशत या 368 रुपए की तेजी के साथ 1,52,500 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में सोने ने 1,52,419 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,52,887 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ।

वहीं, चांदी के 3 जुलाई 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 0.91 प्रतिशत या 2,293 रुपए की तेजी के साथ 2,55,558 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,54,722 रुपए का न्यूनतम स्तर और 2,57,055 रुपए का उच्चतम स्तर बनाया है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी में तेजी देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोना 0.21 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,703 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.12 प्रतिशत की मजबूती के साथ 78.17 डॉलर प्रति औंस पर थी। सोने और चांदी में मजबूती की वजह डॉलर इंडेक्स में कमजोरी को माना जा रहा है, जो कि 98 के नीचे फिलहाल बना हुआ है। डॉलर इंडेक्स, अमेरिकी मुद्रा डॉलर की दुनिया की छह बड़ी मुद्राओं- यूरो, जापानी येन, पाउंड स्टर्लिंग, कैनेडियन डॉलर, स्वीडिश क्रोना और स्विस फ्रैंक- के मुकाबले स्थिति को दिखाता है।

दूसरी तरफ वैश्विक अस्थिरता भी सोने और चांदी में तेजी को बढ़ावा दे रही है। अमेरिका-ईरान युद्ध को समाप्त करने के लिए लगातार बातचीत कर रहे हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका, ईरान से अपने परमाणु कार्यक्रम को बंद करने और हॉर्मुज सेट्रट को खोलने की मांग कर रहा है।

ईरान की समाचार एजेंसी आईएसएनए द्वारा ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि तेहरान अपनी प्रतिक्रिया देगा। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि ईरान एक समझौते चाहता है।

एप्पल भारत के रिन्यूएबल एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर में 100 करोड़ रुपए करेगा निवेश

नई दिल्ली । दिग्गज अमेरिकी टेक्नोलॉजी कंपनी एप्पल ने भारत के रिन्यूएबल एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए 100 करोड़ रुपए निवेश करने का ऐलान किया है। यह कंपनी के स्थिरता और कार्बन न्यूट्रल बनने की तरफ बढ़ने के उद्देश्यों के मुताबिक है।

कंपनी ने बताया कि यह निवेश अग्रणी रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट कंपनियों में से एक क्लीनमैक्स के सहयोग से किया जाएगा, जिससे देशभर में 150 मेगावाट से अधिक की नई रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता का निर्माण करने में मदद मिलेगी।

आईफोन निर्माता कंपनी के अनुसार, नियोजित क्षमता लगभग 1.5 लाख भारतीय घरों को प्रति वर्ष बिजली प्रदान करने के लिए पर्याप्त होगी और आने वाले वर्षों में इसे और भी बढ़ाया जा सकता है।

इस पहल का उद्देश्य भारत में एप्पल की आपूर्ति श्रृंखला में रिन्यूएबल एनर्जी को बढ़ावा देना है और यह कंपनी के 2030 तक अपने पूरे परिचालन क्षेत्र में कार्बन न्यूट्रल बनने के लक्ष्य का समर्थन करती है।

एप्पल की पर्यावरण और आपूर्ति श्रृंखला नवाचार की उपाध्यक्ष सारा चैंडलर ने कहा, 'एप्पल में, पर्यावरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता कंपनी और दुनिया भर में नवाचार के लिए एक प्रेरक शक्ति है।'

उन्होंने आगे कहा, 'हमें भारत की स्वच्छ ऊर्जा अर्थव्यवस्था में निवेश करने और देश के बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करने के अपने प्रयासों को आगे बढ़ाने पर गर्व है। इसके अलावा, एप्पल ने पहले क्लीनमैक्स के साथ रूफटॉप सोलर प्रोजेक्ट्स पर साझेदारी की थी, जिसके तहत भारत में इसके कार्यालयों और खुदरा स्टोरों को 100 प्रतिशत रिन्यूएबल एनर्जी से चलाया जाएगा।

रिन्यूएबल एनर्जी निवेश के अलावा, कंपनी ने भारत में प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने और हरित उद्यमिता को बढ़ावा देने पर केंद्रित नई साझेदारियों की भी घोषणा की।

कंपनी ने कहा कि वह डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया के साथ मिलकर रीसाइक्लिंग और अपशिष्ट प्रबंधन पहलों का समर्थन कर रही है ताकि सामग्री की रिकवरी में सुधार हो और पारिस्थितिकी तंत्र में प्लास्टिक का रिसाव कम हो।

आईफोन निर्माता कंपनी एक्यूमेन के साथ भी साझेदारी कर रही है ताकि अपशिष्ट प्रबंधन, पुनर्योजी कृषि और चक्रीय अर्थव्यवस्था समाधानों जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे शुरुआती चरण के हरित उद्यमों को अनुदान और मार्गदर्शन सहायता प्रदान की जा सके।

वैश्विक स्तर पर भारत में व्यापार के लिए सबसे अच्छे अवसर मौजूद : वॉलमार्ट प्रेसिडेंट

नई दिल्ली। वॉलमार्ट के प्रेसिडेंट और सीईओ जॉन फर्नर ने गुरुवार को कहा कि वैश्विक स्तर पर भारत में व्यापार के लिए सबसे अच्छे अवसर मौजूद हैं। साथ ही, कहा कि कंपनी भारत से 40 अरब डॉलर से अधिक का सामान खरीद रही है।

फर्नेर ने कहा कि कंपनी उद्यमियों और आपूर्तिकर्ताओं की क्षमताओं को मजबूत करने, अनुपालन और गुणवत्ता मानकों को बढ़ाने और विनिर्माण को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रही है ताकि अधिक से अधिक भारतीय व्यवसाय निर्यात के लिए तैयार हो सकें।

उन्होंने यहां 'वॉलमार्ट ग्रोथ समिट-इंडिया 2026' के दूसरे संस्करण के दौरान कहा, 'यह प्रयास आर्थिक अवसरों का विस्तार कर रहा है और भारत में इनोवेटिव व्यवसायों को दुनिया भर के ग्राहकों से जोड़ रहा है।'

वॉलमार्ट के 'वृद्धि आपूर्तिकर्ता विकास कार्यक्रम' ने घोषणा की है कि 2019 में शुरू होने के बाद से इसने देशभर में 115,000 से अधिक लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को प्रशिक्षित किया है, जिससे उन्हें डिजिटल क्षमताएं, महत्वपूर्ण व्यावसायिक कौशल और नए बाजारों तक पहुंच प्राप्त हुई है।

2028 तक कुल 170,000 एमएसएमई को समर्थन देने की योजना के साथ, यह कार्यक्रम उन एमएसएमई की संख्या को लगातार बढ़ा रहा है जो नए बाजारों में निर्यात करने की महत्वाकांक्षा रखते हैं।

इस कार्यक्रम में, वॉलमार्ट और फ्लिपकार्ट के प्रमुखों ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारतीय व्यवसायों की बढ़ती भूमिका और स्थानीय साझेदारी को मजबूत करने और क्षमता निर्माण प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। फ्लिपकार्ट ग्रुप के ग्रुप सीईओ कल्याण कृष्णमूर्ति ने कहा, 'फ्लिपकार्ट ग्रुप में हमने प्रत्यक्ष रूप से देखा है कि कैसे प्रौद्योगिकी और डिजिटल वाणिज्य भारत भर में लाखों छोटे व्यवसायों, उद्यमियों, कारीगरों और स्थानीय समुदायों के लिए अवसरों के द्वार खोल सकते हैं। उन्होंने बताया, फ्लिपकार्ट समर्थ और वॉलमार्ट वृद्धि जैसी पहलों के माध्यम से, 'हम घरेलू और वैश्विक स्तर पर व्यवसायों के विकास के लिए क्षमता निर्माण, बाजार पहुंच में सुधार और मार्ग प्रशस्त करने में मदद कर रहे हैं। हमारा ध्यान भारत के लिए एक समावेशी और सशक्त वाणिज्य पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण पर केंद्रित है। इस कार्यक्रम में 5,000 से अधिक पंजीकरण हुए, जिनमें विक्रेताओं ने अमेरिका और अन्य देशों के ग्राहकों तक पहुंचने के लिए वॉलमार्ट मार्केटप्लेस से जुड़ने में गहरी रुचि दिखाई।

अमेरिकी ऑटोमोटिव मार्केट को खत्म करना चाहता है चीन, रिपब्लिकन सांसदों ने जताया अंदेशा

वाशिंगटन। 50 से ज्यादा रिपब्लिकन लॉमेकर्स ने ट्रंप सरकार से अपील की है कि वह चीनी ऑटोमोटिव और बैटरी कंपनियों को अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग करने से रोके। उनका कहना है कि इस तरह के कदम से अमेरिकी नौकरियों, सप्लाई चेन और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा होगा।

माइक केली और गस बिलिराकिस के नेतृत्व में लिखे एक पत्र में सांसदों ने ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट, वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लूटनिक और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर से आग्रह किया कि वे किसी भी चीनी कंपनियों के अमेरिका या व्यापक उत्तर अमेरिकी बाजार में वाहन और बैटरी निर्माण सुविधाएं स्थापित करने के प्रयास को अस्वीकार करें।

यह चिट्ठी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी प्रेसिडेंट शी जिनपिंग के बीच ट्रेड के मुद्दों पर होने वाली मीटिंग से पहले आई है। सांसदों ने लिखा, 'दुनियाभर में अपनी ऑटोमोटिव पहुंच बढ़ाने के चीन के लक्ष्यों के बारे में हमें साफ-साफ पता होना चाहिए। चीन का इरादा फेयर कॉम्पिटिशन नहीं है, जैसा कि दूसरे जरूरी सेक्टर में उनके कामों से साफ है।'

सांसदों ने कहा कि यूएस ऑटोमोटिव इंडस्ट्री देश की जीडीपी में 5 फीसदी से ज्यादा का योगदान देती है और लाखों मैन्युफैक्चरिंग नौकरियों को सपोर्ट करती है। उन्होंने चेतावनी दी कि भारी सब्सिडी वाली चीनी कंपनियां ग्लोबल ऑटोमोटिव सप्लाई चेन पर कंट्रोल पाने के लिए नॉन-मार्केट टैक्टिक्स का इस्तेमाल कर सकती हैं।

लेटर में कहा गया, 'अगर चीनी ऑटोमोटिव कंपनियों को अमेरिका में गाड़ियां और बैटरी बनाने और बेचने की इजाजत दी गई, तो हम अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग को खत्म करने, यूएस ऑटो कंपनियों के लिए ग्लोबल मार्केट शेयर कम करने और कंज्यूमर्स और बिजनेस को गंभीर साइबर सुरक्षा और सर्विलांस खतरों के सामने छोड़ने का रिस्क उठा रहे हैं।'

सांसदों ने चीन पर सरकारी सब्सिडी के जरिए प्रोडक्शन को बनावटी रूप से बढ़ाने और कंपनियों को मार्केट से कम कीमत पर गाड़ियां एक्सपोर्ट करने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया।

उन्होंने लिखा, 'चीन का मकसद अमेरिकी ऑटोमोटिव मार्केट में मुकाबला करना नहीं है, बल्कि इसे खोखला करना है और आखिर में कस्टमर की पसंद को चीनी ब्रांड तक सीमित करना है।'

चिट्ठी में डेटा सुरक्षा और कनेक्टेड व्हीकल टेक्नोलॉजी को लेकर भी चिंता जताई गई। सांसदों के मुताबिक, चीन में बनी गाड़ियां अमेरिकी नागरिकों और इंफ्रास्ट्रक्चर से सेंसिटिव जानकारी इकट्ठा और भेज सकती हैं।

आर्थिक चिंताओं के बीच प्रेस फ्रीडम इंडेक्स में भी बांग्लादेश की रैंकिंग गिरीः रिपोर्ट

नई दिल्ली। वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स 2026 में बांग्लादेश पिछले साल के मुकाबले तीन पायदान नीचे लुढ़कर 152वें स्थान पर आ गया है। इस सूची में 180 देशों को शामिल किया गया था। बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट दावा करती है कि इसका असर अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा है। 2024 में तख्तापलट के बाद से आर्थिक मोर्चे पर भी देश पिछड़ा है।

द बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के मुताबिक स्थिति 'बहुत गंभीर' श्रेणी में पहुंच गई है; यह 2025 में 149वें नंबर पर थी और अब उससे तीन पायदान नीचे खिसक गई है।

इसमें कहा गया, 'हसीना राज खत्म होने के बाद, मीडिया को अधिक आजादी की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा कुछ होता नहीं दिखा। उसे एक न्यू नॉर्मल का सामना करना पड़ा। कुछ न्यूज आउटलेट्स और पत्रकारों को 'फासिस्ट' हसीना राज के 'साथी' के तौर पर ब्रांड किया गया। सियासी दबाव में मीडिया अपना काम आजादी से नहीं कर पा रही है। आलोचना के लिए कोई तैयार नहीं है और उसे बर्दाश्त करने की क्षमता भी लोगों में घट गई है। कुछ पुराने अध्ययनों के हवाले से बताया गया है कि प्रेस पर पाबंदियों का असर अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है और बांग्लादेश में भी यही हुआ है। प्रेस पर हमलों से वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि में लगभग 1 से 2 फीसदी की कमी आ सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रेस की आजादी ज्यादा वित्तीय स्थिरता से जुड़ी है। एक ग्लोबल स्टडी का हवाला देते हुए बताया गया कि जिन देशों में प्रेस को ज्यादा आजादी दी जाती है, वहां का कॉर्पोरेट-पॉलिटिकल कल्चर ठीक-ठाक रहता है और इस वजह से भ्रष्टाचार की आशंका कम होती है। नतीजतन बैंकिंग सेक्टर में गड़बड़ी नहीं होती और वो स्थिर बना रहता है। विशेषज्ञों के मुताबिक स्वतंत्र प्रेस एक रक्षक की तरह होता है। वो नियम विरुद्ध या राष्ट्र विरुद्ध गतिविधियों पर पैनी नजर बनाए रखता है और इस तरह भ्रष्टाचार को पनपने से रोकने में मदद करता है।

स्काईरूट एयरोस्पेस बना भारत का पहला स्पेस-टेक यूनिकॉर्न

नई दिल्ली। स्पेस-टेक स्काईरूट एयरोस्पेस ने गुरुवार को 60 मिलियन डॉलर (भारतीय रुपए में करीब 570 करोड़ रुपए) जुटाने का ऐलान किया है। इसके साथ कंपनी देश की पहली स्पेस-टेक स्टार्टअप यूनिकॉर्न बन गई है।

मौजूदा फंडिंग राउंड में स्काईरूट की वैल्यूएशन 1.1 अरब डॉलर रही है, जो कि 2023 में कंपनी की वैल्यू से 519 मिलियन डॉलर से करीब चार गुना ज्यादा है। नई फंडिंग मिलना दिखाता है कि भारत का निजी स्पेस सेक्टर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

जब भी किसी स्टार्टअप का वैल्यूएशन एक अरब डॉलर से अधिक हो जाता है तो उसे यूनिकॉर्न माना जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत में अलग-अलग सेक्टर्स से करीब 100 से अधिक यूनिकॉर्न मौजूद हैं।

हैदराबाद स्थित स्काईरूट एयरोस्पेस के सह-संस्थापक और सीईओ पवन कुमार चंदना ने कहा, 'हम स्काईरूट में आगामी विक्रम-1 प्रक्षेपण को लेकर बेहद उत्साहित हैं, जो भारत का पहला निजी कक्षीय रॉकेट है और भारत तथा वैश्विक अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। नया निवेश स्काईरूट में दुनिया के कुछ सबसे प्रतिष्ठित निवेशकों के विश्वास का संकेत है।'

स्काईरूट एयरोस्पेस के इस फंडिंग राउंड में कई वैश्विक निवेशकों जैसे जीआईसी और ब्लैकरॉक आदि का नाम शामिल है। यह दिखाता है कि भारत के स्पेस सेक्टर में वैश्विक निवेशक रुचि ले रहे हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी अब तक के अलग-अलग फंडिंग राउंड में निवेशकों से 160 मिलियन डॉलर (करीब 1,500 करोड़ रुपए) जुटा चुकी है।

कंपनी ने 2023 में एक ऑर्बिटल लॉन्च किया था और अब आने वाले हफ्तों में एक और लॉन्च की तैयारी कर रही है।

कंपनी ने बताया कि इस नई पूंजी से स्काईरूट को विक्रम-1 के प्रक्षेपणों को तेज गति से स्थापित करने, उत्पादन बढ़ाने और विक्रम-2 (एक उन्नत क्रायोजेनिक चरण द्वारा संचालित 1 टन श्रेणी का प्रक्षेपण यान) विकसित करने में मदद मिलेगी, जिससे यह अपने मिशनों और ग्राहकों की सेवा करने की क्षमता का विस्तार कर सकेगी।

एआई नहीं, हकीकत का खौफनाक आईना: एक घर में 250 कुत्ते, तस्वीरों ने सबको चौंकाया!

नई दिल्ली। ये कहानी है लंदन के एक घर और उसमें रहने वाले 250 पूडल डॉग्स की। छोटे-छोटे कमरे और कैमरे की ओर हसरत भरी निगाहों से देखते इंसान के सबसे प्यारे दोस्त। ब्रिटेन की पशु कल्याण संस्था, 'रॉयल सोसाइटी फॉर द प्रिवेंशन ऑफ क्रुएलिटी टू एनिमल्स' (आरएसपीसीए) ने 2 अप्रैल को इन कुत्तों की एक तस्वीर सोशल प्लेटफॉर्म पर पोस्ट की लंबे चौड़े नोट के साथ! मकसद इनको बचाना और उन हालात के बारे में बताना था जिसमें ये रहने को मजबूर थे। कुछ की हालत गंभीर थी तो कुछ कुपोषण से जूझ रहे थे।

जिसने भी तस्वीरें देखी, उन्हें लगा ये तकनीक का खेल है! मान लिया ये किसी एआई टूल का कमाल है। लेकिन जब सच्चाई सामने आई, तो मामला कहीं ज्यादा गंभीर और परेशान करने वाला निकला।

आरएसपीसीए के अनुसार कुछ अधिकारियों को एक मकान में अत्यधिक संख्या में कुत्तों के होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची टीम ने देखा कि छोटे-छोटे कमरों में बड़ी संख्या में कुत्ते ठूंसे हुए थे। गंदगी, बदबू और अव्यवस्था के बीच रह रहे इन डॉग्स की हालत ऐसी थी कि तस्वीरें देखने वालों को यकीन ही नहीं हुआ कि यह असली हैं। सोशल मीडिया पर तस्वीरें वायरल होते ही कई लोगों ने इन्हें 'एआई-जनरेटेड' ही माना। इसके बाद आरएसपीसीए को स्पष्ट करना पड़ा कि ये तस्वीरें वास्तविक हैं और किसी भी तरह की डिजिटल हेरफेर का हिस्सा नहीं हैं। संस्था ने इसे 'ओवरक्राउडिंग और लापरवाही का चरम उदाहरण' बताया।

जांच में सामने आया कि इतने बड़े पैमाने पर कुत्तों की संख्या बढ़ने के पीछे अनियंत्रित प्रजनन और मालिक की क्षमता से अधिक जानवर पाल लेना मुख्य कारण हो सकता है। संस्था के अनुसार कई मामलों में आर्थिक दबाव और देखभाल की कमी भी ऐसी स्थितियों को जन्म देती है।

राहत कार्य के दौरान दर्जनों कुत्तों को तत्काल चिकित्सा सहायता के लिए ले जाया गया, जबकि बाकी को अलग-अलग पशु संगठनों की मदद से सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया। संस्था के मुताबिक ऐसे मामलों में जानवर लंबे समय तक तनाव, कुपोषण और संक्रमण जैसी समस्याओं से जूझते हैं, जिनसे उबरने में समय लगता है।यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब ब्रिटेन में 'मल्टी-एनिमल' मामलों में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। पशु कल्याण संगठनों का मानना है कि पालतू जानवर रखना केवल भावनात्मक निर्णय नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है।

कम ऑक्सीजन में छिपा है 'नए जीवन' का रहस्य: रिसर्च ने खोला बड़ा राज

नई दिल्ली। जीवन के रहस्य वाकई अद्भुत और अकल्पनीय हैं। ऑक्सीजन हमारे वायुमंडल का बहुत उपयोगी तत्व है। जिंदगी में भी इसका योगदान अभूतपूर्व है। हाल ही में एक रिसर्च के आधार पर रिपोर्ट छपी जो दावा करती है कि कम ऑक्सीजन में भी नए जीवन का रहस्य छिपा है। आखिर क्या है ये?

दुनिया भर के वैज्ञानिक लंबे समय से यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर कुछ जीव—जैसे मेंढक या सलामेंडर—अपने कटे हुए अंगों को दोबारा कैसे उगा लेते हैं, जबकि इंसान ऐसा नहीं कर पाते। अब इस पहेली को सुलझाने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। प्रतिष्ठित जर्नल साइंस में प्रकाशित रिसर्च ने इस रहस्य पर नई रोशनी डाली है।

कैन एर्ट्जेकिन के नेतृत्व में एक टीम ने पाया कि अंगों के दोबारा बनने में ऑक्सीजन की बहुत अहम भूमिका रहती है। मेंढक के टैडपोल और एम्ब्रियोनिक चूहों के कटे हुए अंगों की तुलना कर, शोधकर्ताओं ने पाया कि सेल्स जिस तरह से ऑक्सीजन को महसूस करती हैं, उससे यह तय होता है कि दोबारा बनना शुरू हो भी सकता है या नहीं।

इस अध्ययन के मुताबिक, अंगों के दोबारा उगने (रीजेनरेशन) की क्षमता का सीधा संबंध हमारे शरीर में मौजूद ऑक्सीजन के स्तर से है। सरल शब्दों में कहें तो—जहां ऑक्सीजन कम होती है, वहां शरीर में 'नया अंग बनाने' की प्रक्रिया सक्रिय हो सकती है, जबकि ज्यादा ऑक्सीजन इस प्रक्रिया को रोक देती है।

वैज्ञानिकों ने अपने प्रयोगों में मेंढक के टैडपोल और चूहों के भ्रूण का उपयोग किया। टैडपोल ऐसे जीव हैं जो अपने अंगों को दोबारा विकसित करने में सक्षम होते हैं, जबकि चूहे और उसी तरह इंसान इस क्षमता से वंचित हैं। जब इन जीवों के टिशू (ऊतक) को अलग-अलग ऑक्सीजन स्तर पर रखा गया, तो चौंकाने वाले नतीजे सामने आए।

कम ऑक्सीजन वाले माहौल में कोशिकाएं तेजी से सक्रिय हो गईं और घाव भरने के साथ-साथ नए ऊतक बनाने लगीं। इस प्रक्रिया में एक खास प्रोटीन—एचआईएफ1ए—की महत्वपूर्ण भूमिका पाई गई। यह प्रोटीन कम ऑक्सीजन की स्थिति में 'स्विच ऑन' होकर शरीर को मरम्मत से आगे बढ़ाकर रीजेनरेशन मोड में ले जाता है।

इसके विपरीत, जब ऑक्सीजन का स्तर ज्यादा था, तो कोशिकाएं जल्दी-जल्दी घाव को भरने के लिए 'स्कार' यानी दाग बना देती हैं। यही कारण है कि इंसानों में कटे हुए अंगों की जगह सिर्फ निशान बन जाता है, नया अंग नहीं उगता।

इस शोध का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि यह संकेत देता है कि इंसानों के भीतर भी कहीं न कहीं रीजेनरेशन की क्षमता मौजूद हो सकती है, लेकिन हमारी जैविक प्रणाली उसे सक्रिय नहीं होने देती। यानी समस्या क्षमता की कमी नहीं, बल्कि उसे 'चालू' करने के तरीके की है।

अगर भविष्य में वैज्ञानिक इस ऑक्सीजन-सेंसिंग सिस्टम को नियंत्रित करना सीख जाते हैं, तो चिकित्सा विज्ञान में क्रांतिकारी बदलाव संभव हैं।

पंडित किशन महाराज: जब वचन निभाने के लिए ठुकरा दिया था अमेरिका का ऑफर

नई दिल्ली। 9 अप्रैल सिर्फ एक तारीख नहीं है। यह वो दिन है जो भारतीय शास्त्रीय संगीत के इतिहास में एक खालीपन छोड़ गया। इसी दिन 2008 में भारत के महान तबला वादक पंडित किशन महाराज ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। 84 साल की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली, लेकिन उनकी धुन, उनकी थाप और उनका समर्पण आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है।

उनकी पहचान सिर्फ एक कलाकार की नहीं थी, बल्कि एक ऐसे साधक की थी जिसने अपने जीवन को संगीत के नाम कर दिया था। बनारस घराने की यह शख्सियत आज भी तबला प्रेमियों के लिए एक आदर्श मानी जाती है।

पंडित किशन महाराज का जन्म 3 सितंबर 1923 को बनारस (वर्तमान वाराणसी) के कबीर चौरा इलाके में एक संगीत परिवार में हुआ था। उनके पिता हरि महाराज और माता अंजोरा देवी थीं। संगीत उनके खून में था, लेकिन जीवन ने उन्हें बहुत जल्दी कठिनाइयों से भी मिला दिया। महज छह साल की उम्र में ही उनके पिता का निधन हो गया था।

इसके बाद उनका पालन-पोषण उनके चाचा कंठे महाराज ने किया, जो खुद भी तबला वादन के बड़े नाम थे। वहीं से किशन महाराज को संगीत की पहली औपचारिक शिक्षा मिली। बचपन से ही उनकी उंगलियों में ऐसा जादू था कि लोग उन्हें देखकर ही समझ जाते थे कि यह बच्चा आगे चलकर कुछ बड़ा करेगा।

धीरे-धीरे किशन महाराज ने तबला वादन में अपनी अलग पहचान बनानी शुरू कर दी। बनारस घराने की परंपरा के अनुसार उन्होंने गहराई, ताल और लय पर विशेष काम किया। उनकी शैली को 'गंभीर शैली' कहा जाता था, जिसमें बाएं हाथ के उपयोग पर खास जोर दिया जाता था।उनकी उंगलियों की थाप में एक अलग ही ताकत थी। वह सिर्फ संगत करने वाले कलाकार नहीं थे, बल्कि खुद एक पूरे कार्यक्रम को दिशा देने की क्षमता रखते थे। उन्होंने भारत के लगभग हर बड़े शास्त्रीय कलाकार के साथ मंच साझा किया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारतीय संगीत की पहचान को मजबूत किया।

उनकी कला सिर्फ तकनीक नहीं थी, बल्कि भावनाओं से जुड़ी हुई थी। जब वे तबला बजाते थे तो ऐसा लगता था जैसे हर ताल अपने आप बोल रही हो।

किशन महाराज का जीवन आसान नहीं था। उन्होंने बहुत छोटी उम्र से ही संघर्ष देखा, लेकिन संगीत से कभी दूरी नहीं बनाई। उनकी सबसे बड़ी खासियत यह थी कि उन्होंने संगीत को सिर्फ पेशा नहीं, बल्कि जीवन का धर्म माना।

उनकी जर्नी में कई ऐसे किस्से हैं जो आज भी लोगों को प्रेरित करते हैं। एक बार उन्होंने अपने ही परिवार की शादी की दावत छोड़ दी, क्योंकि उन्हें उसी समय एक संगीत कार्यक्रम में जाना था। जब परिवार ने उनसे पूछा, तो उन्होंने कहा था कि 'तबला मेरा जीवन है, मैं इसे नहीं छोड़ सकता।'

इसी तरह एक और घटना में उन्होंने अमेरिका का बड़ा कार्यक्रम ऑफर ठुकरा दिया था, क्योंकि उन्होंने पहले किसी को वचन दिया था। उनके लिए वचन तोड़ना असंभव था।

11वीं सदी में हुआ था इस सीढ़ीदार कुएं का निर्माण, उल्टे मंदिर जैसा दिखता है जल वास्तुकला का बेमिसाल प्रमाण, सौ के नोटों पर भी अंकित

पाटन। भारत एक ऐसा देश है, जिसके कोने-कोने में खूबसूरती है, वह प्रकृति की हो या मानव रचित सभी बेमिसाल हैं। बात प्राचीन वास्तुकला की हो तो उसके लिए दुनिया भर में मशहूर है। गुजरात राज्य में भी एक ऐसी अनोखी धरोहर है, जो सीढ़ीदार कुएं सा दिखता है और इसका निर्माण 11वीं सदी में हुआ था। यह सीढ़ीदार कुआं उल्टे मंदिर जैसा दिखता है और जल वास्तुकला का बेमिसाल नमूना है। यह इतना खास है कि भारतीय 100 रुपए के नोट पर भी इसकी तस्वीर अंकित है।

इन जगहों पर घूमने और दर्शन करने मात्र से तन-मन दोनों रिफ्रेश हो जाता है। खास बात है कि ये न केवल खूबसूरत बल्कि इसकी बनावट आज सालों बाद भी देखने वालों को हैरत में डालती है। गुजरात के पाटन में स्थित रानी-की-वाव ऐसी ही एक अनोखी धरोहर है, जो 11वीं सदी में बनी हुई है। यह सीढ़ीदार कुआं उल्टे मंदिर जैसा दिखता है। रानी उदयमति द्वारा बनवाया गया यह भव्य वाव 500 से अधिक मूर्तियों और हजारों नक्काशियों से सजा हुआ है। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित यह रानी-की-वाव आज भी अपनी भव्यता और कलात्मकता से पर्यटकों को आकर्षित करता है।

गुजरात के पाटन में स्थित रानी-की-वाव न सिर्फ इंजीनियरिंग और कला का अद्भुत मेल है बल्कि जल की पवित्रता को दर्शाने वाला एक जीवंत प्रमाण भी है। इतना खास है कि भारतीय सौ रुपए के नोट पर भी रानी-की-वाव की तस्वीर अंकित की गई है।

गुजरात पर्यटन विभाग के अनुसार, रानी-की-वाव का निर्माण वर्ष 1063 ईस्वी में सोलंकी वंश के राजा भीमदेव प्रथम की स्मृति में उनकी पत्नी रानी उदयमति ने करवाया था। रानी उदयमति जूनागढ़ के चूड़ासमा शासक रा खेंगार की पुत्री थीं। यह भव्य बावड़ी सरस्वती नदी के किनारे बनी हुई है। यह कुआं सात मंजिलों तक ऊपर नहीं बल्कि नीचे जाता है और मारू-गुर्जरा वास्तुकला शैली का शानदार उदाहरण है। इसमें 500 से अधिक बड़ी मूर्तियां और 1,000 से ज्यादा छोटी नक्काशीदार आकृतियां हैं। इनमें देवी-देवता, पौराणिक कथाएं और उस काल के दैनिक जीवन के दृश्य दर्शाए गए हैं।

चौथा स्तर सबसे गहरा है, जो 23 मीटर की गहराई पर बने 9.5 गुणे 9.4 मीटर के आयताकार तालाब तक पहुंचता है। कुएं में 10 मीटर व्यास और 30 मीटर गहराई का एक शाफ्ट भी है। रानी-की-वाव को उल्टे मंदिर के रूप में डिजाइन किया गया है, जो जल की पवित्रता पर विशेष जोर देता है। प्राचीन काल में भूमिगत जल संरक्षण की यह अनोखी शैली काफी प्राचीन समय से चली आ रही है। समय के साथ साधारण गड्ढों से निकलकर ये बावड़ियां भव्य कलात्मक संरचनाओं में बदल गईं।

रानी-की-वाव इसमें चरम उत्कृष्टता का उदाहरण है। भरे और खाली स्थानों का सुंदर अनुपात, मूर्तियों की बारीकी और समतल जमीन से अचानक नीचे उतरने वाली संरचना इसे देखने वाले को मंत्रमुग्ध कर देती है। साल 2014 में यूनेस्को ने रानी-की-वाव को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया।

साल 2016 में इसे भारत का 'सबसे स्वच्छ प्रतिष्ठित स्थल' का खिताब भी मिला, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। यह राष्ट्रीय महत्व का स्मारक है और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित है।

सूंघने की क्षमता में गिरावट भी अल्जाइमर्स का शुरुआती संकेत

नई दिल्ली। अल्जाइमर एक ऐसी अवस्था है जिसमें ढलती उम्र के साथ याददाश्त कमजोर होती चली जाती है। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, अल्जाइमर डिमेंशिया (मस्तिष्क क्षीणता) का एक प्रकार है। इसमें याददाश्त के साथ-साथ सोचने-समझने, निर्णय लेने, और पहचानने व बोलने और समझने की क्षमता में गिरावट आती है। कुछ ऐसे लक्षण होते हैं जिन पर गौर किया जाए तो इसको काबू में किया जा सकता है। इसमें से एक सूंघने की क्षमता भी है।

एक नए शोध में संकेत मिला है कि सूंघने की क्षमता में कमी अल्जाइमर्स के शुरुआती संकेत हो सकते हैं, जो याददाश्त में गिरावट के स्पष्ट लक्षणों से पहले ही दिखाई दे सकती है।

यह निष्कर्ष प्रतिष्ठित जर्नल नेचर कम्युनिकेशन्स में प्रकाशित हुआ है, जिसमें बताया गया कि दिमाग में होने वाले शुरुआती बदलाव इंद्रियों, विशेष रूप से सूंघने की क्षमता पर असर डालते हैं।

जर्मनी के डीजेडएनई और लुडविंग-मैक्सिमिलियंस-यूनिवर्सिटी म्यूनिख के वैज्ञानिकों ने पाया कि दिमाग की प्रतिरक्षा प्रणाली इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। शोध के अनुसार, माइक्रोग्लिया नामक प्रतिरक्षा कोशिकाएं गलती से उन तंत्रिका रेशों पर हमला कर सकती हैं, जो सूंघने की क्षमता के लिए जरूरी होते हैं।

अध्ययन में बताया गया कि सूंघने से जुड़ी समस्या तब उत्पन्न होती है, जब दिमाग के दो अहम हिस्सों के बीच संचार बाधित हो जाता है। इनमें ओलफैक्ट्री बल्ब, जो नाक से आने वाले गंध संकेतों को प्रोसेस करता है, और लोकस कोरुलियस शामिल हैं, जो इस प्रक्रिया को तंत्रिका कनेक्शनों के जरिए नियंत्रित करता है।

वैज्ञानिकों के अनुसार, जब माइक्रोग्लिया इन दोनों हिस्सों के बीच संपर्क को प्रभावित करती हैं, तो गंध पहचानने की क्षमता कमजोर पड़ने लगती है। यही बदलाव आगे चलकर अल्जाइमर के अन्य लक्षणों का संकेत बन सकते हैं।

इस अध्ययन में चूहों और इंसानों, दोनों पर आधारित साक्ष्य शामिल किए गए। शोधकर्ताओं ने दिमाग के ऊतकों के विश्लेषण और पीईटी स्कैनिंग के जरिए यह समझने की कोशिश की कि बीमारी के शुरुआती चरणों में ये परिवर्तन कैसे होते हैं।विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सूंघने की क्षमता में कमी को समय रहते पहचाना जाए।

जब सेट पर सुनील दत्त को पहचान न सकीं 'मदर इंडिया', मेकअप आर्टिस्ट को भेंट कर दी थी कीमती घड़ी

नई दिल्ली। एक चुलबुली, शोख और वो खूबसूरत अभिनेत्री जिसने कई दशक तक दर्शकों के दिलों पर राज किया। आज भारतीय सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री नरगिस दत्त की पुण्यतिथि है। 3 मई 1981 को मात्र 51 साल की उम्र में उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया था। उनका जीवन रोमांच, संघर्ष, प्रेम और समर्पण से भरा रहा लेकिन एक दिलचस्प किस्सा आज भी फिल्मी दुनिया में चर्चित है। जब वह अपने सामने खड़े सुनील दत्त को पहचान तक न सकी थीं।

फिल्म 'हमराज' की शूटिंग के दौरान नरगिस सुनील दत्त को पहचान ही नहीं पाईं और मेकअप आर्टिस्ट को अपनी कीमती घड़ी भेंट कर दी। नरगिस का असली नाम रशीद फातिमा था। उनका जन्म 1 जून 1929 को कोलकाता में हुआ था। बचपन से ही अभिनय की दुनिया में सक्रिय रहीं नरगिस को महबूब खान की फिल्म 'मदर इंडिया' से अपनी असली पहचान मिली। फिल्म की शूटिंग के दौरान आग के दृश्य में सुनील दत्त ने उनकी जान बचाई, जिसके बाद दोनों का प्रेम बढ़ा और 11 मार्च 1958 को उन्होंने शादी कर ली।

शादी के बाद भी नरगिस और सुनील दत्त का साथ फिल्मी और पारिवारिक जीवन में जारी रहा। उनके तीन बच्चे संजय दत्त, नम्रता और प्रिया हुए। दोनों एक साथ ज्यादा फिल्मों में नहीं दिखे लेकिन 1964 में आई फिल्म 'यादें' में उन्होंने साथ काम किया।

सुनील दत्त और नरगिस से जुड़ा सेट का एक अनोखा व मजेदार किस्सा है। फिल्म 'हमराज' की शूटिंग चल रही थी। सुनील दत्त को एक सौ दस वर्षीय बूढ़े का किरदार निभाना था। मेकअप आर्टिस्ट पंडरी सुकर ने उनका ऐसा शानदार मेकअप किया कि वे पूरी तरह बूढ़े बाबा जैसे लग रहे थे। नरगिस सेट पर सुनील दत्त से मिलने आईं। उन्होंने चारों तरफ देखा और स्टाफ से पूछने लगीं, 'दत्त साहब कहां हैं?' सुनील दत्त वहीं खड़े थे लेकिन नरगिस उन्हें बिल्कुल नहीं पहचान पाईं। उन्होंने उसी बूढ़े बाबा से भी पूछा कि दत्त साहब कहां हैं? बूढ़े बाबा ने मजे लेते हुए कहा कि वे तो सेट पर आए ही नहीं हैं।

नरगिस सेट पर काफी देर तक सुनील दत्त का इंतजार करती रहीं। करीब दो घंटे बाद मेकअप आर्टिस्ट पंडरी दादा ने उन्हें सच्चाई बताई कि जिस बूढ़े बाबा से आप बात कर रही थीं, वही सुनील दत्त हैं। नरगिस इस अद्भुत मेकअप को देखकर दंग रह गईं। उन्होंने मेकअप आर्टिस्ट पंडरी सुकर की सराहना की और अपनी कीमती घड़ी उन्हें भेंट कर दी। नरगिस न सिर्फ बेहतरीन अभिनेत्री बल्कि समाजसेवी भी थीं। उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया और राज्यसभा की सदस्य भी चुना गया था। 'मदर इंडिया' के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड और 'रात और दिन' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। कार्लोवी वैरी अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में भी उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का पुरस्कार मिला। शादी के बाद उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली और परिवार व समाजसेवा में समय दिया।

‘वेधा’ जुनूनी और महत्वाकांक्षी किरदार, टीवी से ओटीटी तक का सफर रोमांचक : निधि शाह

मुंबई। टीवी शो ‘अनुपमा’ में किंजल का किरदार निभाकर लोकप्रिय हुईं अभिनेत्री निधि शाह अब डिजिटल दुनिया में कदम रखने को तैयार हैं। अपनी अपकमिंग ओटीटी सीरीज में वह ‘वेधा’ के किरदार में नजर आएंगी, जिसे लेकर उत्साहित निधि ने बताया कि यह बेहद खास है। निधि ने कहा कि कुछ नया आजमाने और अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में उन्हें खूब मजा आया। निधि शाह ने अपने नए किरदार वेधा की तारीफ करते हुए बताया, ‘वेधा बहुत जुनूनी और महत्वाकांक्षी है। वह ऐसी दुनिया में रहती है, जहां ताकत और जिंदा रहना बहुत मायने रखता है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि वह अपनी पहचान बनाए रखते हुए इन चुनौतियों से कैसे निपटती है।‘

निधि के लिए यह डिजिटल डेब्यू काफी रोमांचक और चुनौतीपूर्ण रहा। उन्होंने बताया, ‘डिजिटल स्पेस में यह मेरा पहला कदम है। एक्टिंग और कहानी कहने का तरीका टीवी से काफी अलग है। मुझे सच में कुछ नया आजमाने और अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में बहुत मजा आया।‘

अभिनेत्री ने आगे कहा कि दर्शकों ने उन्हें किंजल के रूप में बहुत प्यार दिया, जिसके लिए वह शुक्रगुजार हैं। लेकिन वेधा बिल्कुल अलग किरदार है। ‘वह मजबूत, कई परतों वाली और उसकी कहानी बहुत अलग है। एक एक्टर के तौर पर मैं खुद का नया पहलू आजमाना चाहती थी।‘

निधि ने टीवी और ओटीटी के काम के तरीके में अंतर भी बताया। निधि के अनुसार, टीवी पर शेड्यूल बहुत तेज होता है जबकि ओटीटी में कलाकारों को थोड़ा धीमा होकर बारीकियों पर ध्यान देने का मौका मिलता है। कहानी कहने का तरीका ज्यादा सूक्ष्म और असली जैसा है, जिसका मैंने पूरा मजा लिया। यह अब तक का सबसे अलग किरदार रहा। बता दें, रुपाली गांगुली के टीवी शो ‘अनुपमा’ में निधि शाह ने किंजल का रोल निभाया है। यह शो रूपाली गांगुली के लीड रोल वाली बेहद लोकप्रिय सीरीज है, जो बंगाली शो ‘श्रीमयी’ का रीमेक है। निधि के किरदार किंजल को दर्शकों का खूब प्यार मिला।

‘कृष्णावतारम’ मूवी रिव्यू: दर्शकों को आध्यात्मिक और भावनात्मक अनुभव से जोड़ती है फिल्म, सत्यभामा की नजर से दिखाई गई कहानी

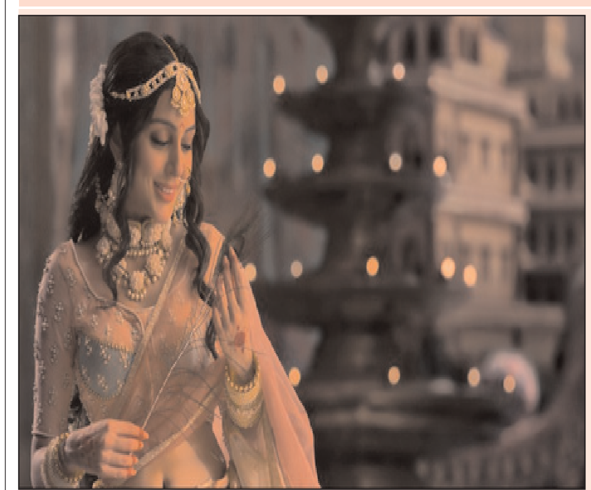

'कृष्णावतारम्' फिल्म दर्शकों को एक गहरे आध्यात्मिक और भावनात्मक अनुभव से जोड़ती है। यह फिल्म भगवान कृष्ण के जीवन और उनकी दिव्य लीलाओं को एक नए अंदाज में प्रस्तुत करती है, जिससे दर्शकों को कृष्ण के संसार को एक अलग नजरिए से समझने का मौका मिलता है। फिल्म का हर दृश्य भव्यता और आस्था से भरा हुआ है, जो दर्शकों को शुरू से अंत तक बांधे रखता है।

फिल्म की सबसे बड़ी खासियत इसकी कहानी कहने की शैली है, जिसमें पूरी कथा को सत्यभामा के नजरिए से दिखाया गया है। यह दृष्टिकोण फिल्म को एक नया आयाम देता है, क्योंकि अक्सर कृष्ण से जुड़ी कहानियों में अन्य पात्रों की भावनाओं और अनुभवों पर इतना ध्यान नहीं दिया जाता, लेकिन इस फिल्म में सत्यभामा को केंद्र में रखकर यह दिखाया गया है कि उनके जीवन में कृष्ण की क्या भूमिका रही और उन्होंने कृष्ण को किस तरह देखा और महसूस किया।

अभिनय की बात करें तो फिल्म में कई नए कलाकारों को मौका दिया गया है, जिन्होंने अपने किरदारों को पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ निभाया है। सिद्धार्थ गुप्ता ने भगवान कृष्ण का किरदार दिव्यता और सरलता दोनों के संतुलन को बरकरार रखते हुए निभाया है। वहीं संस्कृति जयना ने सत्यभामा के किरदार में मजबूती और भावनात्मक गहराई दोनों को बेहतरीन तरीके से दिखाया है। उनका अभिनय इस फिल्म की भावनात्मक रीढ़ की तरह काम करता है।

इसके अलावा, राधा के रूप में सुष्मिता भट्ट और रुक्मिणी के रूप में निव्याशिनी कृष्णन ने भी अपने-अपने रोल में अच्छा प्रभाव छोड़ा है। फिल्म में जैकी श्रॉफ की छोटी, लेकिन प्रभावशाली उपस्थिति भी दर्शकों को प्रभावित करती है और कहानी में एक अलग गंभीरता जोड़ती है।

फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी हार्दिक गज्जर ने संभाली है और उन्होंने इस प्रोजेक्ट में अपनी स्पष्ट सोच और गहरी समझ को शानदार तरीके से दिखाया है। उन्होंने भगवान कृष्ण के जीवन के उन पहलुओं को भी सामने लाने की कोशिश की है, जो आमतौर पर फिल्मों में कम देखने को मिलते हैं। हर सीन में रिसर्च और तैयारी साफ नजर आती है, जिससे फिल्म में मनोरंजन के साथ-साथ ज्ञान और भावनाओं का मिश्रण भी देखने को मिलता है। कहानी की गति को भी संतुलित रखा गया है ताकि दर्शक जुड़ाव महसूस करते रहें और कहीं भी फिल्म बोझिल न लगे।

शो के जरिए महिलाओं को ओवेरियन कैंसर के लिए जागरूक करते नजर आए राजीव खंडेलवाल, मां का जिक्र कर हुए भावुक

मुंबई। रियलिटी शो ‘तुम हो ना’ के अपकमिंग एपिसोड के प्रोमो में अभिनेता और होस्ट राजीव खंडेलवाल अपनी मां के ओवेरियन कैंसर के शुरुआती लक्षणों को समय पर न समझ पाने पर गहरे अफसोस और खुद को दोषी मानते नजर आए।

इस दौरान उन्होंने बेहद भावुक अंदाज में अपनी बात रखी और देश की महिलाओं से स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की अपील की। साथ ही उन्होंने कहा कि इसे लेकर लापरवाही न करें।

शो के एक दिल छू लेने वाले पल में राजीव खंडेलवाल ने कहा, ‘मैं काफी हद तक खुद को गुनहगार समझता हूं, क्योंकि मम्मी को जो लक्षण हुए थे, तब मैं समझ नहीं पाया। उन्होंने आगे कहा कि यह शो भारत की सारी महिलाओं को समर्पित है। साथ ही महिलाओं से खास अपील करते हुए कहा, ‘अगर आपको पीठ दर्द की समस्या हो, भूख कम लगे, पेट में सूजन हो, गैस की शिकायत हो और ये लक्षण लंबे समय तक बने रहें, तो कृपया तुरंत डॉक्टर से जांच करवाएं।’ उन्होंने जोर देकर कहा कि ओवेरियन कैंसर को समय रहते कंट्रोल किया जा सकता है।

उन्होंने भावुक होते हुए आगे कहा, ‘मैं अपनी मम्मी का नहीं कर पाया लेकिन आप अपने आसपास की महिलाओं के लिए जरूर सोच सकते हैं और उन्हें जागरूक बना सकते हैं। राजीव खंडेलवाल की मां का साल 2018 में ओवेरियन कैंसर से डेढ़ साल की लंबी लड़ाई के बाद निधन हो गया था।

नोरा फतेही ने महिला आयोग के सामने मांगी माफी, अनाथ बच्चियों की शिक्षा का उठाया जिम्मा

नई दिल्ली। कन्नड़ फिल्म ‘केडी द डेविल’ के गाने ‘सरके चुनर’ में अपनी परफॉर्मेंस को लेकर विवादों में घिरीं अभिनेत्री नोरा फतेही गुरुवार को राष्ट्रीय महिला आयोग के सामने पेश हुईं। आयोग के समक्ष अभिनेत्री ने अपनी बात रखते हुए न केवल गलती स्वीकार की बल्कि भविष्य के लिए एक बड़ा फैसला भी लिया। नोरा ने राष्ट्रीय महिला आयोग के बाहर मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बताया कि उनका उद्देश्य किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना या महिलाओं की छवि को गलत तरीके से पेश करना नहीं था।

नोरा ने कहा, ‘मैं अपने किए पर माफी मांगती हूं, मेरा उद्देश्य किसी की भी भावना को ठेस पहुंचाना नहीं था। मैं बस एक ऐसी स्थिति में फंस गई थी, जहां चीजें विवादित हो गईं। एक कलाकार होने के नाते मुझे जिम्मेदार होना चाहिए, इसलिए मैं तहे दिल से माफी मांगती हूं।‘

उन्होंने महिला आयोग के सदस्यों का आभार जताते हुए कहा कि आयोग ने उनकी बात को बहुत ही दयालुता और संवेदनशीलता के साथ सुना। नोरा ने कहा, ‘हमारी बहुत अच्छी बातचीत हुई है, सारी बातें लिखित में पूरी कर ली है। अब हमने फैसला किया है कि हमें समाज के लिए भी कुछ अच्छा करना चाहिए। इसी सोच के साथ हमने कुछ अनाथ लड़कियों की पढ़ाई का खर्च उठाने का निर्णय लिया है। धन्यवाद।‘

इससे पहले इसी मामले में संजय दत्त भी 27 अप्रैल को महिला आयोग के सामने पेश हुए थे। सुनवाई के दौरान संजय दत्त ने भी आयोग से माफी मांगी थी और सामाजिक कल्याण तथा महिला सशक्तीकरण की दिशा में कदम उठाते हुए 50 आदिवासी बच्चियों की पढ़ाई का खर्च उठाने का ऐलान किया था।

बता दें कि फिल्म के गाने ‘सरके चुनर’ के रिलीज होने के बाद से ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लोगों की भारी नाराजगी देखने को मिली थी। कई लोगों ने आरोप लगाया था कि इस तरह के गाने अश्लीलता को बढ़ावा देते हैं, जबकि कुछ लोगों ने कलाकारों की सामाजिक जिम्मेदारी पर सवाल खड़े किए थे। बढ़ते विवाद को देखते हुए आयोग ने नोरा फतेही को नोटिस भेजा और व्यक्तिगत रूप से मौजूद होकर सफाई देने के लिए कहा था।

अनुराग कश्यप की ‘बंदर’ का टीजर आउट, 70 के दशक वाले डिस्को स्वैग में दिखे बॉबी देओल

मुंबई। मशहूर निर्देशक अनुराग कश्यप और अभिनेता बॉबी देओल की बहुप्रतीक्षित फिल्म ‘बंदर’ का टीजर गुरुवार को रिलीज कर दिया गया है। इस फिल्म में अभिनता बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आएंगे। यह फिल्म डायरेक्टर अनुराग कश्यप के साथ बॉबी देओल का पहला कोलैबोरेशन है। वहीं एक्टर ने एक अलग तरह का रोल चुना है।

यह फिल्म समर नाम के एक डूबते हुए टीवी स्टार की कहानी है, जो सफलता के शिखर से गिरने के बाद यौन दुराचार के गंभीर आरोपों में घिर जाता है। इसके बाद शुरू होती है उसकी कानूनी और व्यक्तिगत उथल-पुथल की एक यात्रा। टीजर से स्पष्ट है कि फिल्म की कहानी जितनी सीधी दिख रही है, उससे कहीं अधिक उलझी हुई और गहरी है।

इस फिल्म में बॉबी का लुक और स्टाल दर्शकों का ध्यान खींचेगा। टीजर में अभिनेता 70 के दशक के डिस्को स्वैग में दिखाया गया है। मशहूर गाने ‘कम ऑन बेबी दिल किसको देगी’ के नए वर्जन पर बॉबी का स्वैग फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गया है। कश्यप के निर्देशन में बॉबी को इस तरह के डार्क कॉमेडी और थ्रिलर अवतार दर्शकों को काफी पसंद आएगा। अनुराग कश्यप का क्लासिक डायरेक्शन टीजर की हर झलक में साफ नजर आता है, जो धीरे-धीरे कहानी की तीव्रता (इंटेनसिटी) को बढ़ाता है।

अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित फिल्म में शानदार कलाकारों की टोली है। इसमें बॉबी देओल, सान्या मल्होत्रा, राज बी शेट्टी, सपना पब्बी, सबा आजाद, रिद्धि सेन, जितेंद्र जोशी, इंद्रजीत और नागेश भोंसले जैसे कलाकार शामिल हैं।

'बंदर' की पटकथा सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने लिखी है। यह जोड़ी पहले ‘पाताललोक,’, 'कोहरा,'' और ‘उड़ता पंजाब’ जैसी कल्ट फिल्में और सीरीज दे चुकी है। निखिल द्विवेदी की सैफ्रन मैजिकलवर्क्स द्वारा प्रोड्यूस्ड और जी स्टूडियोज के सहयोग से बनी यह फिल्म 5 जून 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पिता की याद में रुपाली गांगुली ने लगाया पेड़, लोगों से की पर्यावरण बचाने की अपील

मुंबई। टीवी की लोकप्रिय अभिनेत्री रुपाली गांगुली अभिनय के साथ-साथ सामाजिक मुद्दों पर भी खुलकर राय रखती हैं। पर्यावरण और प्रकृति को लेकर भी वह कई बार जागरूकता फैलाती नजर आई हैं। इसी बीच विश्व पर्यावरण दिवस से पहले रुपाली गांगुली ने एक खास पहल में हिस्सा लिया, जिसकी झलक उन्होंने इंस्टाग्राम पर वीडियो के जरिए साझा की। उन्होंने अपने दिवंगत पिता की याद में एक पेड़ लगाया और लोगों से भी धरती को बचाने और हरियाली बढ़ाने की अपील की।

रुपाली गांगुली ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह पेड़ लगाने के मुहिम में हिस्सा लेती नजर आईं। वीडियो की शुरुआत में अभिनेत्री अपनी कार से उतरती दिखाई देती हैं। इसके बाद वह पूरे उत्साह के साथ पौधा लगाने की प्रक्रिया में जुट जाती हैं। वीडियो में रुपाली कभी मिट्टी डालती नजर आती हैं, तो कभी लोगों की मदद करती दिखाई देती हैं।

फैंस` उनकी इस पहल की जमकर तारीफ की और कहा कि कलाकारों द्वारा ऐसे संदेश समाज पर अच्छा असर डालते हैं।

इस वीडियो के साथ रुपाली गांगुली ने एक लंबा कैप्शन भी लिखा, जिसके जरिए उन्होंने कहा, ‘ 'इस कैंपेन का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात थी। मुझे पेड़ लगाने का मौका मिला और विश्व पर्यावरण दिवस की शुरुआत का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा।

अपने पिता के नाम पर पेड़ लगाना इस पल को और ज्यादा भावुक और यादगार बना गया।''

रुपाली ने अपने पोस्ट में धरती और प्रकृति के महत्व पर भी बात की। उन्होंने कहा, ‘ 'इस धरती ने हमें जीवन की हर जरूरी चीज दी है और अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम इसकी देखभाल करें। मेरी लोगों से अपील है कि सभी को मिलकर दुनिया को ज्यादा हरा-भरा, स्वस्थ और जीवन से भरपूर बनाने की कोशिश करनी चाहिए। हर पेड़ महत्वपूर्ण होता है और हर छोटा कदम भी बड़ा बदलाव ला सकता है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने सूरीनाम के शीर्ष नेतृत्व से की बात, द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती पर दिया जोर

पारामारिबो। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर फिलहाल सूरीनाम दौरे पर हैं। सूरीनाम के दौरे पर विदेश मंत्री जयशंकर ने दोनों देशों के बीच आपसी संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए दक्षिण अमेरिकी देश के शीर्ष नेतृत्व और दूसरे अधिकारियों के साथ कई बार बातचीत की।

बुधवार (लोकल टाइम) को पारामारिबो पहुंचने पर विदेश मंत्री जयशंकर का उनके समकक्ष मेल्विन बौवा ने गर्मजोशी से स्वागत किया। बाद में दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय बातचीत की।

भारतीय अधिकारियों के साथ विदेश मंत्री ने फिर सूरीनाम के डेलिगेशन से मुलाकात की और पारामारिबो में 9वीं जॉइंट कमीशन मीटिंग के तहत द्विपक्षीय संबंधों की पूरी समीक्षा की।

बैठक के बाद विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 'हमने ट्रेड, डिजिटल और निवेश; रक्षा और ऊर्जा; विकास सहायता और कैपेसिटी बिल्डिंग; स्वास्थ्य और मोबिलिटी; और संस्कृति और लोगों के बीच लेन-देन पर बात की। मुझे यकीन है कि आज हमारी बातचीत के नतीजे हमारे संबंधों को और गहरा और अलग-अलग तरह का बनाएंगे।'

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने सूरीनाम की राष्ट्रपति जेनिफर गीरलिंग्स-साइमन्स से भी मुलाकात की और दोनों देशों के बीच हमेशा रहने वाली साझेदारी को बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता पर बात की। विदेश मंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, 'आज दोपहर सूरीनाम की राष्ट्रपति जेनिफर गीरलिंग्स-साइमन्स से मिलकर खुशी हुई। भारत की तरफ से सूरीनाम की सरकार और लोगों को दिल से शुभकामनाएं दीं। हमारे दोनों देश भारत-सूरीनाम के गहरे और लंबे समय से चले आ रहे संबंधों का पूरा पोटेंशियल हासिल करने के लिए कमिटेड हैं।'

विदेश मंत्री ने सूरीनाम के मैरिएनबर्ग में 'मॉन्यूमेंट फॉर द फॉलेन हीरोज' पर भी श्रद्धांजलि दी। यह 1902 में कॉलोनियलिज्म के खिलाफ लड़ाई के दौरान अपनी जान गंवाने वाले माइग्रेटेड इंडियन इंडेंटर्ड लेबरर्स (गिरमिटिया) की याद में है।

48 घंटों में ही ठप हुआ ट्रंप का प्रोजेक्ट फ्रीडम, होर्मुज में फंसे 1600 जहाज

सियोल। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में होर्मुज स्ट्रेट में फंसे जहाजों के ट्रांजिट के लिए प्रोजेक्ट फ्रीडम की शुरुआत की थी। हालांकि, अमेरिकी मीडिया ने बताया कि होर्मुज में 1600 के करीब जहाज फंसे हुए हैं और ट्रंप का प्रोजेक्ट फ्रीडम 48 घंटे तक ही टिक पाया।

अमेरिकी मीडिया सीएनएन के अनुसार, लगभग 1,600 जहाज अब भी होर्मुज स्ट्रेट के पास फंसे हुए हैं, शिपिंग कंपनियों को एक महंगी और जोखिम भरी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। वे दो महीने से ज्यादा समय से पानी के रास्ते से निकलने का मौका ढूंढ रही हैं।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का जहाजों को स्ट्रेट से गाइड करने का ऑपरेशन सिर्फ 48 घंटे चला। सिर्फ दो जहाजों को ही गाइड किया गया। अब, फिर से कंपनियां अकेले ट्रांजिट का रिस्क उठाने को तैयार नहीं हैं। जहाजों को जाने देने से कार्गो और स्टाफ दोनों को खतरा होगा। हाल ही में दक्षिण कोरिया के जहाज पर धमाके की जानकारी सामने आई थी, जिसे लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि ये हमला ईरान की तरफ से किया गया। हालांकि, ईरान की तरफ से अब इस मामले में आधिकारिक बयान सामने आया है। ईरान ने दक्षिण कोरिया के जहाज पर हमले से साफ इनकार कर दिया है। दक्षिण कोरिया में ईरानी दूतावास की तरफ से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया, 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान की दूतावास, होर्मुज स्ट्रेट में एक कोरियाई जहाज को नुकसान पहुंचाने वाली घटना में ईरान की सेना के शामिल होने के किसी भी आरोप को पूरी तरह से खारिज करती है और साफ तौर पर मना करती है। जब से अमेरिका और इजरायली सरकार ने ईरान के खिलाफ आक्रामक कार्रवाई की है, ईरान ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि होर्मुज स्ट्रेट हमलावरों और उनके समर्थकों का मुकाबला करने में उसकी सुरक्षा का एक जरूरी हिस्सा है।'

संक्षिप्त खबर

अमेरिकी सेना ने ईरानी झंडे वाले बिना माल वाले तेल टैंकर पर किया हमला

वाशिंगटन। ईरान और अमेरिका के बीच एक तरफ कूटनीतिक पहल जारी है, तो दूसरी तरफ हमले भी देखने को मिल रहे हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा की है कि अमेरिका की सेना ने ईरानी बंदरगाह की ओर जा रहे एक ईरानी झंडे वाले बिना माल वाले तेल टैंकर पर हमला करके उसे निष्क्रिय कर दिया। कमांड ने एक बयान में कहा कि यह हमला बुधवार को अमेरिकी ईस्टर्न टाइम के हिसाब से सुबह 9 बजे हुआ, जब टारगेट किया गया जहाज, हस्ना, ओमान की खाड़ी में एक ईरानी पोर्ट के रास्ते अंतरराष्ट्रीय पानी में जा रहा था।

बयान में कहा गया, 'जब हस्ना के क्रू ने बार-बार दी गई चेतावनी को नहीं माना, तो अमेरिकी सेना ने यूएसएस अब्राहम लिंकन (सीवीएन 72) से लॉन्च किए गए अमेरिकी नौसेना के एफ/ए-18 सुपर हॉर्नेट की 20एमएम कैनन गन से कई राउंड फायर करके टैंकर के रडर को नष्ट कर दिया।' इसमें आगे कहा गया कि हस्ना अब ईरान नहीं जा रहा है। कमांड ने कहा कि ईरानी पोर्ट में आने या जाने की कोशिश कर रहे जहाजों के खिलाफ अमेरिका की नाकाबंदी पूरी तरह से लागू है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, एक दिन पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर ऐलान किया कि उन्होंने पेंटागन के कमर्शियल जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से बाहर निकालने के मिशन को रोक दिया है, जबकि ईरानी पोर्ट्स पर अपनी नाकाबंदी पूरी ताकत और असर में जारी रखी है। इस बीच, ट्रंप ने दावा किया है कि लड़ाई के दौरान ईरान के मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, 'उनके पास 159 जहाजों वाली नेवी थी, और अब हर जहाज टुकड़े-टुकड़े हो गया है और पानी में डूबा हुआ है। अमेरिकी सेना के पास एक एयर फोर्स थी, बहुत सारे प्लेन थे और उनके पास कोई प्लेन नहीं है।'

उन्होंने आगे दावा किया कि ईरान के एंटी-एयरक्राफ्ट सिस्टम, रडार कैपेबिलिटी और मिसाइल स्टॉकपाइल 'ज्यादातर खत्म हो गए हैं।' अमेरिकी मीडिया सीएनएन ने सूत्रों के हवाले से बताया कि अमेरिका और ईरान एक छोटे मेमोरेंडम पर समझौते के करीब पहुंच रहे हैं, जिसका मकसद युद्ध खत्म करना है। उम्मीद है कि तेहरान मीडिएटर्स को अपना जवाब सौंप देगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इससे पहले कहा कि पिछले 24 घंटों में ईरान के साथ अमेरिका की बहुत अच्छी बातचीत हुई है। लेकिन उन्होंने यह भी धमकी दी कि अगर ईरान डील के लिए राजी नहीं होता है तो वह बमबारी फिर से शुरू कर देंगे। इस बीच ईरान में लोग एक बार फिर से सड़कों पर उतर आए हैं। बुधवार रात तेहरान में भीड़ जमा हुई, झंडे लहराए और देश के नेतृत्व के सपोर्ट में एक रैली के दौरान इजरायल मुर्दाबाद के नारे लगाए। सड़कों पर म्यूजिक और गाने गूंज रहे थे, ईरानी लोग फोन की लाइटें लहरा रहे थे, हवा में मुट्ठियां लहरा रहे थे और ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की तस्वीरें लिए हुए थे।

बांग्लादेश में बढ़ता इस्लामिक कट्टरपंथ सुरक्षा एजेंसियों के लिए बना चुनौती

ढाका। बांग्लादेश में इस्लामी कट्टरपंथ और उग्रवाद एक बार फिर गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है। हालिया रिपोर्ट्स के अनुसार, देश में सुरक्षा एजेंसियों को संभावित आतंकी हमलों के इनपुट मिले हैं, जिसके बाद राष्ट्रीय स्तर पर हाई अलर्ट जारी किया गया है। माना जा रहा है कि यह संकट पूर्व अंतरिम सरकार की कथित विफलताओं और सुरक्षा तंत्र की कमजोरी से जुड़ा हुआ है।

स्थानीय अखबार ढाका ट्रिब्यून में प्रकाशित एक संपादकीय के मुताबिक, पुलिस मुख्यालय ने संसद भवन, सुरक्षा प्रतिष्ठानों, धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक क्षेत्रों पर संभावित हमलों की आशंका जताई है। यह अलर्ट एक प्रतिबंधित चरमपंथी संगठन सदस्य की गिरफ्तारी के बाद जारी किया गया, जिसने दो बर्खास्त सैन्य अधिकारियों से संपर्क होने का दावा किया था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024 के जुलाई आंदोलन और उसके बाद शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के पतन के बाद देश की सुरक्षा व्यवस्था काफी कमजोर हो गई है । इस दौरान हिंसा, लूटपाट और जेलों से बड़े पैमाने पर कैदियों के फरार होने की घटनाएं सामने आईं। एक अनुमान के अनुसार इस दौरान 70 से अधिक कट्टरपंथी कैदी जेल से भाग निकले।

अंतरिम सरकार के दौरान कई अपराधियों और उग्रवादी संगठनों से जुड़े लोगों को जमानत मिली, इसका उल्लेख भी रिपोर्ट में किया गया है। इनमें 2013 में ब्लॉगर और शाहबाग आंदोलन के कार्यकर्ता राजीब हैदर की हत्या के आरोपी जशीमुद्दीन रहमानी की रिहाई को सबसे चिंताजनक बताया गया है।

इसके अलावा, 2009 में प्रतिबंधित संगठन हिज्ब उत-तहरीर बांग्लादेश ने भी फिर से सक्रियता दिखाई। संगठन ने इस्लामिक खिलाफत की मांग करते हुए प्रदर्शन किए, जिनमें कुछ युवाओं द्वारा आईएसआईएस का झंडा भी लहराया गया था।

रिपोर्ट में अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस के कार्यकाल पर सवाल उठाते हुए कहा गया कि उनके शासन में कट्टरपंथी तत्वों को खुलकर सक्रिय होने का मौका मिला। विश्लेषकों का मानना है कि बांग्लादेश में बढ़ती उग्रवादी गतिविधियां केवल देश के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशियाई क्षेत्र की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन सकती हैं।

पीएम नेतन्याहू बोले-हम किसी भी स्थिति के लिए तैयार, अमेरिका और इजरायल के लक्ष्य एक हैं

तेल अवीव। ईरान और अमेरिका के बीच लड़ाई खत्म करने के लिए दोनों तरफ से कूटनीतिक प्रयास किए जा रहे हैं। इस बीच दावा किया जा रहा था कि ईरान के साथ सुलह के लिए अमेरिका की ओर से उठाए जा रहे कदमों से इजरायल हैरत में है। हालांकि, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस तरह के सभी दावों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह पूरा सहयोग सुनिश्चित करने के लिए लगभग रोजाना अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संपर्क में हैं।

पीएम नेतन्याहू ने बुधवार (लोकल टाइम) को कहा, 'हम अमेरिका में अपने दोस्तों के साथ लगातार संपर्क में हैं। मैं राष्ट्रपति ट्रंप से लगभग रोज बात करता हूं। मेरे लोग और उनके लोग रोज बात करते हैं, आज भी।' उन्होंने आगे कहा कि आज रात बाद में ट्रंप के साथ उनकी फिर से फोन पर बात करने की योजना है। नेतन्याहू ने कहा कि ईरान से निपटने के लिए इजरायल हर स्थिति के लिए तैयार है। इजरायल और अमेरिका के लक्ष्य एक जैसे हैं, जिनमें सबसे जरूरी लक्ष्य ईरान से एनरिच्ड मटीरियल को हटाना है।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायली अधिकारियों ने ईरान पर फिर से हमले करने का समर्थन किया है और दावा किया है कि उसकी न्यूक्लियर क्षमता और बैलिस्टिक मिसाइल का स्टॉक अभी भी चिंता का विषय बना हुआ है। 'इससे पहले बुधवार को, ट्रंप ने एक नया अल्टीमेटम जारी किया, जिसमें ईरान से कहा गया कि वह युद्ध खत्म करने के लिए एक डील मान ले या फिर बमबारी की एक नई लहर का सामना करे जो पहले से कहीं ज्यादा लेवल और तेजी से होगी।'

होर्मुज संकट पर सक्रिय हुआ फ्रांस, राष्ट्रपति मैक्रों ने की ईरानी राष्ट्रपति से बात, स्ट्रेट को तत्काल खोलने का आग्रह

पेरिस। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के साथ बातचीत के बाद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सभी पक्षों से होर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी को बिना किसी देरी और बिना किसी शर्त के हटाने का आह्वान किया है।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'मैंने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से बात की है। मैंने बढ़ते तनाव पर अपनी गहरी चिंता जाहिर की और यूएई के नागरिक बुनियादी ढांचे व कई जहाजों पर किए गए अनुचित हमलों की निंदा की।' उन्होंने लिखा, 'सभी पक्षों को स्ट्रेट से बिना देरी और बिना किसी शर्त के हटा देना चाहिए। हमें स्थायी रूप से उस व्यवस्था को बहाल करना होगा, जिसमें संघर्ष से पहले नौवहन की पूर्ण स्वतंत्रता सुनिश्चित थी। फ्रांस और ब्रिटेन का बनाया बहुराष्ट्रीय मिशन जहाज मालिकों और बीमा कंपनियों के बीच भरोसा वापस लाने में मदद कर सकता है। यह मिशन स्वाभाविक रूप से युद्ध में शामिल पक्षों से अलग होगा। एयरक्राफ्ट कैरियर 'चार्ल्स डी गॉल' का आगे तैनात होना इस मामले में फिट बैठता है।' राष्ट्रपति मैक्रों ने पोस्ट किया, 'हाल की घटनाओं से ऐसे मिशन की उपयोगिता साफ तौर पर पता चलती है। मैंने ईरानी राष्ट्रपति से इस मौके का फायदा उठाने की गुजारिश की है और मैं इस मामले पर राष्ट्रपति ट्रंप से भी बातचीत करने वाला हूं।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में फंसे जहाजों की मदद करने को ईरान तैयार

तेहरान। पोर्ट्स एंड मेरीटाइम ऑर्गेनाइजेशन ने घोषणा की है कि देश के बंदरगाह होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे या गुजरने वाले जहाजों को हर प्रकार की सहायता देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सरकारी समाचार एजेंसी इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) के अनुसार, यह जानकारी खाड़ी क्षेत्र में संचालित वाणिज्यिक जहाजों के कप्तानों को जारी किए गए एक आधिकारिक संदेश में दी गई।

ईरान के समुद्री प्राधिकरण ने कहा कि क्षेत्र में बढ़ते तनाव और नौवहन संबंधी चुनौतियों को देखते हुए जहाजों को तकनीकी सहायता, ईंधन, चिकित्सा सेवाएं और आवश्यक रखरखाव सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। विशेष रूप से ईरानी जलक्षेत्र और बंदरगाहों से गुजरने वाले जहाज इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। अधिकारियों के मुताबिक, यह संदेश समुद्री संचार नेटवर्क और वीएचएफ (वेरी हाई फ्रीक्वेंसी) सिस्टम के जरिए लगातार तीन दिनों तक प्रतिदिन तीन बार प्रसारित किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक जहाजों तक सूचना पहुंच सके। ईरान का कहना है कि उसका उद्देश्य क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और व्यापारिक गतिविधियों को सुचारु बनाए रखना है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक माना जाता है। वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से होकर गुजरता है। ऐसे में यहां किसी भी प्रकार का तनाव या अवरोध अंतरराष्ट्रीय बाजारों और ऊर्जा आपूर्ति पर सीधा असर डाल सकता है।

मंगलवार देर शाम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ प्लेटफॉर्म पर ऐलान किया कि विभिन्न देशों के अनुरोध पर प्रोजेक्ट फ्रीडम को रोका जा रहा है। इसके बाद से ही दोनों पक्ष के रवैए में थोड़ी नरमी आई है।

ईरान की यह पहल क्षेत्रीय समुद्री गतिविधियों को स्थिर बनाए रखने की कोशिश के रूप में देखी जा रही है। हाल के दिनों में पश्चिम एशिया में बढ़े भू-राजनीतिक तनाव के बीच जहाजरानी कंपनियां भी सुरक्षा को लेकर सतर्क हैं। ईरान ने दोहराया है कि उसके बंदरगाह सभी आवश्यक मानवीय और तकनीकी सहायता देने के लिए तैयार हैं तथा समुद्री मार्गों को सुरक्षित और सक्रिय बनाए रखने के लिए हर संभव सहयोग किया जाएगा।

पोप मुझसे खुश हों या नहीं, ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं रहेंगे : ट्रंप

वाशिंगटन। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से कैथोलिक चर्च के सर्वोच्च गुरु पोप लियो और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच तीखी बयानबाजी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। दरअसल युद्ध पर गहरी चिंता जताते हुए पोप लियो ने इसे पूरी मानवता पर एक कलंक बताया था और तत्काल युद्धविराम की अपील की थी, लेकिन उनके इस बयान के बाद से वह ट्रंप की नजर में चढ़ गए।

ट्रंप ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि पोप तेहरान द्वारा परमाणु हथियार रखने की क्षमता का समर्थन कर रहे हैं, जबकि वॉशिंगटन इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा। इससे पहले मंगलवार को पोप लियो ने कहा था कि उन्होंने कभी परमाणु हथियारों का समर्थन नहीं किया और जो लोग उनकी आलोचना करते हैं उन्हें सच बोलना चाहिए। उन्होंने यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति के उस टिप्पणी के जवाब में कही, जिसमें उन पर ईरान युद्ध पर अपने रुख से बहुत सारे कैथोलिकों को खतरे में डालने का आरोप लगाया गया था।

बुधवार (स्थानीय समय) को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान जब राष्ट्रपति से पूछा गया कि विदेश सचिव मार्को रुबियो पोप से कल मिलने वाले हैं।

ऐसे में आप उन तक कौन सा संदेश पहुंचाने की उम्मीद रखते हैं। इसके जवाब में ट्रंप ने कहा कि उनका ईरान पर रुख स्पष्ट है। मैं पोप को खुश करूं या न करूं, ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते।

उन्होंने कहा कि पोप के बयानों से प्रतीत हुआ कि वह कह रहे थे कि ईरान परमाणु हथियार रख सकते हैं और मैं कहता हूं कि वे नहीं रख सकते।

टेक्सास के सांसदों ने ट्रंप प्रशासन से की एच-वन वीजा धोखाधड़ी की अंतर संघीय जांच की अपील

वाशिंगटन। टेक्सास के रिपब्लिकन सांसदों ने ट्रंप प्रशासन से उत्तर टेक्सास में एचवन बी वीजा धोखाधड़ी की अंतर-संघीय जांच शुरू करने की अपील की। उनका तर्क है कि इस कार्यक्रम का दुरुपयोग अमेरिकी कर्मचारियों को नुकसान पहुंचा रहा है और अमेरिकी आव्रजन प्रणाली पर विश्वास को कमजोर कर रहा है।

सांसदों ने यह अपील उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस, विदेश सचिव मार्को रुबियो, कार्यवाहक सचिव कीथ सॉन्डरलिंग और सचिव मुलिन को भेजे गए पत्र में की। टेक्सास की प्रतिनिधि बेथ वैन ड्यूने के नेतृत्व में यह पत्र लिखा गया किया। इस पर प्रतिनिधि पैट फेलन, रॉनी जैकसन और ब्रैंडन गिल ने भी हस्ताक्षर किए।

सांसदों का कहना है कि ये गतिविधियां डलास-फोर्ट वर्थ क्षेत्र के कॉलिन, डलास, डेंटन और टैरंट काउंटियों में केंद्रित हैं। उन्होंने लिखा, 'नॉर्थ टेक्सास में इन गतिविधियों का होना सिस्टम के स्थानीय स्तर पर गलत इस्तेमाल को लेकर और चिंताएं पैदा करता है। उत्तरी टेक्सास हमारे देश का एक बड़ा आर्थिक हब है।'

उन्होंने कहा, 'जब गलत लोग बड़े पैमाने पर वीजा के रास्तों में हेरफेर कर पाते हैं, तो इससे लोकल लेबर मार्केट बिगड़ जाते हैं, सैलरी कम हो जाती है और कानूनी इमिग्रेशन प्रोसेस में भरोसा कम हो जाता है। 'वैन ड्यूने ने कहा कि स्वतंत्र पत्रकारों की हाल की जांच ने उत्तर टेक्सास में एच वन बी वीजा कार्यक्रम के झूठे और घोर दुरुपयोग को उजागर किया है। उन्होंने कहा, 'मैं अपने उत्तर टेक्सास के सहयोगियों का धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने प्रशासन से तुरंत कार्रवाई की अपील में मेरा साथ दिया, ताकि हमारे आव्रजन कानूनों के इन गंभीर उल्लंघनों की जांच और मुकदमा चलाया जा सके।

नौशेरा में ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ के उपलक्ष्य में नशा मुक्ति अभियान चलाया गया

नौशेरा। जम्मू-कश्मीर के गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज नौशेरा ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सहयोग से 'ऑपरेशन सिंदूर' की पहली वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर नशा मुक्ति जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत जागरूकता और खेल गतिविधियों की एक श्रृंखला का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में जागरूकता के लिए एक पदयात्रा, एक मैत्रीपूर्ण वॉलीबॉल मैच और एक हथियार प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य युवाओं में फिटनेस, अनुशासन, देशभक्ति, नशा मुक्ति के खिलाफ जागरूकता और सुरक्षा बलों की भूमिका के प्रति समझ को बढ़ावा देना था। छात्रों, एनएसएस स्वयंसेवकों, एनसीसी कैडेटों, शिक्षकों, बीएसएफ कर्मियों और स्थानीय स्कूलों के छात्रों ने इन गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जागरूकता पदयात्रा का आयोजन मादक पदार्थों के सेवन के हानिकारक प्रभावों के बारे में लोगों को शिक्षित करने और युवाओं को स्वस्थ और सकारात्मक जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से किया गया था। प्रतिभागियों ने तख्तियां पकड़ीं और नारे लगाए जिनमें नशामुक्त समाज, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक जिम्मेदारी के महत्व पर प्रकाश डाला गया था। सीमा सुरक्षा बल द्वारा छात्रों को सुरक्षा बलों के उपकरणों और परिचालन तैयारियों से परिचित कराने के लिए एक हथियार प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी ने प्रतिभागियों के बीच काफी रुचि पैदा की और राष्ट्रीय सुरक्षा तथा सशस्त्र बलों की जिम्मेदारियों के बारे में एक जानकारीपूर्ण सत्र के रूप में कार्य किया।

खेल भावना, टीम वर्क और छात्रों एवं सुरक्षाकर्मियों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने के लिए गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज नौशेरा और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की टीमों के बीच एक मैत्रीपूर्ण वॉलीबॉल मैच का आयोजन किया गया। एक रोमांचक मुकाबले में गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज नौशेरा की टीम ने बीएसएफ टीम को सीधे सेटों में 2-0 से हरा दिया।

कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों द्वारा नशामुक्त जम्मू-कश्मीर के लक्ष्य की दिशा में सक्रिय योगदान देने की सामूहिक प्रतिज्ञा के साथ हुआ।

पश्चिम बंगाल की राजनीति में पहली बार चुनाव जीतने वाला पक्ष हिंसा का शिकार

नई दिल्ली। 'दम दम दवाई' (दम दम दवा) से लेकर 'शायस्ता कोरा' (सजा देना) या 'चोमके देओआ' (चौंकाना या डराना) तक, पश्चिम बंगाल की राजनीति ऐसे मुहावरों से भरी है जिनका मतलब दबदबे से लेकर बदले तक कुछ भी हो सकता है। लेकिन, ऐसा शायद पहली बार हुआ है कि चुनाव में जीत हासिल करने वाली पार्टी को बड़े पैमाने पर हिंसा का सामना करना पड़ रहा है।

कांग्रेस, वाम मोर्चा और तृणमूल कांग्रेस, इन सभी के शासनकाल में बंगाल की राजनीतिक हिंसा में बदलाव के बजाय निरंतरता ही अधिक देखने को मिली, जिसमें हिंसा का निशाना हमेशा हारे हुए पक्ष को ही बनाया गया।

'दम दम दवाई' शब्द का चिकित्सा उपचार या किसी दवा से कोई लेना-देना नहीं है। इसकी उत्पत्ति 1960 के दशक के 'खाद्य आंदोलन' से जुड़ी है, जब पश्चिम बंगाल में भोजन का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया था। यह बड़े पैमाने पर लोगों के लामबंद होने और हिंसा की घटनाओं से चिह्नित था, क्योंकि लोग सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में सुधार की मांग कर रहे थे।

लेफ्ट सरकार के दौरान भी यह लोकल मुद्दों के समाधान के लिए इस्तेमाल होता रहा। एक पॉलिटिकल शब्द के तौर पर इस्तेमाल होने पर, इसका मतलब था 'डायरेक्ट एक्शन' या उन लोगों के लिए कड़ी सजा जो सरकार पर सवाल उठाते थे या उसका विरोध करते थे।

चूंकि सत्ताधारी दल अक्सर स्थानीय जबरदस्ती करने वाले तंत्रों को विरासत में पा लेते थे, इसलिए अपराधियों ने अपनी निष्ठा उस प्रभावी शक्ति की ओर मोड़ ली। समय के साथ, कुछ स्ट्रक्चरल बातें एक जैसी रहीं, जैसे कैडर-बेस्ड टेरिटोरियल कंट्रोल, पॉलिटिकलाइज्ड लोकल एडमिनिस्ट्रेशन, और क्रिमिनल बिचौलियों का इस्तेमाल।

संक्षिप्त खबर

सीबीआई ने रिश्वत मामले में सीजीएसटी अधीक्षक को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए सीजीएसटी मेरठ के एक अधीक्षक और उसके कार्यालय में कार्यरत एक कंप्यूटर ऑपरेटर को रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई गुरुवार को की गई, जब सीबीआई ने जाल बिछाकर आरोपी कंप्यूटर ऑपरेटर को रंगे हाथों रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया। मामले में गिरफ्तार आरोपियों की पहचान संजय मीणा, अधीक्षक, सीजीएसटी कार्यालय रेंज-ढ्ढ, मेरठ और यश शर्मा, कंप्यूटर ऑपरेटर, के रूप में हुई है। सीबीआई सूत्रों के अनुसार, एजेंसी ने 6 मई यानी बुधवार को इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि उसे जारी किए गए 'कारण बताओ नोटिस' को रद्द कराने के एवज में आरोपी कंप्यूटर ऑपरेटर यश शर्मा ने 6,000 रुपये की अवैध रिश्वत की मांग की थी। शिकायत में यह भी कहा गया कि यह रिश्वत आरोपी अधीक्षक संजय मीणा की ओर से मांगी जा रही थी। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने मामले का सत्यापन किया और आरोपों की पुष्टि होने पर एक विशेष टीम का गठन कर जाल बिछाया। कार्रवाई के दौरान आरोपी कंप्यूटर ऑपरेटर को शिकायतकर्ता से रिश्वत की रकम मांगते और स्वीकार करते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया। जांच एजेंसी के मुताबिक, रिश्वत की यह राशि सीजीएसटी अधीक्षक की ओर से ली जा रही थी, जिसके बाद दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया।

यूपीः ललितपुर में चार युवकों की डूबने से मौत, अयोध्या में तीन लोग लापता

ललितपुर/अयोध्या। उत्तर प्रदेश के ललितपुर और अयोध्या में दो बड़ी घटनाएं हुई हैं। ललितपुर में नहर में नहाते समय डूबने से चार युवकों की मौत हो गई, जबकि अयोध्या स्थित सरयू नदी में तीन युवक डूब गए, जिनका अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है। ललितपुर की घटना उस समय घटी, जब नहर में नहा रहे एक युवक को बचाने के लिए कुछ और युवक उसमें कूदे। बताया गया है कि सभी युवक मध्य प्रदेश के वस्त्रावन गांव से शादी समारोह में आए हुए थे। फिर वे अपनी बहन के यहां हर्षपुर गांव पहुंचे थे,जहां वे नहर में नहाने के लिए निकले थे। एक युवक को बचाने के लिए एक-एक कर 5 युवक नहर में कूद गए, जिनमें से 4 युवकों की मौत हो गई है। घटना की जानकारी सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस और बचाव दल भी मौके पर पहुंचा। अभी एक युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। उसे फिलहाल, झांसी मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर किया गया है। दूसरी घटना अयोध्या के कोतवाली क्षेत्र में हुई। जानकारी सामने आई कि सरयू नदी में स्नान करते समय कुछ लोग डूब गए थे, जिनमें से तीन युवकों की मौत होने की आशंका है।

'ऑपरेशन सिंदूर' दुनिया के लिए स्पष्ट संदेश : चंद्रबाबू नायडू

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने गुरुवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' दुनिया के लिए एक स्पष्ट संदेश था कि भारत अपनी धरती पर होने वाले हमलों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगा और नागरिकों को नुकसान पहुंचाने वालों को करारा जवाब दिया जाएगा।

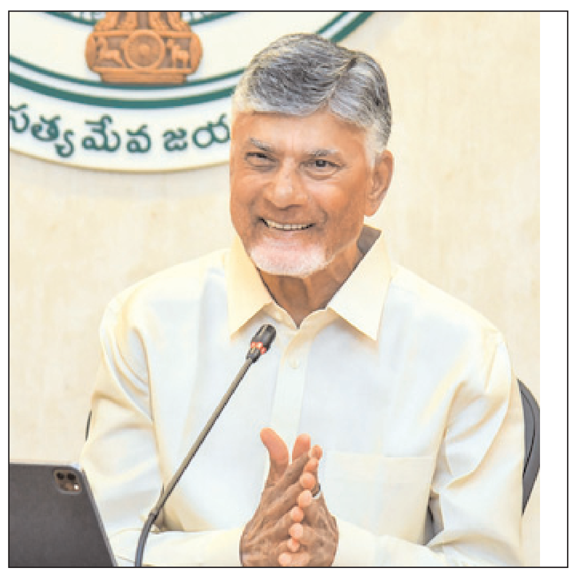

ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि यह अभियान भारत की रक्षा क्षमता और हर चुनौती का मुकाबला करने की ताकत को भी दर्शाता है।

उन्होंने लिखा, 'ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर मैं पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वालों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और भारतीय सशस्त्र बलों को उनके साहसिक और मुंहतोड़ जवाब के लिए सलाम करता हूं। जय हिंद।' आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस अब्दुल नजीर ने भी देश की सुरक्षा में लगे जवानों के साहस, शौर्य और अटूट प्रतिबद्धता को नमन किया। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर राष्ट्रीय गौरव, न्याय और अडिग संकल्प का प्रतीक है। यह जीत उन ताकतों के लिए चेतावनी है जो भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता को चुनौती देने का दुस्साहस करती हैं।' राज्य के शिक्षा एवं आईटी मंत्री नारा लोकेश ने कहा कि एक साल पहले ऑपरेशन सिंदूर ने भारत के संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा के प्रति अटल संकल्प को दुनिया के सामने रखा था। उन्होंने भारतीय सेना के साहस, सटीक कार्रवाई और निस्वार्थ सेवा को सलाम करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व की भी सराहना की। केंद्रीय कोयला एवं खनन मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ पर देश उन सैनिकों के अदम्य साहस और राष्ट्र के प्रति समर्पण को सम्मान देता है, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी मजबूती से देश की रक्षा की।

वहीं केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'जब ड्रोन घरों के ऊपर उड़ रहे थे, जब सीमावर्ती गांवों के बच्चे सायरनों की आवाज के बीच सो रहे थे, तब भारत झुका नहीं। ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि एक संदेश है कि अगर भारत पर हमला होगा तो भारत जवाब देगा।' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब भारत चुप रहने वाला देश नहीं है।

पुणेः युवक ने प्रेमिका का गला काटकर हत्या करने का प्रयास किया, आरोपी गिरफ्तार

पुणे। पुणे के चंदननगर इलाके से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक युवक ने अपने रिश्ते को लेकर हुए विवाद के बाद अपनी प्रेमिका का धारदार हथियार से गला काटकर हत्या करने का प्रयास किया। गंभीर रूप से घायल महिला पिछले नौ दिनों से आईसीयू में जिंदगी और मौत से जूझ रही है। पुलिस ने इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

यह घटना पुणे शहर के चंदननगर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले पथरेवस्ती इलाके में हुई। घायल महिला की पहचान 22 वर्षीय उजालादेवी जसवंतसिंह दोहरे के रूप में हुई है। मूल रूप से उत्तर प्रदेश की रहने वाली वह चंदननगर में अपने भाई के साथ रह रही थी।

पीड़िता पर जानलेवा हमले के बाद, उसके भाई भगतसिंह जसवंतसिंह दोहरे ने चंदननगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी दिलीप राठौड़ के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109 के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, आरोपी और पीड़िता पहले एक ही मॉल में साथ काम करते थे, जहां उनकी पहली मुलाकात हुई और धीरे-धीरे उनके बीच प्रेम संबंध विकसित हो गया। हालांकि, पिछले कुछ दिनों से दोनों के बीच विवाद चल रहा था, जिसके चलते लगातार झगड़े और कहा-सुनी हो रही थी।

घटना वाले दिन महिला घर पर अकेली थी क्योंकि उसका भाई और भाभी काम पर गए हुए थे। इसी दौरान आरोपी कथित तौर पर घर आया। कहा-सुनी के बाद उसने

सोहराबुद्दीन एनकाउंटरः बॉम्बे हाईकोर्ट ने 22 पुलिसकर्मियों के बरी होने के खिलाफ याचिका खारिज की

मुंबई। देश के सबसे चर्चित और विवादित एनकाउंटर मामलों में शामिल सोहराबुद्दीन शेख एनकाउंटर केस में 22 पुलिस अधिकारियों को बरी किए जाने के फैसले को चुनौती देते हुए दायर की गई याचिका को बॉम्बे हाईकोर्ट ने गुरुवार को खारिज कर दिया। बॉम्बे हाईकोर्ट की मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और जस्टिस गौतम अश्विन अनखड़ की डबल बेंच ने गुरुवार को खुली अदालत में यह फैसला सुनाया। यह अपील सोहराबुद्दीन शेख के भाइयों रुबाबुद्दीन और नयाबुद्दीन की तरफ से दायर की गई थी। उन्होंने सीबीआई की विशेष अदालत के उस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, जिसमें गुजरात और राजस्थान पुलिस के 22 अधिकारियों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया था। गौरतलब है कि यह मामला साल 2005 में सामने आया था, जब सोहराबुद्दीन शेख की गुजरात पुलिस द्वारा कथित फर्जी एनकाउंटर में हत्या कर दी गई थी। आरोप था कि गुजरात और राजस्थान पुलिस के कुछ अधिकारियों ने सोहराबुद्दीन और उसकी पत्नी कौसर बी का अपहरण किया गया था। बाद में सोहराबुद्दीन को एनकाउंटर में मार दिया गया और उसकी पत्नी कौसर बी का आज तक कोई पता नहीं चल पाया। वहीं, उसके सहयोगी तुलसीराम प्रजापति की भी एक साल बाद कथित एनकाउंटर में मौत हो गई थी।

सीएम रेवंत रेड्डी के काफिले के लिए नहीं रोका गया ट्रैफिक, आम वाहनों के बीच हुआ सफर

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के काफिले ने गुरुवार को हैदराबाद में सामान्य ट्रैफिक के बीच सफर किया। यह फैसला मुख्यमंत्री द्वारा एक दिन पहले पुलिस अधिकारियों को दिए गए उस निर्देश के बाद लागू हुआ, जिसमें उन्होंने कहा था कि उनके काफिले की आवाजाही के दौरान आम लोगों को रोका न जाए।

नई दिल्ली दौरे से लौटने के बाद मुख्यमंत्री का काफिला शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा से जुबली हिल्स स्थित उनके आवास तक सामान्य यातायात के बीच पहुंचा। इस दौरान ट्रैफिक पुलिस ने वाहनों को पूरी तरह रोकने के बजाय एक लेन में आवाजाही जारी रखी।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि वीआईपी मूवमेंट के नाम पर लोगों को परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि उनके काफिले की वजह से लोगों को लंबे समय तक सड़कों पर इंतजार नहीं करना चाहिए।

इस संबंध में तेलंगाना के डीजीपी सीवी आनंद ने बताया कि मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि राज्यभर में मुख्यमंत्री और अन्य वीआईपी के काफिलों के दौरान आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए।

बताया गया कि बुधवार को दिल्ली रवाना होते समय एयरपोर्ट के पास भारी ट्रैफिक जाम देखकर मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताई थी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों की लापरवाही पर कार्रवाई करने और यह सुनिश्चित करने को कहा कि काफिले की व्यवस्था के कारण सामान्य यातायात बाधित न हो।

डीजीपी कार्यालय के अनुसार मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि विपरीत दिशा से आने वाले वाहनों को अनावश्यक रूप से न रोका जाए और ट्रैफिक प्रबंधन इस तरह किया जाए जिससे जनता को कम से कम परेशानी हो। उन्होंने ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद डीजीपी आनंद ने राज्य के सभी कमिश्नरेट्स के लॉ एंड ऑर्डर और ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

सोमनाथ भारत की सनातन संस्कृति, आस्था और अदम्य आत्मबल का प्रतीकः सीएम पुष्कर सिंह धामी

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सोमनाथ भारत की सनातन संस्कृति, आस्था और अदम्य आत्मबल का जीवंत प्रतीक है। हजारों वर्षों के इतिहास और अनेक आक्रमणों के बावजूद सोमनाथ आज भी पूरे विश्व को यह संदेश देता है कि भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना की शक्ति अटूट एवं अमर है।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 8 से 11 मई के बीच सोमनाथ मंदिर परिसर में आयोजित होने जा रहा 'विरासत वर्ष के 75 वर्ष' कार्यक्रम केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्रीय गौरव और आध्यात्मिक विरासत का उत्सव है। यह आयोजन देश की समृद्ध परंपराओं और सनातन मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में हमारी आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण, संवर्धन और पुनरोद्धार के कार्य नई ऊर्जा और संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक, केदारनाथ एवं बद्रीनाथ सहित अनेक धार्मिक स्थलों का भव्य विकास भारत की सांस्कृतिक पुनर्जागरण यात्रा का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी अपनी जड़ों, परंपराओं और भारतीय सभ्यता के मूल्यों से जुड़ रही है। साथ ही देशवासियों में सांस्कृतिक एकता, राष्ट्रभक्ति और आध्यात्मिक चेतना को भी नई मजबूती मिल रही है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि सोमनाथ से जुड़ा यह विशेष आयोजन भारत की सनातन परंपरा और सांस्कृतिक गौरव को विश्व पटल पर और अधिक सशक्त रूप से स्थापित करेगा।

पंजाब में ईडी की छापेमारी के बाद सरकार पर हमलावर हुआ विपक्ष, लगाए गंभीर आरोप

चंडीगढ़। मोहाली और चंडीगढ़ में गुरुवार को बिल्डरों और उनके सहयोगियों से जुड़े कई ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी से पंजाब में एक नया सियासी तूफान खड़ा हो गया है। पंजाब के विपक्षी दलों ने आप सरकार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं।

वहीं, शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने भी मुख्यमंत्री भगवंत मान और 'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला बोला, और उन पर पंजाब में 'बड़े पैमाने पर लूट का सिस्टम' चलाने का आरोप लगाया।

मजीठिया ने आईएएनएस को बताया कि बहुत लंबे समय से भगवंत मान और केजरीवाल पंजाब में बड़े पैमाने पर लूट का अभियान चला रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार का पहला स्रोत भूमि अधिग्रहण और रियल एस्टेट परियोजनाओं से जुड़ा है। उन्होंने दावा किया कि ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी और पंजाब अर्बन प्लानिंग एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी के तहत आने वाली कीमती जमीनें किसानों से कम कीमतों पर अधिग्रहित की जाती हैं और फिर बड़े डेवलपर्स को सौंप दी जाती हैं। कथित तौर पर इन डेवलपर्स से किकबैक (कमीशन) लिया जाता है।

मजीठिया ने यह भी आरोप लगाया कि अवैध खनन और शराब का व्यापार कथित भ्रष्टाचार नेटवर्क के अन्य दो मुख्य स्तंभ हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब में बहुत बड़े पैमाने पर अवैध खनन हो रहा है। उनका तीसरा स्रोत शराब है। कथित तौर पर वे एक कुख्यात गैंगस्टर और कुछ व्यापारियों के साथ साझेदारी में हैं, जिनका इसमें हिस्सा है। एक हिस्सा उनके पास रहता है, जबकि दूसरा हिस्सा आप नेतृत्व के पास जाता है।

क्या हर बादल की एक बर्फीली परत होती है? सामने आई 'मॉलिक्यूलर क्लाउड' की अनोखी तस्वीर

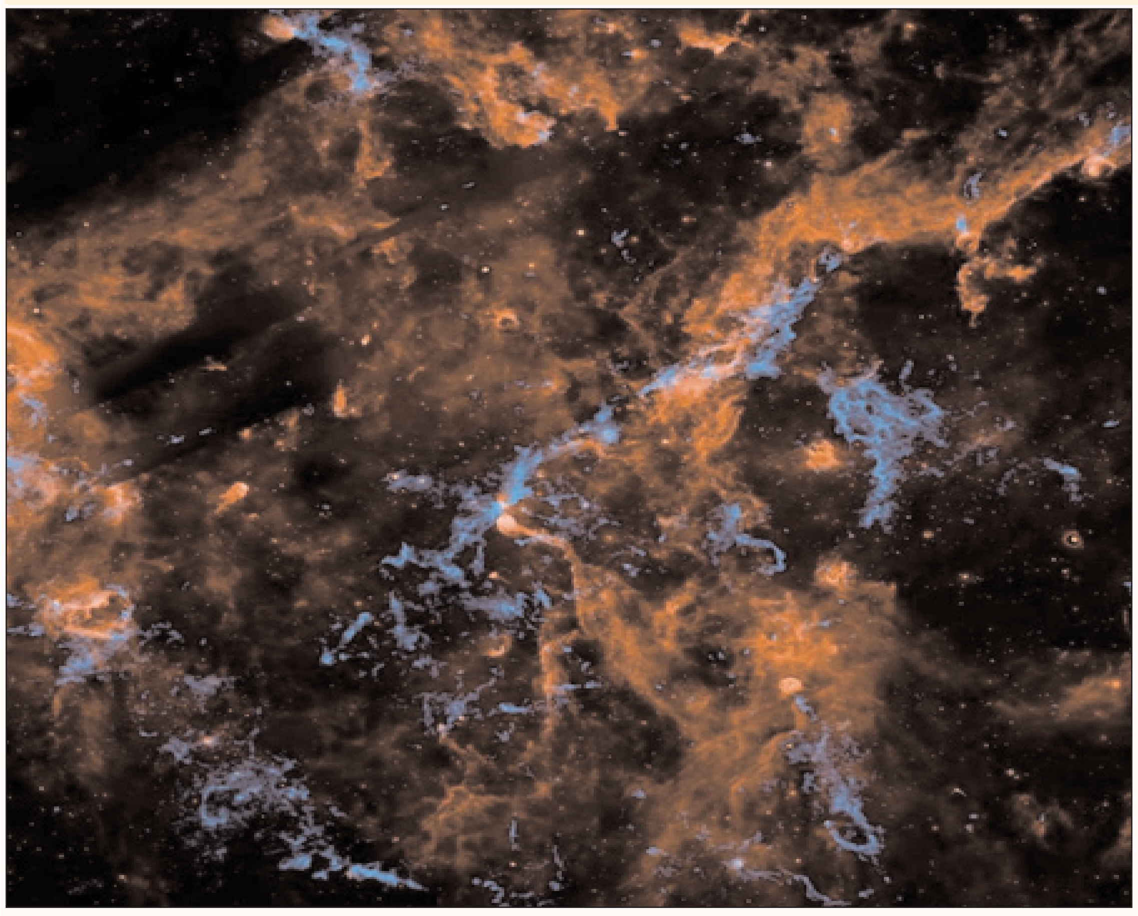

नई दिल्ली । अंतरिक्ष में ऐसे कई रहस्य हैं, जो लोगों को हैरत में डाल देते हैं। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने एक दिलचस्प तस्वीर पोस्ट करते हुए पूछा है– क्या हर बादल की एक बर्फीली परत होती है? असल में ये बादल हमारे आम बादल नहीं, बल्कि ब्रह्मांड में मौजूद विशाल मॉलिक्यूलर क्लाउड हैं।

मॉलिक्यूलर क्लाउड गैस और धूल के बड़े-बड़े क्षेत्र होते हैं, जो हमारी मिल्की वे गैलेक्सी में फैले हुए हैं। इनमें गुरुत्वाकर्षण के कारण पदार्थ आपस में सिकुड़ता है और नए तारे जन्म लेते हैं। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा का एसपीएचईआरईएक्स मिशन इन्हीं बादलों के अंदर मौजूद बर्फ का विस्तृत नक्शा तैयार कर रहा है।

नासा के अनुसार, इन बादलों में पानी, कार्बन डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड के साथ बर्फ भी पाई जाती है। यह बर्फ धूल के छोटे कणों की सतह पर जमती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ब्रह्मांड का ज्यादातर पानी इन्हीं बर्फीले भंडारों में बनता और जमा होता है। ये जीवन की उत्पत्ति की केमिस्ट्री के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण हैं।

वहीं, तस्वीर में चमकीले नीले रंग में पानी की बर्फ दिखाई दे रही है। यह तस्वीर साइग्नस एक्स क्षेत्र की है, जो मिल्की वे गैलेक्सी में तारों के जन्म का सबसे सक्रिय और उथल-पुथल भरा इलाका है। यहां नारंगी और नीले रंग के महीन धागे जैसे निशान दिख रहे हैं।यह मिशन इंटरस्टेलर बर्फ के विभिन्न प्रकारों का केमिकल विश्लेषण कर रहा है। इससे वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद मिलेगी कि तारे कैसे बनते हैं और जीवन की शुरुआत के लिए जरूरी तत्व कहां से आते हैं।

मॉलिक्यूलर क्लाउड ब्रह्मांड की सबसे ठंडी जगहों में से एक हैं, जहां तापमान बेहद कम होता है। यहीं गैस के घने बादल सिकुड़कर तारों का रूप लेते हैं। नासा का यह मिशन इन बादलों की रासायनिक संरचना को बेहतर तरीके से समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ऐसे में यह खोज न सिर्फ तारों के जन्म की प्रक्रिया को समझने में मदद करेगी, बल्कि यह भी बताएगी कि पृथ्वी पर जीवन के लिए जरूरी पानी और अन्य तत्व ब्रह्मांड में कैसे तैयार होते हैं।

आंखों को सुरक्षित रखने का आसान और प्रभावी तरीका, जानें 40 साल की उम्र के बाद नियमित आई टेस्ट क्यों है जरूरी?

नई दिल्ली। शरीर का एक महत्वपूर्ण अंग है आंख। हालांकि, गैजेट्स पर बढ़ती निर्भरता, सेहत को लेकर लापरवाही आंखों को नुकसान पहुंचाते हैं। 40 साल की उम्र के बाद ये समस्याएं और भी बढ़ जाती है। ऐसे में हेल्थ एक्सपर्ट 40 साल की उम्र के बाद नियमित आई टेस्ट की सलाह देते हैं।

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के अनुसार, आंखों की रोशनी को सुरक्षित रखने का सबसे आसान और प्रभावी तरीका है- नियमित नेत्र परीक्षण यानी आई टेस्ट। एनएचएम ने आगाह किया है कि इस उम्र के बाद नजर कमजोर होना या धुंधला दिखना सामान्य बात समझकर नजरअंदाज न करें। समय पर जांच से कई गंभीर आंखों की बीमारियों को शुरुआती चरण में ही रोका जा सकता है। दृष्टि अनमोल है, इसे सुरक्षित रखना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है।

40 साल की उम्र के बाद आंखों में कई बदलाव स्वाभाविक रूप से आने शुरू हो जाते हैं। नजदीक की चीजें धुंधली दिखना, ग्लूकोमा, डायबिटिक रेटिनोपैथी जैसी समस्याएं इस उम्र में आम हो जाती हैं। ये बीमारियां शुरुआत में बिना किसी बड़े लक्षण के धीरे-धीरे बढ़ती हैं। इसलिए नियमित जांच बहुत जरूरी हो जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार, 40 साल के बाद हर व्यक्ति को कम से कम एक साल में एक बार पूर्ण नेत्र परीक्षण कराना चाहिए।

वहीं, अगर किसी को , हाई ब्लडप्रेशर या परिवार में आंखों की बीमारी का इतिहास हो तो छह महीने में एक बार जांच जरूरी है। समय पर पता चलने से इलाज आसान और प्रभावी होता है व आंखों की रोशनी बचाई जा सकती है। मिशन का साफ कहना है कि समय पर पहचान, बेहतर बचाव का मंत्र है। नियमित आई टेस्ट से न सिर्फ दृष्टि कमजोर होने से बचाव होता है बल्कि शरीर की अन्य बीमारियों जैसे डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का भी शुरुआती संकेत मिल सकता है क्योंकि आंखों पर ही इनका असर सबसे पहले पड़ता है। आंखों की देखभाल के लिए स्क्रीन पर कम समय बिताएं, अच्छी रोशनी में पढ़ें, ज्यादा देर मोबाइल या कंप्यूटर न देखें और पौष्टिक भोजन लें। आंखों की रोशनी बढ़ाने और उन्हें सेहतमंद रखने के लिए गाजर, पालक, ब्रोकली, संतरा, कीवी, बादाम और ब्लूबेरी जैसे खाद्य पदार्थ का सेवन करें। इनमें विटामिन ए, सी, ई, ल्यूटिन और ओमेगा-3 फैटी एसिड भरपूर मात्रा में होते हैं जो आंखों की रक्षा करते हैं। इनके साथ सबसे महत्वपूर्ण है नियमित नेत्र जांच।

कमजोर और सूखे नाखूनों से परेशान, जानिए कैसे वापस पा सकते हैं चमक

नई दिल्ली। बाल और त्वचा के अलावा हमारे नाखून भी पर्सनैलिटी को बेहतर बनाने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। नाखून साफ-सुथरे और चमकदार हों, तो प्रभाव अलग ही पड़ता है। हालांकि अक्सर देखा जाता है कि कई लोगों के नाखून थोड़े बढ़ते ही टूटने लगते हैं। कई बार लोग इसे सिर्फ छोटी-सी समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं जबकि वैज्ञानिकों के अनुसार, ये शरीर में पोषण की कमी, जरूरत से ज्यादा केमिकल के इस्तेमाल या नमी की कमी का संकेत हो सकते हैं। अगर सही देखभाल की जाए तो नाखूनों को दोबारा मजबूत और स्वस्थ बनाया जा सकता है।

नाखून मुख्य रूप से केराटिन नामक प्रोटीन से बने होते हैं। जब शरीर में पानी की कमी होने लगती है या नाखून लगातार डिटर्जेंट, साबुन और केमिकल के संपर्क में रहते हैं, तब उनकी प्राकृतिक नमी कम होने लगती है। यही वजह है कि नाखून कमजोर और जल्दी टूटने लगते हैं।

वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार, शरीर में पर्याप्त पानी पहुंचने से नाखूनों की बनावट बेहतर बनी रहती है। इसी कारण डॉक्टर दिनभर पर्याप्त पानी पीने की सलाह देते हैं। इसके अलावा, हाथ धोने के बाद मॉइस्चराइजर लगाने से भी नाखूनों के आसपास की त्वचा मुलायम बनी रहती है।

विशेषज्ञ बताते हैं कि रात के समय नाखूनों की देखभाल ज्यादा असरदार मानी जाती है। सोने से पहले नाखूनों और उनके आसपास की त्वचा पर मॉइस्चराइजिंग क्रीम, नारियल तेल या पेट्रोलियम जेली लगाने से नमी लंबे समय तक बनी रहती है, जिससे नाखूनों में दरारें और टूटने से राहत मिलती है।

विटामिन ई को भी नाखूनों के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। यह एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है, जो त्वचा और नाखूनों को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों से बचाने में मदद करता है। इस तेल से हल्की मालिश करने पर नाखूनों के आसपास ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। इससे नाखूनों तक पोषण पहुंचता है और उनकी ग्रोथ मजबूत होती है।

जैतून का तेल भी नाखूनों की देखभाल में काफी उपयोगी माना जाता है। इसमें मौजूद हेल्दी फैट और पोषक तत्व नाखूनों की सूखी परत को नरम बनाने में मदद करते हैं।

भारत एआई के चलते टेक्नोलॉजी पर खर्च में अपने वैश्विक प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ देगा: रिपोर्ट

नई दिल्ली । भारतीय कंपनियों के टेक्नोलॉजी पर खर्च में 2026 में करीब 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने का अनुमान है, इसमें से 40-45 प्रतिशत एआई और टेक ट्रांसफॉरमेशन से जुड़ा होने की उम्मीद है। यह जानकारी गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

बेन एंड कंपनी की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में आईटी खर्च में वृद्धि वैश्विक प्रतिस्पर्धियों के लिए अनुमानित 4-6 प्रतिशत वृद्धि से कहीं अधिक रहने की उम्मीद है।

पिछले 12-18 महीनों में खर्च में तेजी आई है और अगले 2-3 वर्षों तक यह ट्रेंड जारी रहने की उम्मीद है, जो संरचनात्मक रूप से मजबूत निवेश चक्र को दिखाता है।

रिपोर्ट में बताया गया कि भारतीय उद्यम अपने बजट का एक बड़ा हिस्सा दीर्घकालिक क्षमता निर्माण, विशेष रूप से एआई प्लेटफॉर्म और डेटा आधुनिकीकरण के लिए आवंटित कर रहे हैं। भारत में टेक्नोलॉजी बजट का 50-60 प्रतिशत पूंजीगत व्यय होता है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह 20-30 प्रतिशत है।

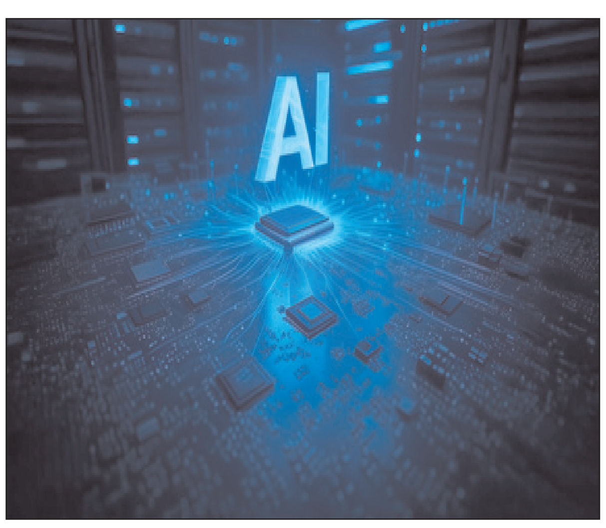

भारतीय कंपनियों के पूंजीगत व्यय का 30 प्रतिशत हिस्सा एआई प्लेटफॉर्म और डेटा आधुनिकीकरण पर खर्च किया गया।

टेक्नोलॉजी खर्च में कोर एप्लिकेशन आधुनिकीकरण (25 प्रतिशत), क्लाउड और आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर (25 प्रतिशत) और साइबर सुरक्षा (20 प्रतिशत) प्रमुख है, जो मूलभूत क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में स्पष्ट बदलाव को दर्शाता है। रिपोर्ट में कहा गया कि 2026 के टेक्नोलॉजी बजट का लगभग 40 प्रतिशत परिवर्तनकारी पहलों के लिए आवंटित किए जाने की उम्मीद है, जिसमें एआई और डेटा-आधारित परिवर्तन लगभग आधे हिस्से के लिए जिम्मेदार होंगे।

अनुमान है कि अगले 12 महीनों में लगभग 60 प्रतिशत सीआईओ उच्च-प्रभाव वाले एआई रोडमैप को प्राथमिकता देंगे।

रिपोर्ट में बताया गया कि लगभग 72 प्रतिशत मुख्य सूचना अधिकारियों ने पुरानी तकनीकी खामियों को परिवर्तन में सबसे बड़ी बाधा बताया, इसके बाद अगली पीढ़ी के क्षेत्रों में कौशल की कमी (57 प्रतिशत) और नई तकनीक से जुड़ी पहलों पर निवेश पर अप्रमाणित प्रतिफल (49 प्रतिशत) का स्थान रहा।

लगभग 90 प्रतिशत बिजनेस लीडर्स ने संकेत दिया कि वर्तमान डेटा आधार और एआई की परिपक्वता पूरे उद्यम में विस्तार के लिए पर्याप्त नहीं है।

पाकिस्तान: कराची में पोलियोवायरस के पांच नए मामले आए सामने

कराची। पाकिस्तान में पोलियो वायरस एक बार फिर गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनता जा रहा है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कराची के सीवेज और अन्य स्थानों से लिए गए पांच नमूनों में पोलियो वायरस की पुष्टि हुई है। इस घटनाक्रम ने स्वास्थ्य अधिकारियों की चिंता बढ़ा दी है।

सिंध में आयोजित एक परामर्श बैठक के दौरान शहरयार मेमन ने बताया कि कराची में वायरस की मौजूदगी इस बात का संकेत है कि संक्रमण अब भी फैल रहा है। उन्होंने कहा कि आमतौर पर कम संक्रमण वाले मौसम में भी वायरस का सक्रिय रहना बेहद चिंताजनक है और इसके लिए तत्काल सख्त कदम उठाने की जरूरत है।

यह बैठक सिंध इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ एंड नियोनेटोलॉजी (एसआईसीएचएन) में आयोजित की गई थी, जिसमें यूनिसेफ, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, पाकिस्तान पीडियाट्रिक एसोसिएशन और पाकिस्तान मेडिकल एसोसिएशन सहित कई संस्थाओं के विशेषज्ञ शामिल हुए।

डब्ल्यूएचओ के प्रतिनिधि जॉर्ज ने कहा कि अफ्रीका में सफल साबित हुई रणनीतियों को अब पाकिस्तान में भी लागू किया जा रहा है, ताकि वायरस के प्रसार को रोका जा सके। पिछले सप्ताह खैबर पख्तूनख्वा प्रांत से पोलियो के दो नए मामले सामने आए थे। इनमें एक मामला बन्नू और दूसरा नॉर्थ वजीरिस्तान से जुड़ा है। इस साल अब तक पाकिस्तान में पोलियो के कुल तीन मामले दर्ज किए जा चुके हैं। अधिकारियों के अनुसार, इन मामलों की पुष्टि राष्ट्रीय पोलियो निगरानी नेटवर्क और डब्ल्यूएचओ से मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला द्वारा की गई। पाकिस्तान और अफगानिस्तान दुनिया के वे दो देश हैं जहां अब भी पोलियो के मामले सामने आते हैं।

पोलियो उन्मूलन अभियान के सामने सुरक्षा चुनौतियां भी लगातार बनी हुई हैं। हाल ही में खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में टीकाकरण टीमों पर हमले हुए, जिनमें पुलिसकर्मी मारे गए और कुछ स्वास्थ्यकर्मियों का अपहरण भी किया गया।

इसके अलावा, टीके को लेकर फैली गलत जानकारी और अभिभावकों द्वारा वैक्सीन से इनकार भी बड़ी समस्या बना हुआ है। केवल कराची में ही लगभग 31 हजार परिवारों ने पोलियो ड्रॉप्स देने से मना कर दिया, जो पूरे देश के कुल इनकार मामलों का करीब 58 प्रतिशत है।

गर्मी से राहत देता है ये प्राणायाम, मन को भी कर देता है शांत

नई दिल्ली। गर्मी में लगातार बढ़ता तापमान न केवल जनजीवन को प्रभावित करता है, बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी कई चुनौतियां पैदा करता है। ऐसे समय में शरीर को हाइड्रेटेड रखना बेहद जरूरी है। साथ ही प्राणायाम का अभ्यास भी काफी लाभदायक साबित हो सकता है। विशेष रूप से शीतली प्राणायाम शरीर को ठंडक प्रदान करता है।

शीतली प्राणायम एक आसान योगिक श्वास तकनीक है, जो शरीर को ठंडक प्रदान करता है। इसमें अभ्यासकर्ता अपनी जीभ को मोड़कर (या होंठों को गोल करके) मुंह से सांस अंदर लेते हैं। ऐसा करने से ठंडी हवा शरीर में जाती है, जिससे शरीर की गर्मी कम होती है और मन शांत होता है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने शीतली प्राणायम के लाभ के बारे में बताया है। उनके अनुसार, यह शरीर और मन को ठंडक प्रदान करने वाली एक प्रभावी योगिक तकनीक है। मुख्य रूप से यह शरीर के तापमान को नियंत्रित करने, उच्च रक्तचाप, तनाव को कम करने और पित्त विकारों को दूर करने में सहायक है। इसे जीभ को मोड़कर नली की तरह बनाकर मुंह से सांस लेने की प्रक्रिया द्वारा किया जाता है।

पित्त दोष को शांत करता है और पैरा सिम्पैथेटिक नर्वस सिस्टम को सक्रिय कर शरीर को रिलैक्स करने में मदद करता है, जिससे शरीर की अतिरिक्त गर्मी बाहर निकलती है।

इसे करना बेहद आसान है। शीतली प्राणायाम करने के लिए सुबह खाली पेट शांत जगह पर सुखासन या पद्मासन में बैठें। जीभ को निकालकर नलिका की तरह मोड़ें। इसके बाद मुंह से धीरे-धीरे ठंडी हवा अंदर की खींचें। इसके बाद सांस को कुछ सेकंड रोकें और फिर नाक से धीरे-धीरे सांस छोड़ें। इसे 5 से 10 बार दोहराना चाहिए।

यह प्राणायाम खासकर गर्मी के मौसम में या जब शरीर ज्यादा गरम हो जाए, तब बहुत फायदेमंद होता है। यह तनाव और चिंता को कम करने में भी मदद करता है। इसे केवल गर्म मौसम में ही करने की सलाह दी जाती है। सर्दी, खांसी, अस्थमा या कम रक्तचाप की समस्या होने पर इसे न करें।

प्रेग्नेंसी में ध्यान का महत्व: हर तिमाही में बढ़ाएं समय, मां और शिशु दोनों को फायदा

नई दिल्ली। मदर्स डे (10 मई) और विश्व योग दिवस का समय नजदीक है। ऐसे में भारत सरकार का आयुष मंत्रालय गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर विशेष जागरूकता अभियान चला रहा है। मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर महत्वपूर्ण पोस्ट करते हुए प्रेग्नेंसी के दौरान ध्यान के फायदों के बारे में जानकारी दी।

ध्यान मन को शांत करने और एकाग्र करने की प्रक्रिया है। इसमें अपने विचारों को नियंत्रित कर वर्तमान क्षण में पूरी तरह रहा जा सकता है। सांस पर ध्यान केंद्रित करके या शांति से बैठकर किया जाने वाला यह अभ्यास तनाव कम करता है, मन की शांति बढ़ाता है और आत्म-जागरुकता विकसित करता है।

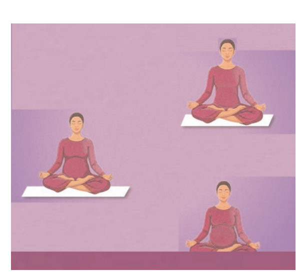

आयुष मंत्रालय के अनुसार, गर्भावस्था में शारीरिक देखभाल जितनी जरूरी है, उतनी ही जरूरी मन की शांति बनाए रखना भी है। ध्यान का नियमित अभ्यास गर्भवती महिलाओं को शांत और स्थिर रखने, तनाव कम करने और खुद से व आने वाले शिशु से गहरा भावनात्मक जुड़ाव बनाने में मदद करता है।

मंत्रालय ने बताया कि गर्भावस्था के हर चरण में ध्यान का अभ्यास महिलाओं को भावनात्मक संतुलन बनाए रखने और स्वास्थ्य सुधारने में सहायक है। इससे पूरी गर्भावस्था की यात्रा अधिक शांतिपूर्ण, स्थिर और सकारात्मक बनती है। एक्सपर्ट गर्भवती महिलाओं के लिए तिमाही के अनुसार ध्यान का समय भी बताते हैं।

पहली तिमाही:- 5 मिनट
दूसरी तिमाही:- 10 मिनट
तीसरी तिमाही:- 15 मिनट

मंत्रालय ने अपील की है कि हर गर्भवती महिला को ध्यान को अपनी रोजाना दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। एक शांत और संतुलित मन वाली मां स्वस्थ और शांत बच्चे को जन्म देने की नींव रखती है। योग गर्भवती मां की शारीरिक व मानसिक ताकत है।

'हम मौकों को भुनाने में नाकाम रहे', सेमीफाइनल में पीएसजी से मिली हार पर बोले हैरी केन

म्यूनिख। एफसी बायर्न म्यूनिख को यूईएफए चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। डिफेंडिंग चैंपियन पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6-5 से मुकाबले को अपने नाम किया और फाइनल का टिकट कटाया। इस हार के बाद बायर्न के स्टार स्ट्राइकर हैरी केन ने गहरी निराशा जताई है।

दूसरे लेग का मुकाबला म्यूनिख के एलियांज एरिना में खेला गया, जो 1-1 से ड्रॉ रहा। पीएसजी के लिए ओस्मान डेम्बेले ने पहला गोल किया, जिससे टीम ने बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद मैच के आखिरी हिस्से में हैरी केन ने गोल करके बायर्न की उम्मीदें जिंदा रखीं, लेकिन टीम दूसरा गोल नहीं कर सकी।

पहले लेग और कुल मिलाकर प्रदर्शन के आधार पर पीसीजी ने बढ़त बनाए रखी और लगातार दूसरे चैंपियंस लीग फाइनल में पहुंचने में सफल रही। मैच के बाद हैरी केन ने कहा कि यह हार स्वीकार करना आसान नहीं है। उन्होंने माना कि दोनों लेग में टीम कई अच्छे मौकों का फायदा नहीं उठा पाई, जिसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा। केन ने कहा कि ऐसे बड़े मुकाबलों में छोटे-छोटे मौके बहुत अहम होते हैं और उनकी टीम इन मौकों को भुनाने में सफल नहीं हुई।

हालांकि, उन्होंने अपनी टीम के जज्बे और मेहनत की तारीफ भी की। केन ने कहा कि उन्हें इस क्लब और टीम का हिस्सा होने पर गर्व है और भले ही हार का दुख अभी रहेगा, लेकिन टीम को आगे के मुकाबलों पर ध्यान देना होगा। उन्होंने बायर्न के फैंस का भी धन्यवाद किया, जिन्होंने पूरे टूर्नामेंट में टीम का समर्थन किया। केन ने कहा कि वह आने वाले घरेलू फाइनल में फैंस से मिलने के लिए उत्साहित हैं और टीम वहां बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी।

मैच की शुरुआत में पीएसजी ने मजबूत खेल दिखाया और ख्विचा क्वारात्सखेलिया की बेहतरीन असिस्ट पर डेम्बेले ने गोल दागा। इसके बाद बायर्न ने लगातार हमले किए, जिसमें जमाल मुसियाला और माइकल ओलिस ने मौके बनाए, लेकिन पीएसजी के गोलकीपर माटवेई सफोनोव ने शानदार बचाव किए। आखिरी मिनटों में केन का गोल भी बायर्न को जीत नहीं दिला सका, और पीएसजी ने फाइनल का टिकट हासिल कर लिया। अब बायर्न का ध्यान घरेलू लीग बुंडेसलीगा पर है।

चैंपियंस लीगः फाइनल में पहुंची पीएसजी, डेम्बेले का गोल रहा निर्णायक

म्यूनिख । ओस्मान डेम्बेले के गोल की मदद से पेरिस सेंट-जर्मेन ने अपने चैंपियंस लीग खिताब का बचाव करने के आखिरी मोड़ पर पहुंच गई है। डिफेंडिंग चैंपियन ने म्यूनिख के एलियांज एरिना में सेमीफाइनल मुकाबले के दूसरे लेग में एफसी बायर्न के खिलाफ मुकाबला 1-1 से ड्रॉ खेला और कुल मिलाकर 6-5 से जीत हासिल की।

लुइस एनरिक की टीम, जिसने पिछले सीजन के फाइनल में इंटर के खिलाफ आक्रामक प्रदर्शन के साथ चैंपियंस लीग का खिताब जीता था, ने वहीं से शुरुआत की जहां एक साल पहले छोड़ा था और इस मुकाबले में सिर्फ दो मिनट में ही अपनी बढ़त बना ली। पीएसजी के लिए ओस्मान डेम्बेले ने गोल किया। डेम्बेले ने ख्विचा क्वारात्सखेलिया के सटीक पास को गोल में बदल दिया।

मेजबान टीम ने मैच में वापसी की कोशिश की, लेकिन बायर्न म्यूनिख के गोलकीपर मैनुअल न्यूएर ने शानदार बचाव किए। उन्होंने जोआओ नेवेस के हेडर को गोल में जाने से रोक दिया।

पहले हाफ के आखिर में बायर्न ने अच्छा खेल दिखाया। जमाल मुसियाला के दमदार शॉट को पीएसजी के गोलकीपर माटवेई साफोनोव ने रोक लिया। इसके बाद मुसियाला का एक और शॉट थोड़ा ऊपर निकल गया। दूसरे हाफ की शुरुआत में पेरिस की टीम ने लगातार हमला किया।

हॉकी इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के लिए अंडर-18 पुरुष और महिला टीम घोषित की

भोपाल । हॉकी इंडिया ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए 24-सदस्यीय भारतीय अंडर-18 पुरुष और महिला टीम की घोषणा की। सीरीज 15 से 20 मई तक भोपाल के उद्धव दास मेहता (भाई जी) साई सेंट्रल सेंटर में होगी।

चार मैचों की यह सीरीज 29 मई से 6 जून 2026 तक होने वाले पुरुष और महिला अंडर-18 एशिया कप काकामिगाहारा (जापान) 2026 के लिए टीमों की आखिरी तैयारियों का एक अहम हिस्सा है। हर टीम में आखिरी 24 खिलाड़ियों को नेशनल कोचिंग कैंप के दौरान एक सप्ताह की कड़ी जांच के बाद चुना गया, जहां शुरुआती 42 खिलाड़ियों के ग्रुप को मैच फिटनेस और तकनीकी क्षमता के आधार पर चुना गया था।

फॉरवर्ड केतन कुशवाहा को इंडियन अंडर-18 पुरुष टीम का कप्तान बनाया गया है। स्वीटी कुजूर महिला अंडर-18 टीम की कप्तान होंगी।

पुरुष टीम को कोचिंग दे रहे पूर्व हॉकी खिलाड़ी सरदार सिंह ने कहा, 'कैंप में एक अच्छे हफ्ते के बाद, हमने उन 24 खिलाड़ियों को पहचाना है जिनके बारे में हमें लगता है कि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए तैयार हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ये मैच अभ्यास मैच नहीं हैं। ये हमारी मानसिकता और तकनीकी क्षमता का टेस्ट हैं। केतन पिच पर एक नेचुरल लीडर हैं। मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि जापान में अंडर-18 एशिया कप में जाने से पहले यह ग्रुप ऑस्ट्रेलियन स्टाइल की तेजी और दबाव को कैसे हैंडल करता है।'

महिला टीम की कोच पूर्व भारतीय कप्तान रानी रामपाल ने कहा, 'हमने स्क्वॉड में 24 खिलाड़ियों को जगह दी है। ये सभी खिलाड़ी कैंप में बेहतरीन रही थीं। स्वीटी के पास इस युवा टीम को अच्छे से लीड करने के लिए जरूरी अनुभव और विजन है। भोपाल में ऑस्ट्रेलिया जैसी टॉप टीम के खिलाफ चार मैच खेलने से हमें अपनी ताकत और उन क्षेत्र की साफ तस्वीर मिलेगी जिनमें काम करने की जरूरत है। यह सीरीज एशिया कप से पहले लड़कियों के लिए रिहर्सल की तरह है।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए भारत की पुरुष अंडर-18 हॉकी टीमः

गोलकीपरः सावन कुमार, आयुष रजक, विशाल बड़ा

डिफेंडरः अंश बहुता, आशीष तानी पूर्ति, अरमान सोरेंग, दीपक प्रकाश टोप्पो, करण गौतम, करण धनुक मिडफील्डरः प्रेमचंद सोय, राहुल यादव, वरिंदर सिंह, रोमित पाल, अर्जनदीप सिंह, गुरसिमरनप्रीत सिंह, अर्शदीप सिंह, अवि मानिकपुरी।

टी20 मुंबई लीग 2026ः 1 से 13 जून तक खेला जाएगा टूर्नामेंट

मुंबई। टी20 मुंबई लीग का सीजन 4 और टी20 मुंबई महिला लीग का पहला सीजन 1 से 13 जून तक वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने गुरुवार को यह घोषणा की। पुरुषों और महिलाओं का टूर्नामेंट एक साथ होगा।

एमसीए के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा, 'टी20 मुंबई लीग ने मुंबई के क्रिकेट संस्कृति को मजबूत करने और उभरते हुए खिलाड़ियों को खेल के कुछ सबसे बड़े नामों के साथ खेलने का मौका देने में लगातार अहम भूमिका निभाई है। वानखेड़े स्टेडियम में पुरुषों और महिलाओं दोनों के टूर्नामेंट कराना, प्रतिभाओं के विकास के लिए और मुंबई क्रिकेट को ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के एमसीए की प्रतिबद्धता को दिखाता है।

लीग गवर्निंग काउंसिल के अध्यक्ष राजदीप गुप्ता ने कहा, 'वानखेड़े स्टेडियम में खेलने का मौका कई युवा क्रिकेटरों के लिए एक बड़ा पल होगा और बतौर क्रिकेटर उनके विकास के सफर में एक जरूरी मंच होगा। स्टार स्पोर्ट्स पर लाइव टेलीकास्ट और जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग के साथ, खिलाड़ियों को देश भर के दर्शकों के सामने कीमती एक्सपोजर मिलेगा। फैंस पूरे टूर्नामेंट में क्रिकेट के एक रोमांचक और हाई-क्वालिटी ब्रांड की उम्मीद कर सकते हैं।

पुरुषों के इस कॉम्पिटिशन में दुनिया के कुछ सबसे बड़े क्रिकेट नाम और शहर के सबसे होनहार उभरते खिलाड़ी शामिल होंगे। इन क्रिकेटरों में सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, अजिंक्य रहाणे, यशस्वी जायसवाल, शिवम दुबे, सरफराज खान, शार्दुल ठाकुर, तुषार देशपांडे, आयुष म्हात्रे, अंगकृश रघुवंशी, मुशीर खान, सूर्यांश शेडगे और अभिज्ञान कुंडू जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

पहली महिला लीग में घरेलू सर्किट के सबसे होनहार युवा खिलाड़ियों के साथ कुछ बड़े नाम भी शामिल होंगे, जिनमें सायली सतघरे, साइमा ठाकोर, हुमैरा काजी, टीनएज बैटिंग सेंसेशन इरा जाधव, जो नीलामी में सबसे महंगी बिकीं, सनिका चालके, और सिमरन शेख शामिल हैं।

इटालियन ओपनः ऑल्टमायर ने झिझेन को हराया, दूसरे राउंड में ज्वेरेव से होगा मुकाबला

रोम। डेनियल ऑल्टमायर ने इटालियन ओपन के पहले राउंड में झांग झिझेन को 4-6, 7-6(3), 6-4 से हराकर दो मैच पॉइंट बचाए। यह इस सीजन का उनका पहला एटीपी मास्टर्स 1000 मैच था। 27 साल के इस खिलाड़ी का अब दूसरे राउंड में मुकाबला दो बार के रोम चैंपियन अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा, जो अपनी एटीपी हेड टू हेड सीरीज में 3-1 से आगे हैं।

दूसरी तरफ, यानिक हनफमैन और जान-लेनार्ड स्ट्रफ भी आगे बढ़े। हनफमैन ने पूर्व टॉप-10 स्टार ह्यूबर्ट हर्काज को 6-7(3), 7-6(2), 6-2 से हराकर दूसरे राउंड में 18वें सीड लुसियानो डार्डेरी के साथ मुकाबला तय किया। एटीपी की रिपोर्ट के मुताबिक, स्ट्रफ ने फ्रांसिस्को कोमेसाना को 6-2, 6-4 से हराया और अब उनका मुकाबला 11वीं सीड जिरी लेहेका से होगा।

घरेलू पसंदीदा माटेओ अर्नाल्डी ने जैमे मुनार के खिलाफ मुश्किल शुरुआती टेस्ट जीतकर अपनी अच्छी फॉर्म बनाए रखी।

अर्नाल्डी, जिन्होंने पिछले सप्ताह कैग्लियारी में एटीपी चैलेंजर 175 इवेंट में ट्रॉफी उठाई थी, ने इस साल छह कोशिशों में अपनी पहली टूर-लेवल मैच जीत के लिए 6-3, 3-6, 6-3 से जीत हासिल की। ??इटालियन तीसरे राउंड में जगह बनाने के लिए छठी सीड एलेक्स डी मिनौर से खेलेंगे।

सेबेस्टियन बाएज और नूनो बोर्गेस फोरो इटालिको में पहले दिन के दूसरे पहले राउंड के विजेताओं में शामिल थे।

बाएज को सात मैच पॉइंट्स की जरूरत थी, लेकिन आखिरकार उन्होंने जेनसन ब्रूक्सबी के खिलाफ 6-3, 7-6(8) से जीत हासिल की। अब उनका अगला मुकाबला नौवीं सीड अलेक्जेंडर बुब्लिक से होगा। इस बीच, पुर्तगाली स्टार बोर्गेस ने क्वालिफायर जेस्पर डी जोंग को 6-3, 6-0 से हराया, और अब वह तेजी से आगे बढ़ रहे राफेल जोदार के दूसरे राउंड के विपक्षी होंगे।

महिला एकल में फिलीपींस की अकेली खिलाड़ी एलेक्जेंड्रा एला ने पोलैंड की मैग्डेलेना फ्रेच को 2 घंटे, 21 मिनट में 6-0, 3-6, 6-4 से हराकर दूसरे राउंड में जगह बनाई।

प्रियांश आर्य के विकेट के लिए पैट कमिंस की खास रणनीति काम आईः जेम्स फ्रैंकलिन

हैदराबाद । सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने बुधवार की शाम राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पंजाब किंग्स को 33 रन से हराकर अंकतालिका में पहला स्थान हासिल कर लिया। एसआरएच के सहायक कोच जेम्स फ्रैंकलिन इस जीत का श्रेय कप्तान पैट कमिंस की तकनीकी समझ और गेंदबाजी के लिए उनके द्वारा बनाई रणनीति को दिया।

पंजाब किंग्स के सबसे खतरनाक बल्लेबाज प्रियांश आर्य को कमिंस ने पहले ओवर में ही आउट कर दिया। इसे फ्रैंकलिन ने कमिंस की सोची समझी रणनीति बताया। फ्रैंकलिन ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मुझे लगता है कि योजना पहले से बनी थी। हमारे गेंदबाज गेंदबाजी कोच वरुण आरोन के साथ मैच से पहले बहुत काम करते हैं। मुझे लगता है कि कभी-कभी आपको जरूरी नहीं कि वैसी ही गेंद फेंकनी पड़े जैसी शायद फील्ड उम्मीद कर रही हो। हमने पहले भी गेंद देखी थी। उसने उसी तरह की लाइन पर काफी अच्छे बाउंस के साथ गेंदबाजी की और मौका बनाया।

ऑस्ट्रेलिया तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगी, सामने आया शेड्यूल

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम 23 मई को तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए पाकिस्तान पहुंचेगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की।

पीसीबी के मुताबिक ऑस्ट्रेलियाई टीम 23 मई को इस्लामाबाद पहुंचेगी। वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 30 मई को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। 2 और 4 जून को दूसरा और तीसरा मुकाबला लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेला जाएगा।

तीनों मैच स्थानीय समय के अनुसार शाम 4.30 बजे शुरू होंगे। टॉस शाम 4 बजे होगा। पाकिस्तान-ऑस्ट्रेलिया सीरीज आईपीएल 2026 के प्लेऑफ शेड्यूल से टकराएगी।

ऑस्ट्रेलिया के कई बड़े व्हाइट-बॉल खिलाड़ी आईपीएल 2026 में खेल रहे हैं। इसलिए पाकिस्तानी जाने वाली टीम में कई बड़े खिलाड़ी शामिल नहीं होंगे। जिन खिलाड़ियों की फ्रेंचाइजी प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाती है, वे पहले वनडे से पूर्व टीम से जुड़ सकते हैं। एलएसजी के मिशेल मार्श, जोश इंग्लिस और केकेआर के कैमरन ग्रीन टीम से जुड़ सकते हैं। एलएसजी और केकेआर के आईपीएल प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना न के बराबर है।

पैट कमिंस, जोश हेजलवुड, मिशेल स्टार्क और ट्रेविस हेड जैसे खिलाड़ियों को अगस्त में बांग्लादेश में टेस्ट सीरीज पर ध्यान देने के लिए आराम दिया जा सकता है, जबकि कूपर कोनोली, जेवियर बार्टलेट, बेन ड्वारशुइस और मैथ्यू शॉर्ट को जून में बांग्लादेश में व्हाइट-बॉल सीरीज में खेलने के लिए कुछ ब्रेक दिया जा सकता है। एलेक्स कैरी, एडम जम्पा और मार्नस लाबुशेन, जो हाल ही में पाकिस्तान सुपर लीग में खेले थे, पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा हो सकते हैं। नाथन एलिस और मैथ्यू रेनशॉ भी ऑस्ट्रेलियाई टीम में जगह बना सकते हैं।

मार्च-अप्रैल 2022 के बाद वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम का यह पहला पाकिस्तान दौरा है।

तीन वनडे मैचों की उस सीरीज में पाकिस्तान ने 2-1 से जीत हासिल की थी। ऑस्ट्रेलिया ने इस साल की शुरुआत में तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए पाकिस्तान का दौरा किया था।

आर्चरी विश्व कप स्टेज 2ः भारतीय महिला रिकर्व टीम कोरिया को हराकर फाइनल में पहुंची

शंघाई। भारतीय महिला रिकर्व टीम ने गुरुवार को यहां आर्चरी विश्व कप स्टेज 2 में 10 बार की ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया को हराकर उलटफेर करते हुए पदक पक्का किया। हालांकि, धीरज बोम्मादेवरा, तरुणदीप राय और यशदीप संजय भोगे वाली पुरुष टीम बांग्लादेश से 2-6 से हारकर पहले ही राउंड में बाहर हो गई।

दीपिका कुमारी, अंकिता भक्त और युवा कुमकुम मोहोद की महिला टीम ने सेमीफाइनल में ली युंजी, ओह येजिन और मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन कांग चाएयंग की कोरियाई टीम को 5-1 से हराकर रविवार को दूसरी सीड चीन के खिलाफ होने वाले फाइनल में जगह बनाई।

मैच की शुरुआत भारतीय तिकड़ी के शानदार प्रदर्शन से हुई, जिन्होंने कोरियाई टीम को हराकर शुरुआती बढ़त हासिल की। दोनों टीमों ने दूसरा सेट 56 के समान स्कोर के साथ समाप्त किया, जिसके परिणामस्वरूप सेट पॉइंट्स का बंटवारा हो गया और भारत 2-1 की बढ़त बनाए रहा।

निर्णायक सेट में, भारत का प्रदर्शन सेट 1 में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की झलक था। दो 9 के साथ एक स्थिर शुरुआत के बाद, उन्होंने तीन 10 और एक एक्स के अविश्वसनीय रन के साथ समापन किया और फाइनल में एक स्थान के साथ मैच सील कर दिया।

इस बीच, ओजस और अदिति गोपीचंद स्वामी की संयुक्त-मिश्रित टीम को क्वार्टर फाइनल में यूएसए के एलेक्सिस रुइज और जेम्स लुट्ज के खिलाफ 156-157 से हार का सामना करना पड़ा।

दूसरी ओर, अंकिता और धीरज की रिकर्व मिश्रित टीम करीबी मुकाबले वाले शुरुआती दौर के मैच में ब्राजील की एना लुइजा स्लियाचटिकस कैटानो और मार्कस डी'अल्मेडा की जोड़ी से 5-4 से हार गई।

1 भारतीय कंपाउंड पुरुष टीम ओजस प्रवीण देवताले, साहिल राजेश जाधव और कुशल दलाल सेमीफाइनल में गेयस कार्टर, वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर जेम्स लुट्ज और लुइस प्राइस की अमेरिकी टीम से 234-235 से हार गए, और फिर दो शूट-ऑफ के बाद चीन से ब्रॉन्ज मेडल मैच हार गए।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415